RNI No. GUJHIN/2010/35230

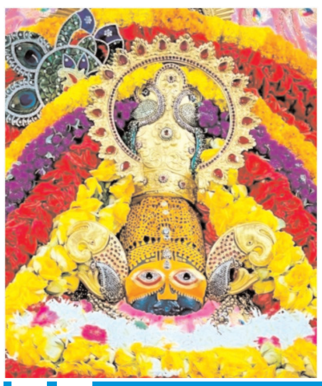

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:263। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (शुक्रवार) 15 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से गुरुवार को ब्रिक्स देशों तथा अन्य भागीदार देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। उन्होंने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची, इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस हेसेबोन और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो सहित अन्य प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14-15 मई तक जारी ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ सुब्रह्मणयम जयशंकर कर रहे हैं। इस वर्ष का विषय है- लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। इसका उद्देश्य भारत की बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता तथा इस समूह का रणनीतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने पर केंद्रित दृष्टिकोण दर्शाता है। इस दौरान रूस, ईरान, इंडोनेशिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया और अन्य ब्रिक्स भागीदार देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया।

अगर कोई नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसे उसके घर में घुसकर जवाब देंगे: राजनाथ सिंह

रणनीतिक स्वायत्तता और भविष्य के लिए तैयार सैन्य बल के निर्माण हेतु आत्मनिर्भरता एवं संयुक्तता अनिवार्यः रक्षा मंत्री

● राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य के युद्धक्षेत्र में सफलता उन्हीं को मिलेगी, जो विचार, प्रोटोटाइप और उसके क्रियान्वयन के बीच के समयांतराल को न्यूनतम करेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर ने तो इतिहास ही बदल दिया। इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद के प्रति एक बार फिर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए बताया है कि आतंकवाद को लेकर भारत जीरो टॉलरेंस की नीति रखता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट एयर स्ट्राइक का उदाहरण दिया। रक्षा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारतीय सेना आतंकवादियों को सीमा पार जाकर भी मार सकती है। गुरुवार को रक्षामंत्री ने कहा, 'हमने दुनिया को साफ संदेश दिया है, कि आतंकवाद के खिलाफ अब

हमारी नीति जीरो टॉलरेंस की है। हमने 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखा दिया, कि भारत की सेना सीमा पार जाकर भी आतंकियों को मार सकती है। 2019 में हमारे बालाकोट एयरस्ट्राइक ने, आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैंप को तबाह किया। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर ने तो जैसे इतिहास ही बदल दिया। ऑपरेशन सिंदूर में हमने ऐसा करारा जवाब दिया कि दुश्मन के होश ही उड़ गए।' गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राजस्थान में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमारे जवान, देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं, ठीक उसी तरह से, हमारी सरकार भी, योजनाओं के मामले में, उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। रक्षा मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले दस वर्षों में, भारत ने अपनी सुरक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव किया है उन्होंने कहा, 'हमने साबित किया है कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। अब अगर कोई हमारे नागरिकों पर हमला करेगा, तो हम उसे उसके घर में घुसकर जवाब देंगे। कोई सीमा हमें रोक नहीं सकती, कोई सरहद बाधा नहीं बन सकती।' उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर महिला सुरक्षा के सख्त कानूनों तक, सरकार हर स्तर पर नारी शक्ति को सशक्त कर रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'हमने तो महिलाओं को, उनका राजनीतिक अधिकार दिलाने के लिए, उनको 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का भी पूरा प्रयास और प्रबंध किया था। लेकिन विपक्ष के हमारे साथियों के विरोध के कारण, ऐसा नहीं हो सका।' इस विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह यह बताना चाहते हैं कि वह बिल केवल एक बिल भर नहीं था, बल्कि वह हमारी सामूहिक इच्छा का एक परिचायक था। उन्होंने कहा कि बिल एक बार को भले ही सदन के मैदान में विफल हो जाए, हमारी इच्छा को कभी कोई विफल नहीं कर सकता है।

एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं :अमित शाह

पिछले 20 वर्षों में अपने साहस, समर्पण और परिश्रम से देश का विश्वास अर्जित कर 'प्रेसिडेंट्स कलर' हासिल करने वाले एनडीआरएफ के सभी जवानों को बधाई

एजेंसी
गाजियाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह आज सुबह गाजियाबाद पहुंचे। उन्होंने एनडीआरएफ के राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्वास है कि एनडीआरएफ देश की जनता को किसी भी प्रकार की आपदा से सुरक्षित करने के लिए और मजबूती के साथ भविष्य में काम कर पाएगी। शाह ने कहा कि एनडीआरएफ के जवानों को देखकर लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते हैं।

● पहले आपदा प्रबंधन में प्रतिक्रिया राहत-आधारित थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे सिर्फ रिएक्टिव नहीं, बल्कि प्रिवेंटिव और प्रोडक्टिव बनाया है--- शाह

● मोदी सरकार आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण को 'मिनिमम कैजुअल्टी' से 'ज़ीरो कैजुअल्टी' तक पहुँचा रही है--- शाह

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 से न केवल आपदा और राहत कार्य के नवीनीकरण के लिए काम किया गया है, बल्कि अब हम ऐसी स्थिति में आ गए हैं कि हम जीरो कैजुअल्टी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि इन परियोजनाओं के चालू होने से राहत और बचाव कार्य में और आसानी होगी।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि जिस आपदा का हमें पूर्वानुमान है। इसका अंदेशा मौसम विभाग से मिल गया है, वहां पर जान माल की सुरक्षा, संपूर्ण सुरक्षा हमारा लक्ष्य हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में ढेर सारे काम किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए बहुत सारे निर्णय लिये गए है। जागरुकता और बचाव ऐप भी बनाए गए है। इसके माध्यम से धीरे-धीरे आपदा बचाओ देश का एक संस्कार बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ ने न केवल नागरिकों को, नागरिकों के साथ रहने वाले बेजुबान पशुओं को भी बचाकर उत्कृष्ट सेवा का उदाहरण दिया है। सरकार का लक्ष्य जानमाल और संपत्ति का नुकसान न्यूनतम करना है। हीट वेव जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए गृह मंत्रालय तैयारी कर चुका है।

आने वाले कुछ वर्ष में इसकी वजह से होने वाली जानमाल की हानि को हम न्यूनतम तक पहुंचाने में सफल होंगे।

शिवराज सिंह चौहान करेंगे 5 लाख पीएमएवाई-जी आवासों के गृह प्रवेश का शुभारंभ

महाराष्ट्र के लिए 8,368.50 करोड़ रुपये की केंद्रीय अंश सहायता जारी करेंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 15 मई 2026 को महाराष्ट्र के सतारा स्थित सैनिक स्कूल ग्राउंड में आयोजित 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) लाभार्थी सम्मेलन एवं महा आवास अभियान राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री श्रीमती सुनेत्रा अजित पवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

● 15 मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में महाराष्ट्र को 122.98 करोड़ रुपये की 35 सड़क परियोजनाओं की भी सौगात

● सतारा में आयोजित होगा पीएमएवाई-जी लाभार्थी सम्मेलन एवं 'महा आवास अभियान' राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत पूर्ण हुए 5 लाख आवासों के गृह प्रवेश का शुभारंभ करेंगे। साथ ही, 6 पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को आवास की चाबियां भी सौंपेंगे, जिनमें योजना के अंतर्गत 3 करोड़वें आवास से जुड़े लाभार्थी भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री महाराष्ट्र को पीएमएवाई-जी के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 हेतु 8,368.50 करोड़ रुपये की केंद्रीय अंश की मातृ स्वीकृति जारी करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY)-IV के अंतर्गत 122.98 रुपये करोड़ की लागत से 35 सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति भी जारी करेंगे, जिससे राज्य की 35 ग्रामीण बसावटें लाभान्वित होंगी।

कार्यक्रम के दौरान 'महा आवास अभियान 2023-24' के अंतर्गत राज्य स्तरीय पुरस्कार भी वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में 'महा आवास अभियान अवॉर्ड्स गौरवगाथा पुस्तिका' एवं त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया जाएगा।

लती बस में महिला से गैंगरेप पर सियासत तेज, केजरीवाल बोले-

हमने निर्भया से कुछ नहीं सीखा

एजेंसी
नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में आ गई है। रानी बाग इलाके में चलती बस के अंदर एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा है। बताया जा रहा है कि करीब 30 वर्षीय महिला को रात के समय टाइम पूछने के बहाने बस में बैठाया गया, जिसके बाद बस के अंदर उसके साथ करीब दो घंटे तक दरिंदगी की गई। आरोप है कि बस करीब सात किलोमीटर तक शहर में घूमती रही लेकिन कहीं भी पुलिस जांच या रोक-टोक नहीं हुई। बाद में पीड़िता को सड़क पर फेंक दिया गया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि दिल्ली में एक बार फिर चलती बस में गैंगरेप हुआ है और देश ने निर्भया कांड से कोई सबक नहीं लिया। उन्होंने इसे पूरे समाज के लिए कलंक बताया। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने इस मामले को दो दिनों तक सार्वजनिक नहीं किया।

धर्म के 'कसाई'... सफेदपोश भाई!

मुनिश्री को मिटाने की खूनी साजिश का 'पोस्टमार्टम'!

क्या अब सलाखों के पीछे सड़ेंगे मुनिश्री के चरित्र पर कीचड़ उछालने वाले ये 'मानव-रूपी गिद्ध'?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात की पावन धरा पर 'धर्म की रक्षा' के नाम पर अधर्म का सबसे गंदा और वीभत्स तांडव खेला गया है। जैन मुनि राजतिलक सागरजी महाराज के खिलाफ रचा गया 'हनीट्रैप' का यह मकड़जाल, महज एक आरोप नहीं बल्कि सनातन परंपराओं के सीने में घोंपा गया 'ज़हरीला खंजर' है। यह किसी महिला के स्वाभिमान की लड़ाई नहीं, बल्कि 'ब्लैकमेलिंग माफिया' की वह हवस है जिसे करोड़ों के नोटों की गड्डी से शांत होना था।

साजिश का 'डेथ वारंट': हलफनामा नहीं, ये हराम की कमाई का जरिया है!

किरण दोषी और उसके गुर्गों ने जिस घिनौनी पटकथा को अंजाम दिया, उसका हर पन्ना पाप की स्याही से लिखा गया है। तफ्तीश की आंच जैसे-जैसे बढ़ रही है, 'सफेदपोश भेड़ियों' की खाल उतरनी शुरू हो गई है:

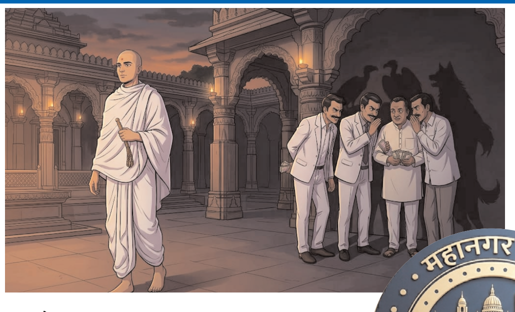

सुनियोजित ब्लैकमेलिंग: एक लाचार महिला को ढाल बनाकर, मुनिश्री की वर्षों की तपस्या को चंद घंटों में नीलाम करने का 'प्राइस टैग' लगाया गया था।

कैरेक्टर असेसिनेशन की फैक्ट्रीः जब संतों ने गीदड़-भभकियों के आगे झुकने से इनकार कर दिया, तो इन 'धर्म के सौदागरों' ने सोशल मीडिया और अदालती दांव-पेचों के जरिए उनके चरित्र का 'पब्लिक मर्डर' करने की कोशिश की।

बेनकाब 'ठग सिंडिकेट': हार्दिक, जगत, विक्रम और... पाप का पूरा कुनबा! हार्दिक हुडिया, जगत पारेख, विक्रम सिंघवी और विक्रम बाफना—ये वो नाम हैं जो समाज में 'श्रावक' बनकर घूमते हैं, लेकिन हकीकत में ये 'धर्म के दीमक' हैं। जो हाथ वंदना के लिए जुड़ने चाहिए थे, उन्हीं हाथों ने मुनिश्री की साख को कुचलने के लिए साजिशों का ताना-बना बुना। इन 'आस्तीन के सांपों' ने शासन सेवा का मुखौटा पहनकर शासन को ही खोखला करने की जुर्रत की है।

सणसणते सवाल: जो व्यवस्था की रूह कपा देंगे!

1.अदृश्य आका कौन?: इन प्यादों को करोड़ों की फिरौती मांगने की हिम्मत देने वाला 'असली मास्टरमाइंड' किस आलीशान बंगले में छिपा बैठा है?

2.खाकी का इकबाल: क्या गुजरात पुलिस इन रसूखदार 'सफेदपोश अपराधियों' की कॉलर पकड़कर इन्हें जेल की चक्की पीसने पर मजबूर करेगी? या फिर 'सेटिंग' का खेल जारी रहेगा?

3.समाज का बहिष्कार: क्या जैन समाज इन 'धर्म-द्रोहियों' का सामाजिक हुक्का-पानी बंद कर इन्हें बीच चौराहे पर बेनकाब करने का साहस दिखाएगा?

अंतिम ललकार: 'पाप का घड़ा भर चुका है!'

'साधु की साख से खेलने वालों, याद रखना... तुम्हारी तिजोरियां चाहे कितनी भी भारी हों, लेकिन कानून का हंटर और कुदरत का न्याय तुम्हें राख कर देगा। यह लेखनी तब तक शांत नहीं होगी, जब तक एक-एक गद्दार सलाखों के पीछे अपनी गुनाहों की माफी नहीं मांगता!'
खेल अभी खत्म नहीं हुआ है... असली चेहरों के नकाब तो अभी फटने शुरू हुए हैं। महाविस्फोट की अगली कड़ी के लिए तैयार रहिए!

नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य सेवा पेशेवर भारत की स्वास्थ्य प्रणाली का आधार हैं: केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव

विकसित भारत 2047 की नींव स्वस्थ भारत की प्राप्ति में निहित है: श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव

जेआईपीएमईआर दीक्षांत समारोह में नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान में 320 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने आज स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय महत्व के संस्थान जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान में नर्सिंग एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रमों के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने इस दीक्षांत समारोह को स्नातक होने वाले विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से

अपने पेशेवर जीवन को सेवा, करुणा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित करने का आह्वान किया तथा कहा कि उनका योगदान देश की स्वास्थ्य प्रणाली के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिष्ठित जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के स्नातक होने के नाते वे प्रतिबद्धता, दक्षता और नैतिक सेवा की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसे उन्हें अपने पेशेवर जीवन में बनाए रखना होगा। भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 का संदर्भ दिया, जो निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, पुनर्वासात?मक और उपशामक स्वास्थ्य सेवाओं को समाहित करने वाले व्यापक दृष्टिकोण की परिकल्पना करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्नातक विद्यार्थी स्वास्थ्य सेवा वितरण के इन महत्वपूर्ण आयामों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नीट पेपर लीक मामले पर बोले आरपी सिंह-

निष्पक्ष जांच कराके दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी

एजेंसी
नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा के प्रवक्ता आरपी सिंह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। सरकार की ओर से कहीं कोई कोताही नहीं है। निष्पक्ष जांच कराकर जो भी दोषी होंगे, सरकार उनको कड़ी से कड़ी सजा दिलाएगी। आरपी सिंह ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। अगली बार ऐसा न हो, इसको लेकर भी चिंता की जा रही है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि शरारतपूर्ण बयान देने से लोकतंत्र आगे नहीं बढ़ता। पीएम मोदी की अपील पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कह रहे हैं, उसका पालन भी कर रहे हैं। उन्होंने (पीएम) अपनी गाड़ियों का काफिला 12 से कम करके दो कर दिया है। इसकी वजह से देशभर में संदेश गया। केंद्र और राज्य सरकारों में मंत्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट से यात्रा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान को लोग समर्थन दे रहे हैं। आरपी सिंह ने कहा कि इस बार महाराष्ट्र और कर्नाटक में बारिश की वजह से गन्ने की खेती पर असर पड़ा था, जिससे गन्ने की ओवरऑल खेती कम हुई, जिसके चलते सरकार की ओर से फैसला लिया गया कि इस साल शुगर एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा, ताकि यहां की जरूरतें पूरी हों और दाम न बढ़ें। उन्होंने हिजाब पर कर्नाटक सरकार के फैसले को लेकर कहा कि वोट बैंक की राजनीति की वजह से कर्नाटक सरकार एजुकेशन इंस्टीट्यूशन से कंप्रोमाइज कर रही है। एजुकेशन इंस्टीट्यूशन में बच्चे पढ़ाई के लिए जाते हैं।

पहली बार विधायक बने रथींद्र बोस होंगे बंगाल विधानसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को चौंकाने वाला फैसला लेते हुए पहली बार विधायक बने रथींद्र बोस को उम्मीदवार घोषित किया है। मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता शुभेंदु अधिकारी ने स्वयं उनके नाम की घोषणा की। पहले माना जा रहा था कि विधानसभा के सबसे वरिष्ठ भाजपा विधायक और वर्तमान प्रोटेम स्पीकर तापस राय को स्थायी अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन पार्टी ने सभी अटकलों को दरकिनार करते हुए कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक रथींद्र बोस पर भरोसा जताया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में कहा कि कूचबिहार दक्षिण से भाजपा विधायक रथींद्र बोस को 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए पार्टी उम्मीदवार नामित किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी दल उनके नाम का समर्थन करेंगे।

अहमदाबादः NEET मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तीखा विरोध, NSUI ने IIM के बाहर दिखाए काले झंडे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। यह ज़रूरी है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री के प्रोग्राम की डिटेल्स आमतौर पर पहले से अनाउंस की जाती हैं। लेकिन सीक्रेट प्लान होने के बावजूद, जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री का काफिला IIM अहमदाबाद के गेट से निकला, तो कुछ हस्ढ्ढ कार्यकर्ता काले झंडे और काले कपड़े लेकर दौड़ पड़े। और धर्मेंद्र प्रधान का विरोध किया।

शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें: NSUI की मांग

गुजरात समेत देशभर में कांग्रेस की NSUI विंग NEET एग्जाम पेपर लीक को लेकर केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्री के खिलाफ विरोध कर रही है। हस्ढ्ढ कार्यकर्ताओं की मांग है कि शिक्षा मंत्री नैतिक ज़िम्मेदारी लें और इस्तीफा दें।

अब तक 7 लोग गिरफ्तार

NEET पेपर लीक मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके तार राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र के नासिक और हरियाणा के गुरुग्राम तक जुड़े हुए हैं। भारत सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए नए कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस कानून में पेपर लीक करने वालों को 10 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। NEET UG-2026 के लिए करीब 25 लाख स्टूडेंट्स रजिस्टर्ड थे, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े कॉम्पिटिटिव एग्जाम में से एक बन गया है।

अहमदाबादः जशोदानगर रोड पर देसी शराब की तस्करी, पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के पूर्वी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिससे शराबबंदी कानून की पोल खुल गई है। रामोल इलाके में पुलिस से बचने की कोशिश में तस्करों के आइसर ट्रक से काफी मात्रा में देसी शराब सड़क पर गिर गई। एक टिप-ऑफ के आधार पर, वटवा GIDC पुलिस ने एक ऑपरेशन चलाया और खेड़ा के दो लोगों को पकड़ा, जो अहमदाबाद के असरवा इलाके में शराब बेचने आए थे।

सड़क पर शराब की तस्करी और तेज बदबू

मिली जानकारी के मुताबिक, जशोदानगर से हाथीजन सर्कल जाने वाली सड़क पर अचानक एक आइसर ट्रक से शराब से भरे बैग सड़क पर गिर गए। बैग फटने से शराब सड़क पर गिरती दिखी और पूरे इलाके में तेज बदबू फैल गई। वहां से गुजर रहे गाड़ी चलाने वाले यह नजारा देखकर हैरान रह गए और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वटवा GIDC पुलिस को शराब की इस खेप के बारे में पहले से जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर रात की ड्यूटी के दौरान कड़ी निगरानी रखी गई थी। इसी बीच, पुलिस को देखकर डरे हुए शराब तस्करों ने भागने की कोशिश की, जिसमें शराब की मात्रा सड़क पर बिखर गई। पुलिस ने फिल्मी अंदाज में आइसर ट्रक का पीछा किया और उसे रोक लिया। जांच के दौरान ट्रक के डीजल टैंक के ऊपर कागज से बना एक खास बॉक्स मिला, जिसमें शराब की मात्रा छिपाई गई थी।

खेड़ा से अहमदाबाद तक फैला था नेटवर्क

पुलिस ने मौके से सादिक मिया मालेक (निवासी उमरेठ) और गणपतभाई तलपड़ा (निवासी खेड़ा) को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि शराब की यह मात्रा खेड़ा के चलाली गांव के कनुभाई तलपड़ा ने सप्लाई की थी। यह मात्रा अहमदाबाद के असरवा-शाहीबाग इलाके में सिविल हॉस्पिटल के पास रहने वाले धर्मेश उर्फ धर्मेंद्र नाम के व्यक्ति को सप्लाई की जानी थी। फिलहाल पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े दूसरे आरोपियों को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ओधव में स्पा की आड़ में चल रहा था जिस्मफरोशी का धंधा, मालिक और मैनेजर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पुलिस ने अहमदाबाद के ओधव इलाके में एक स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे जिस्मफरोशी के धंधे का भंडाफोड़ किया है। एक टिप-ऑफ के आधार पर ओधव पुलिस ने S.P. रिंग रोड पर एक स्पा में नकली कस्टमर भेजकर रेड मारी, और स्पा के मालिक और मैनेजर को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

नकली कस्टमर भेजकर ऑपरेशन पूरा किया

मिली जानकारी के मुताबिक, ओधव पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि S.P. रिंग रोड पर 'न्यू लुक स्पा' में पैसे के बदले कस्टमर को सेक्सुअल सर्विस दी जाती है। इस जानकारी को वेरिफाई करने के लिए पुलिस ने एक नकली कस्टमर तैयार किया और उसे स्पा में भेजा। जैसे ही नकली कस्टमर ने मैनेजर से बातचीत की और पैसे दिए, पुलिस ने 13 मई को पांच गवाहों और महिला पुलिसवालों के साथ स्पा पर रेड मार दी।

बाहर से आई महिलाओं को प्रॉस्टिट्यूशन में धकेलने का मामला

पुलिस जांच में पता चला है कि स्पा के मालिक 39 साल के मनीष कुमार पंचाल पर आरोप है कि वह राज्य के बाहर से महिलाओं को लाकर नौकरी का लालच देकर उन्हें प्रॉस्टिट्यूशन में धकेलता था। वहीं, मैनेजर रहीम राजकुमार बोरजोला, जो त्रिपुरा का रहने वाला है, को भी हिरासत में लिया गया है। रेड के दौरान पुलिस को स्पा के अलग-अलग कमरों में कुछ महिलाएं और कस्टमर मिले।

कंप्यूटर डिप्लोमा के प्रमाण पत्र वितरण

संस्कार शिविरों से बच्चों को मिल रही धर्म और नैतिकता की शिक्षा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आसनसोल। सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माता जी , गणिनी आर्यिका श्री आर्ष माता जी माता जी, आर्यिका श्री सुज्ञान मति माता जी के आशीर्वाद से भारतवर्षीय दि. जैन सराक ट्रस्ट दिल्ली के तत्वावधान में पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिले के पंच पहाड़ी,लायकडांगा,धनियाडांगा, बेडों, काशीबेडिया आदि विभिन्न स्थानों पर 11 मई 2026 से ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ।शिविरों में अध्यापन के लिए वरिष्ट एवं युवा विद्वानों के साथ कला विशेषज्ञ की विदुषी महिलाऐं भी अपना योगदान दे रही हैं। शिक्षण शिविरों में ज्ञान दर्पण,भाग 1,2 पूजन शिविर,मेहंदी, सिलाई, नृत्य आदि की क्लास संचालित हों रही हैं। शिविर मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी सागर ने बताया कि परम पूज्य सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से बंगाल, झारखंड,उड़ीसा के क्षेत्र में हमारे पिछडें हुयें भाईयों के संरक्षण हेतु अनेक कार्य किये गयें। सन 2000 से अब तक शिक्षण शिविरों के माध्यम से धार्मिक शिक्षा एवं नैतिक शिक्षा का ज्ञान की क्लासों के माध्यम से बच्चों को संस्कार दिए जा रहें हैं।भारतीय संस्कृति में पश्चात संस्कृति का प्रवेश होना हमारा पतन का कारण हैं, इसी कारण ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन संस्कार शिविरों का आयोजन होता आ रहा हैं। शिविर निर्देशक ब्र. मंजुला दीदी,ब्र. मनीष भैया ने कहा कि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज ने भारतवर्ष में ज्ञान और शाकाहार का शंखनाद किया, हमारा भी कर्तव्य हैं कि हम उनके आदर्श पर चलें, उनके अवतरण दिवस के पावन अवसर पर उनके द्वारा बताए गए मार्ग का अनुशरण करें और लोगों को अनुशरण करायें। शिक्षण शिविरों के विषय में, भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जी गंगवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन से धर्म की प्रभावना होती है और यह हमेशा होते रहने चाहिए, शीतकालीन शिविरों के लिए अभी से हम लोगों का आमंत्रण है, हम सभी आपका सहयोग करेंगे। केंद्र कार्यकर्ता गोरांग जैन सराक ने कहा हमें आगे के कार्यक्रम के लिए अभी से तैयारी करनी पड़ेगी, तब जाकर हम बहुत अच्छे तरीके से कार्यक्रम करायेंगें।शिविरों में थैला,रजिस्टर,पेन आर्यिका श्री आर्ष मति माताजी की प्रेरणा से ज्ञानार्ष भक्त मंडल परिवार द्वारा दिए गयें और पुरस्कार वितरण की व्यवस्था आ.श्री सुज्ञानमति माता जी के आशीर्वाद से, मिष्ठान वितरण वर्णी विकास सभा सागर द्वारा किया गया, आचार्य श्री की प्रेरणा से चल रहे कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का कोर्स पूर्ण होने पर छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए एवं शिक्षक का सम्मान किया गया। लाइक डांगा में भक्तावर विधान नया कुंआ निर्माण के अवसर पर किया गया, कुआं पुण्याजक परिवार महावीर प्रसाद, आकाश कुमार, करन कुमार,रियांश जैन (बड़ागांव वाले)उदय ज्वेलर्स मुरार ग्वालियर म. प्र है।शिक्षण शिविरों में मुख्य रूप से पं. जयकुमार जी दुर्ग, पं. शिखरचंद जैन भिलाई, पं. राजकुमार जैन कर्द,विदुषी राखी जैन स्थानीय स्तर पर स्थानीय सराक ट्रस्ट अध्यक्ष पुटुक जैन सराक सहयोगी गौरांग जैन सराक,रामदुलार सराक जैन, सजीव जैन, सुबजीत जैन का सहयोग रहा।

खेड़ाः अपराधियों का 'कॉकटेल', खाकी का 'सरेंडर' जहाँ पुलिस की वर्दी नहीं, बल्कि बूटलेगरों का 'वहीवट' चलता है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

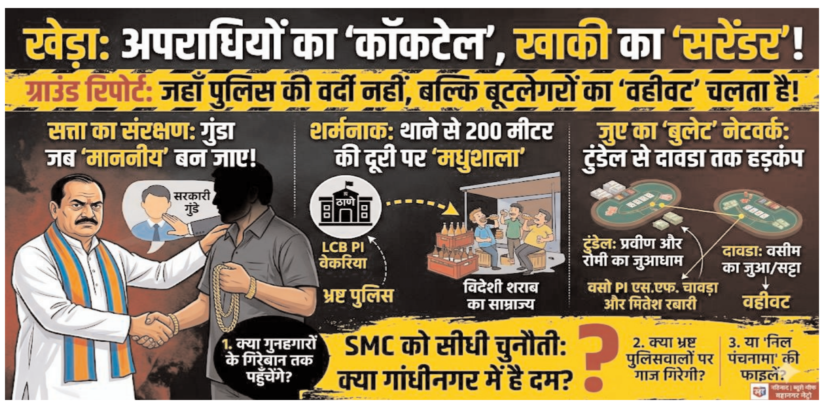

नडियाद। गुजरात का खेड़ा जिला इस वक्त अपराध की ऐसी आग में झुलस रहा है जहाँ कानून की मर्यादा 'नीलाम' हो रही है। जिले के कप्तान की ढीली पकड़ और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों की 'भूख' ने इस पवित्र भूमि को अपराधियों की ऐशगाह बना दिया है। यहाँ शराब की बोतलें पुलिस स्टेशन के साये में खुलती हैं और जुए की नाल 'खाकी' के आशीर्वाद से वसूली जाती है।

सत्ता का संरक्षणः गुंडा जब 'माननीय' बन जाए! खेड़ा की सड़कों पर यह चर्चा आम है कि यहाँ अपराधी पैदा नहीं होते, बल्कि 'बनाए' जाते हैं। वडोदरा से तड़ीपार किया गया कुख्यात अपराधी 'मेलियो' आज नडियाद में बेखौफ घूम रहा है। आरोप है कि उसे स्थानीय सत्ताधीशों का कवच प्राप्त है। जब गुंडों को राजनैतिक पदों से नवाजा जाए, तो पुलिस की क्या मजाल कि उन पर हाथ डाल सके? इन 'सरकारी गुंडों' का इस्तेमाल अब सच की आवाज दबाने और पत्रकारों पर हमला करने के लिए हो रहा है।

शर्मनाकः थाने से 200 मीटर की दूरी पर **'मधुशाला'**

भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा देखिये! पश्चिम पुलिस स्टेशन से महज चंद कदमों की दूरी पर 'कला मंदिर' के पास विदेशी शराब की नदियाँ बह रही हैं। LCB PI केवल वेकरिया और उनकी टीम एयर-कंडीशंड कमरों में बैठकर 'गांधी छाप' कागजों की गिनती में मशगूल है, जबकि बाहर युवा पीढ़ी नशे के गर्त में जा रही है। सुलण चौकड़ी पर जीतू तलपदा का 'शराब साम्राज्य' पुलिस की इसी नपुंसकता का प्रमाण है।

जुए का 'बुलेट' नेटवर्कः टुंडेल से दावडा तक हड़कंप

• **टुंडेल का आतंकः** बुलेट ट्रेन के पास प्रवीण और रोमी का जुआधाम पुलिस की नाक के नीचे चल रहा है। वसो PI एस.एफ. चावड़ा और उनके खास कारिंदे मितेश रबारी के 'ग्रीन सिग्नल' के बिना यहाँ पत्ता भी नहीं हिलता।

• वसीम की लुका-छिपीः दावडा में वसीम नाम का सट्टेबाज पुलिस के 'वहीवटदारों' के साथ मिलकर हर रोज अपनी जगह बदलता है ताकि जनता को लगे कि पुलिस सक्रिय है, जबकि हकीकत में हिस्सा ऊपर तक पहुँच रहा है।

SMC को सीधी चुनौतीः क्या गांधीनगर में है दम? खेड़ा पुलिस तो 'बिक' चुकी है, अब उम्मीद की आखिरी किरण स्टेट मॉनिटरिंग सेल है। जिले की जनता पूछ रही है:

1.क्या SMC इन 'सफेदपोश' गुनहगारों के गिरेबान तक पहुँचेगी?

2.क्या उन भ्रष्ट पुलिसवालों पर गाज गिरेगी जो वर्दी पहनकर बूटलेगरों की दलाली कर रहे हैं?

3. या फिर हर बार की तरह शिकायत को 'निल पंचनामा' की फाइलों में **दफन कर दिया जाएगा?**

महानगर मेट्रो का अल्टीमेटमः अगर प्रशासन अब भी नहीं जागा.

अशोकनगर का 'पापी' दंपत्तिः इंस्टाग्राम पर इश्क, टैटू स्टूडियो में 'गंदा खेल' और 1.30 करोड़ की लूट!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अशोकनगर। मध्य प्रदेश के अशोकनगर से हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग का एक ऐसा रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने पुलिस और जनता दोनों को हैरान कर दिया है। यहाँ एक हाई-प्रोफाइल दंपत्ति ने प्यार और दोस्ती के जाल में फंसाकर एक युवती से करीब 1.30 करोड़ रुपये की वसूली कर ली। पुलिस ने गैंग की मास्टरमाइंड आयुषी चौहान और उसके पति आकाश चौहान को गिरफ्तार कर लिया है।

टैटू स्टूडियो बना 'गुनाह का अड्डा'

इस शातिर दंपत्ति की कार्यप्रणाली किसी फिल्मी विलेन जैसी थी। ये लोग पहले इंस्टाग्राम पर अमीर शिकार ढूंढते थे और उनसे दोस्ती बढ़ाते थे। इसके बाद, मेल-जोल बढ़ाकर उन्हें अपने टैटू स्टूडियो में बुलाते थे, जहाँ पहले से ही हिडन कैमरे (गुप्त कैमरे) लगे होते थे। वहां अश्लील वीडियो शूट करने के बाद शुरू होता था ब्लैकमेलिंग का असली खेल। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों ने एक पीड़िता से किश्तों में सवा करोड़ से ज्यादा की रकम ऐंठ ली।

पाप की कमाई और 'चांदी की चप्पलें'

ठगी के पैसों से यह दंपत्ति बेहद विलासितापूर्ण जीवन जी रहा था। आरोपी आयुषी चौहान के शौक इतने महंगे थे कि वह चांदी की चप्पलें पहनती थी और चांदी का पर्स लेकर चलती थी। हैरानी की बात यह है कि मासूमों को लूटने के बाद यह दंपत्ति अपने पापों पर पर्दा डालने के लिए नेपाल और भारत के विभिन्न प्रसिद्ध मंदिरों में जाकर भंडारा और दान-पुण्य करने का नाटक भी करता था।पीड़िता की शिकायत के बाद जब पुलिस ने इस गिरोह पर शिकंजा कसा, तो करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ। पुलिस ने अब तक आरोपियों के पास से करीब 70 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है, जिसमें शामिल हैं:

- **एक लग्जरी महिंद्रा थार गाड़ी।**
- **एप्पल के महंगे लैपटॉप और आईफोन।**
- **भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर और नकदी।**

तांत्रिक और टैटू आर्टिस्ट का नापाक गठबंधन जांच में खुलासा हुआ है कि इस गैंग में सिर्फ पति-पत्नी ही नहीं, बल्कि एक महिला तांत्रिक और एक टैटू आर्टिस्ट भी शामिल थे।

एक तरफ चकाचौंध का उद्घाटन, दूसरी तरफ बदहाली का दंश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिवाड़ी। भिवाड़ी के विकास को नई रफ्तार देने के उद्देश्य से कल, 15 मई को प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा औद्योगिक नगरी भिवाड़ी के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री करोड़ों रुपये के नए विकास कार्यों का लोकार्पण और उद्घाटन करेंगे। प्रशासन इस दौरे को भव्य बनाने के लिए रात-दिन तैयारियों में जुटा है, लेकिन इस चमक-धमक के पीछे एक कड़वी हकीकत भी छिपी है।

पुराने वादों का क्या?

मुख्यमंत्री के हाथों होने वाले उद्घाटन समारोह को लेकर सरकारी तंत्र उत्साहित है। नए बुनियादी ढांचों और सड़कों के जाल बिछाने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन स्थानीय निवासियों का दर्द कुछ और ही बयां कर रहा है। सरकार के दो साल के कार्यकाल के बीच भिवाड़ी की आवासीय कॉलोनियों की स्थिति 'बद से बदतर' हो चुकी है। महानगर मेट्रो की टीम ने जब विभिन्न सेक्टरों और कॉलोनियों का जायजा लिया,

- **सीवरेज की समस्याः** अधिकांश आवासीय क्षेत्रों में सीवरेज जाम की समस्या आम है, जिससे सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है।
- **टूटी सड़केंः** मुख्य सड़कों के सौंदर्यीकरण के बीच कॉलोनियों की आंतरिक सड़कें खस्ताहाल हैं।
- **प्रदूषण की मारः** औद्योगिक कचरे और धूल के गुबार ने रिहायशी इलाकों का दम घोंट दिया है।

नए प्रोजेक्ट्स की सौगात,

गामडी-असलाली रोड पर टायर चेक करने उतरे ट्रक ड्राइवर की दूसरे ट्रक की टक्कर से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। में गामडी-असलाली रोड पर ट्रक का टायर चेक करने उतरे ड्राइवर को तेज रफ्तार से आ रहे दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने हादसे के बाद भागे ट्रक ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। मरने वाले की पहचान महेंद्रभाई श्यामशंकर पांडे के तौर पर हुई है।

पंचर चेक करने उतरे और टाइम लग गया

मिली जानकारी के मुताबिक, महेंद्रभाई पांडे अपने ट्रक के साथ गामडी-असलाली रोड से गुजर रहे थे। इस दौरान उन्हें शक हुआ कि शिव पार्किंग के पास गाड़ी का टायर पंक्चर है। अपना शक दूर करने के लिए महेंद्रभाई ने ट्रक सड़क किनारे रोक दिया। जैसे ही वह गाड़ी से उतरकर टायर चेक करने गए, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि महेंद्रभाई को गंभीर चोटें आईं। गामडी-असलाली रोड, जहां यह हादसा हुआ, अहमदाबाद में भारी गाड़ियों के आने-जाने के लिए बहुत बिज़ी कॉरिडोर माना जाता है। जैसे ही हादसा हुआ, आस-पास के लोग और वहां से गुज़रने वाले गाड़ी चलाने वाले मदद के लिए दौड़े और तुरंत पुलिस को इन्फॉर्म किया। हालांकि, गंभीर चोटों की वजह से महेंद्रभाई पांडे को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जैसे ही हादसे की खबर मिली, पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा और एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज करके आगे की जांच कर रहा है। CCTV फुटेज और दूसरे सबूत इकट्ठा करना शुरू कर दिया है।

'देश सही हाथों में है...' पर क्या आम जनता के सवाल भी सही कानों तक पहुँच रहे हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

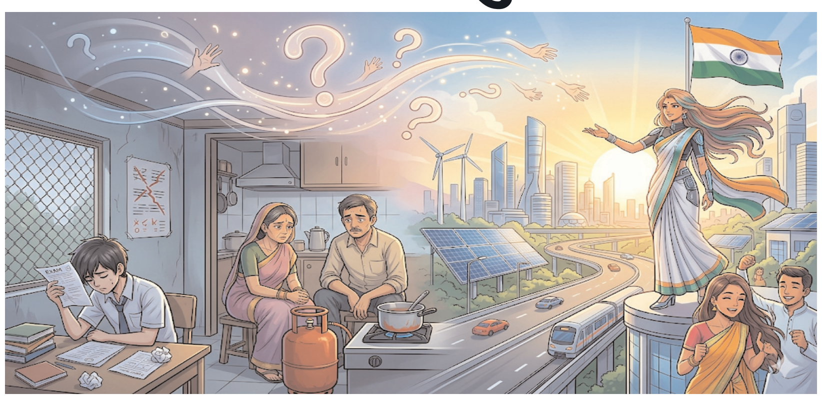

नई दिल्ली। आजकल हर मंच, हर रैली और हर सरकारी विज्ञापन में एक जुमला गूँजता है– 'देश सही हाथों में है।' विकास की बड़ी-बड़ी बातें, चमकती सड़कें और ग्लोबल लेवल पर भारत की बढ़ती साख निश्चित रूप से गर्व का विषय है। लेकिन, इन नारों की चमक के पीछे उस आम आदमी की धुंधली होती मुस्कान को भी देखना ज़रूरी है, जो हर सुबह अपनी जेब और भविष्य की चिंताओं के साथ जागता है।

पेपर लीक और युवाओं का टूटता भरोसा

जब हम विकास की बात करते हैं, तो हमारे युवा उसका सबसे बड़ा आधार होते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में जिस तरह से परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं, उसने लाखों छात्रों की मेहनत पर पानी फेर दिया है।

- **सवालः** क्या वह छात्र देशभक्त नहीं है जो अपनी नींद और जवानी दांव पर लगाकर पढ़ाई करता है?
- **हकीकतः** जब परीक्षा केंद्र से बाहर निकलकर उसे पता चलता है कि उसका भविष्य चंद रुपयों में बिक गया, तो वह नाराज़गी सिर्फ विपक्ष की नहीं, बल्कि उस हर घर की होती है जहाँ चूल्हा बड़ी मुश्किल से जलता है।

महंगाईः 'विकास' और 'विस्तार' के बीच पिसती गृहस्थी

एक तरफ़ देश की इकोनॉमी के ट्रिलियन डॉलर बनने की चर्चा है, तो दूसरी तरफ़ एक आम परिवार आज भी गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों, बच्चों की स्कूल फ़ीस और बीमारी के ख़र्च से डरा हुआ है।

- मिडिल क्लास और गरीब तबका आज 'देश के विकास' और 'घर के विनाश' के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।
- सड़कें चौड़ी हो रही हैं, लेकिन आम आदमी की थाली से दाल और सब्ज़ियाँ कम होती जा रही हैं।

सवाल पूछना राजनीति नहीं, नागरिक कर्तव्य है

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यहाँ जनता को सवाल पूछने का अधिकार है। अक्सर जब जनता अपनी बुनियादी ज़रूरतों पर आवाज़ उठाती है, तो उसे 'राजनीति' या 'विपक्ष का एजेंडा' बताकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है।

- सच की ज़रूरतः सरकार अगर अच्छा काम करे तो उसकी सराहना होनी ही चाहिए, लेकिन कमियों पर उंगली उठाना भी देशभक्ति का ही एक हिस्सा है।
- 'देशभक्ति सिर्फ जयकारे लगाने में नहीं, बल्कि देश के भविष्य (युवाओं) और देश की बुनियाद (जनता) के हितों की रक्षा के लिए सच बोलने में भी है। '

महानगर मेट्रो का नज़रिया

सत्ता आती-जाती रहती है, पार्टियां बदलती रहती हैं, लेकिन देश शाश्वत है। देश किसी भी पार्टी या विचारधारा से बड़ा होता है। भारत का असली विकास तब माना जाएगा जब आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम आदमी की जेब और युवाओं की आँखों में भरोसा दिखेगा।

राजनीति की बिसात पर चाहे जो भी चाल चली जाए, लेकिन जनता की मेहनत, छात्रों का पसीना और आम आदमी की रोटी को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। क्योंकि देश 'सही हाथों' में तभी होगा, जब जनता का हर सवाल 'सही कानों' तक पहुँचेगा।

एशियाई मंच पर चमकी छत्तीसगढ़ की बेटी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दी ज्ञानेश्वरी यादव को बधाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। की युवा वेटलिफ्टर ज्ञानेश्वरी यादव ने सीनियर एशियाई वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए ज्ञानेश्वरी ने सिल्वर और कांस्य पदक अपने नाम कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उन्हें बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। ज्ञानेश्वरी यादव ने प्रतियोगिता में स्नैच में 88 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 106 किलोग्राम वजन उठाकर कुल 194 किलोग्राम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके इस दमदार प्रदर्शन ने खेल जगत में छत्तीसगढ़ की प्रतिभा को नई पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव की सफलता पूरे प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायक है। सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत, अनुशासन और समर्पण के बल पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो उपलब्धि हासिल की है, वह छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास के लिए गौरव का क्षण है।

माउंट आबू से लौटे पत्रकारों ने साझा किया अपना अनुभव

„प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आत्मज्ञान भवन बालोद में स्नेह मिलन का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालोद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय आत्म ज्ञान भवन बालोद में स्नेह मिलन का आयोजन किया गया। जहां पर मीडिया से जुड़े बालोद के भाइयों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में माउंट आबू मैं बीते दिनों आयोजित मीडिया कार्यक्रम में भाग लेने गए पत्रकार उत्तम साहू एवं बोधन भट्ट का भी सम्मान किया गया। उनके अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम के प्रारंभ में माउंट आबू के आयोजन का अनुभव साझा करते हुए उत्तम साहू एवं बोधन भट्ट ने बताया कि माउंट आबू में काफी बड़े क्षेत्र में संस्था के विभिन्न विभाग संचालित हैं। यहां का वातावरण एकदम शांत है जहां जाने पर सचमुच शांति का अनुभव होता है। मीडिया विंग कार्यक्रम में मीडिया के इतिहास, मीडिया के उद्देश्य, समाज व देश के विकास में मीडिया कितना महत्वपूर्ण है आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। दोनों ने बताया कि माउंट आबू का प्रवास उत्साहजनक और ज्ञान वर्धक रहा। उक्त कार्यक्रम में मीडिया से जुड़े देशभर के साढे चार सौ पत्रकार शामिल रहे।उन्होंने कहा स्व परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन होगा और और इस ईश्वरीय विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानव को देवता बनाना है व स्वयं को सशक्त करने के लिए आज आध्यात्मिकता की आवश्यकता है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय बालोद की संचालिका बीके विजयलक्ष्मी दीदी ने बताया कि मिलन समारोह में संस्था द्वारा पत्रकारों का सम्मान किया जा रहा है। पत्रकार हमारे प्रत्येक कार्यक्रमों को दिल से प्रकाशित कर एक तरह से संस्था की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज लोकतंत्र की रक्षा में पत्रकारों की बहुत बड़ी भूमिका है। पत्रकार नहीं होते तो कानून व्यवस्था भी सही नहीं रहती। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार टीकम पिपरिया, जितेंद्र साहू, दीपक यादव, सहित ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य संचालिका बी के विजयलक्ष्मी दीदी बीके सरिता दीदी, बीके नेहा बहन सहित सैकड़ो संख्या में बीके भाई बहन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाबा को भोग लगाकर टोली वितरण किया गया।सितंबर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे पत्रकार कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकारों ने माउंट आबू में मीडिया विंग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाने पर अफसोस जताते हुए आगामी सितंबर माह में आयोजित मीडिया कार्यक्रम में भाग लेने माउंट आबू जाने की बातें कहीं। बीके विजयलक्ष्मी दीदी ने सभी पत्रकारों से परिवार सहित चलने का आग्रह किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से जुड़े भाई बहन उपस्थित रहे।

तेलंगाना में सियासी भूचालः प्रकाश राज ने राहुल गांधी से लगाई न्याय की गुहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। तेलंगाना की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ साईं के खिलाफ एक नाबालिग बच्ची पर यौन हमले के आरोप में मामला दर्ज किया गया। इस संवेदनशील मामले में विशेष जांच टीम के गठन के बावजूद अब तक कोई गिरफ्तारी न होने पर दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर राज्य की कांग्रेस सरकार और राहुल गांधी पर सवाल दागे हैं।

क्या है पूरा मामला?

केंद्रीय मंत्री के बेटे भगीरथ साईं के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता के साथ हुई ज्यादती के गंभीर आरोपों के बावजूद पुलिस की सुस्ती चर्चा का विषय बनी हुई है। तेलंगाना के राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर तीखी प्रतिक्रिया हो रही है कि आखिर एफआईआर के बाद भी अब तक गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? विपक्षी दल और सामाजिक कार्यकर्ता इसे लेकर सत्ताधारी दल और पुलिस प्रशासन की भूमिका पर उंगली उठा रहे हैं।

प्रकाश राज का तीखा प्रहारः 'जन नायक' से मांगा जवाब

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर 61 वर्षीय अभिनेता प्रकाश राज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' (पूर्व में ट्विटर) पर एक आक्रामक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को टैग करते हुए कड़ी अपील की है। तेलंगाना में इस समय कांग्रेस की सरकार है और राहुल गांधी राष्ट्रीय स्तर पर महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय का मुद्दा प्रमुखता से उठाते रहे हैं। ऐसे में प्रकाश राज की इस अपील ने कांग्रेस को असहज स्थिति में डाल दिया है। जनता के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या केंद्रीय मंत्री का बेटा होने के कारण पुलिस पर कोई दबाव है?

14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान

जिला प्रशासन का अमला बस से पहुंचा जिले के अंतिम छोर के दूरस्थ ग्राम साल्हे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राज्य शासन की मंशानुरूप सुशासन तिहार के अंतर्गत आज पूरे जिला प्रशासन का अमला बस से जिले के अंतिम छोर के ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने छुरिया विकासखंड के ग्राम साल्हे पहुंचा। ग्राम पंचायत साल्हे क्लस्टर में 14 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों के लिए जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 8 हितग्राहियों को पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं 15 हितग्राहियों को नया राशन कार्ड, 15 हितग्राहियों को नया जॉब कार्ड, 7 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति, 5 हितग्राहियों को श्रमिक कार्ड तथा 4 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। इसके अलावा 4 बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत 16 हितग्राहियों को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति दी गई तथा 14 स्वच्छता दीदियों को स्वच्छता किट वितरित की गई। कृषि विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को मूंग बीज वितरण किया गया। बिहान योजना के अंतर्गत 2 महिला स्वय सहायता समूहों को 6-6 लाख रूपए का ऋण वितरण किया

गया। स्वामित्व योजना के तहत 10 हितग्राहियों को अधिकार पत्र प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा आदिवासी मछुआ समूह ग्राम पंचायत जोंधरा को मछली पकडऩे हेतु जाल एवं आईस बॉक्स तथा जय गुहा निषाद मछुआ सहकारी समिति मर्यादित मन्होरा को आईस बॉक्स प्रदान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई तथा नन्हे बच्चों की माताओं को सुपोषण किट प्रदान कर पोषण के प्रति जागरूक किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि सुशासन तिहार शासन-प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बन रहा है। पहले लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालय जाना पड़ता था, लेकिन अब पूरा प्रशासन गांव पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। शिविरों के माध्यम से राशन कार्ड, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार और अन्य योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को एक ही स्थान पर मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से स्वास्थ्य जांच कराने, शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आव्हान किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम साल्हे में मुक्तिधाम निर्माण की घोषणा भी की। साथ ही 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया संजय सिन्हा ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन स्वयं गांव पहुंचकर अंतिम छोर के लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को अब छोटी-छोटी समस्याओं के लिए जनपद या जिला मुख्यालय जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविर में उपस्थित होकर त्वरित निराकरण कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा अपनी समस्याएं निःसंकोच रखने की बात कही। सिन्हा ने जल संरक्षण, जैविक खेती और रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि छुरिया विकासखंड में बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को आवास का लाभ मिला है।

गाल की सियासत में भूचाल, 'सबका साथ' की जगह 'सबका हिसाब' पर जोर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बयानों की आग भड़क उठी है। भाजपा विधायक रितेश तिवारी के हालिया बयान ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी पर एक नई बहस छेड़ दी है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान विधायक ने दो-टूक शब्दों में उन लोगों को 'नो एंट्री' का संकेत दे दिया है, जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया।

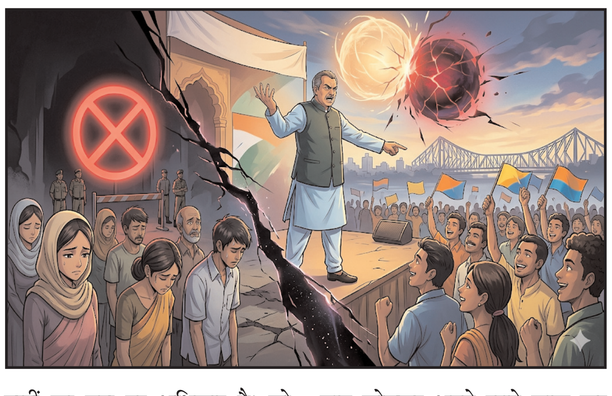

मंच से दी खुली चेतावनी: 'जिन्होंने चुना, हक उन्हीं का 'विधायक रितेश तिवारी ने मंच से अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें चुनाव में एक भी मुस्लिम वोट नहीं मिला। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'जिन्होंने मुझे वोट दिया है, उन्हीं का मुझ पर अधिकार है। जो लोग मुझे वोट नहीं देते, उनके लिए मैं अगले पांच वर्षों तक कोई काम नहीं करूंगा। हैरान करने वाली बात यह रही कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मशहूर नारे 'सबका साथ, सबका विकास' का जिक्र तो किया, लेकिन उसके साथ 'सबका हिसाब' की बात जोड़कर अपने इरादे साफ कर दिए।

विपक्ष हमलावरः संविधान की शपथ का अपमान?

रितेश तिवारी के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल दिया है। तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों का कहना है किः

- एक विधायक किसी पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधि होता है।
- संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत सभी नागरिक समान हैं, ऐसे में भेदभाव की बात असंवैधानिक है।
- यह बयान समाज को बांटने और लोकतंत्र की जड़ों पर प्रहार करने जैसा है।

समर्थकों का तर्कः 'यह केवल एक राजनीतिक प्रतिक्रिया 'दूसरी ओर, विधायक के समर्थकों का तर्क है कि यह एक स्वाभाविक राजनीतिक प्रतिक्रिया है। उनका कहना है

धान उपार्जन केंद्र मोहारा में लाखों का गबन उजागर

केंद्र प्रभारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर और खरीददार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले के सेवा सहकारी समिति मोहारा में अवैध धान परिवहन और गबन का एक बड़ा मामला सामने आया है। प्रशासन द्वारा की गई आकस्मिक जांच में 995.68 क्विंटल धान की अफरा-तफरी पाई गई है। जिसकी कुल कीमत 30 लाख 86 हजार 608 रूपए आंकी गई है। इस मामले में केंद्र प्रभारी सहित तीन लोगों के खिलाफ पुलिस में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई गई है।

अवैध धान परिवहन की सूचना मिलने पर सहायक खाद्य अधिकारी द्रोण कामड़े एवं तहसीलदार डोंगरगढ़ अमीय श्रीवास्तव एवं अतिरिक्त तहसीलदार सोनित मेरिया ने मोहारा केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी संतोष वर्मा अनुपस्थित पाए गए। जांच दल ने मौके पर वाहन क्रमांक सीजी 08 एल 1049 को पकड़ा। वाहन चालक सुंदरलाल साहू ने बताया कि वह खैरी निवासी राजू वर्मा के निर्देश पर बिना किसी वैध दस्तावेज के समिति से धान लोड कर अवैध परिवहन कर रहा था। विभागीय आंकड़ों के मिलान से पता चला कि समिति ने कुल खरीदे गए धान में से 995.68 क्विंटल धान को कम परिदान (डिलीवरी) करते हुए उसे सूखत बता दिया था। वास्तव में इस धान को फर्जी तरीके से बचाकर अवैध रूप से बेचा जा रहा था। केंद्र प्रभारी और कर्मचारियों द्वारा निजी लाभ के लिए कस्टम मिलिंग नीति 2025-26 का उल्लंघन किया गया और शासन को 30.86 लाख रूपए से अधिक की आर्थिक क्षति पहुंचाई गई।

जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रभारी धान उपार्जन केंद्र मोहारा संतोष वर्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेद प्रकाश साहू एवं ग्राम खैरी निवासी अनाधिकृत खरीददार राजू वर्मा के विरूद्ध थाने में मामला दर्ज किया गया है। शासन की नीति के विरूद्ध कार्य करने वाले और धान की अफरा-तफरी में संलिप्त किसी भी कर्मचारी या व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

3 साल से भुगत रहे संतापः टोंक के 'पॉश' हाऊसिंग बोर्ड में हर बारिश में घरों में घुसता है पानी; बीसलपुर लबालब फिर भी प्यासी है जनता!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

टोंक। विकास के खोखले दावों और प्रशासनिक उदासीनता का इससे बड़ा उदाहरण क्या होगा कि शहर का सबसे 'पॉश' कहलाने वाला इलाका पिछले तीन साल से एक ही समस्या का संताप भुगत रहा है, लेकिन हुक्मरानों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। टोंक जिला मुख्यालय के हाऊसिंग बोर्ड सेक्टर-1 के बाशिंदे इन दिनों दोहरी यातना झेल रहे हैं—आज पीने के पानी की एक-एक बूंद के लिए हाहाकार मचा है, और कल बारिश आते ही सड़क का पानी इनके घरों के कमरों में घुसने वाला है। जनता त्रस्त है, और पिछले तीन साल से सिर्फ आश्वासनों की घुट्टी पी रही है।

सीवरेज ठेकेदारों की नाकामी का खामियाजा भुगत रही जनता

प्यास से जूझ रहे इन लोगों की सबसे बड़ी दहशत आगामी बारिश है। यह कोई नई समस्या नहीं है; पिछले 3 साल से हर बारिश में यहां के लोगों का यही हाल होता है।

स्थानीय निवासियों का स्पष्ट कहना है कि तीन साल पहले जब तक सीवरेज का काम नहीं हुआ था, तब तक सड़क की ढलान बिल्कुल सही थी और बारिश का पानी आसानी से बहकर निकल जाता था। लेकिन सीवरेज लाइन डालने वाले ठेकेदारों ने सड़क बनाते समय ढलान का पूरा सिस्टम ही बिगाड़ दिया। पिछले तीन सालों से हर मानसून में यही कहानी दोहराई जाती है—सड़क पर पानी जमा होता है और निकास न मिलने के कारण वह सीधा लोगों के घरों के अंदर घुस जाता है।

इस जलभराव के खौफ के बीच वर्तमान में इलाके की सबसे बड़ी त्रासदी पेयजल संकट है। जिस बीसलपुर बांध से जयपुर और अजमेर जैसे महानगर अपनी प्यास बुझा रहे हैं, उसी टोंक जिले की जनता प्यासी बैठी है। पानी की इस भयंकर किल्लत से महिलाओं का गुस्सा अब चरम पर है।

सख्तीः रिटेल पंपों से औद्योगिक कार्यों के लिए पेट्रोल-डीजल देने पर रोक, कलेक्टर ने संचालकों को चेताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. राजनांदगांव कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के पेट्रोल-डीजल पंप संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने दो-टूक शब्दों में निर्देश दिए कि ईंधन की बिक्री पूरी तरह से नियमानुसार होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिटेल पेट्रोल पंप केवल आम उपभोक्ताओं और वाहनों के लिए हैं, यहाँ से औद्योगिक कार्यों के लिए भारी मात्रा में डीजल या पेट्रोल देना नियमों के विरुद्ध है और ऐसा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने संचालकों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में ईंधन की सतत आपूर्ति हो रही है, इसलिए घबराने या पैनिक करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि 'जिले में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक है और आपूर्ति की स्थिति सामान्य है।' कलेक्टर ने संचालकों को आगाह किया कि आपूर्ति और मांग के बीच कृत्रिम कमी पैदा करने या जमाखोरी करने की कोशिश न करें। आम जनता को उनकी आवश्यकतानुसार नियमों के तहत ईंधन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

रेट लिस्ट की देनी होगी जानकारी

बैठक में कीमतों को लेकर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मांग और आपूर्ति के आधार पर जो भी मूल्य निर्धारित किया जा रहा है, उसकी स्पष्ट सूचना खाद्य विभाग को अनिवार्य रूप से दी जाए। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कीमतों में होने वाले बदलावों से प्रशासन को अवगत कराना जरूरी है। निगरानी के लिए टीम गठित, होगी कार्रवाई ईंधन की बचत पर जोर देते हुए कलेक्टर ने कहा कि पेट्रोल-डीजल का उपयोग अपव्यय रोककर किया जाना चाहिए। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को आपूर्ति की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने दो-टूक कहा कि जो संचालक नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इस महत्वपूर्ण बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी सहित खाद्य विभाग के अन्य अधिकारी और जिले के समस्त पेट्रोल-डीजल पंप संचालक उपस्थित रहे।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव जी का जन्मोत्सव सम्पूर्ण देश मे श्रद्धा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जबलपुर . दिनांक 13 मई 2026 को भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की जबलपुर एवं ग्वालियर टीम द्वारा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव जी का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास, सेवा भावना एवं धार्मिक वातावरण में मनाया गया। जबलपुर में दक्षिणमुखी हनुमान जी मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जहां पूजा-अर्चना, प्रसाद एवं भोग अर्पण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं एवं पदाधिकारियों द्वारा फल वितरण एवं सेवा कार्य भी किए गए। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी सदस्य रेखा पटेल जी का विशेष सहयोग रहा तथा फल वितरण का कार्य महामंत्री अर्चना यादव जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य इस प्रकार रहे —

जिला अध्यक्ष धनराज सोनकर एवं ममता यादव जी, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पांडे जी, महामंत्री अर्चना यादव जी, गोरखपुर तहसील अध्यक्ष रश्मि केवट जी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रेखा पटेल जी, कृष्णकांति पांडे जी, आशा गोस्वामी जी, रूपा दहिया जी तथा सहयोगी सखियां अपर्णा तिवारी, रचना दुबे एवं श्री जया जी उपस्थित रहीं।वहीं ग्वालियर इकाई द्वारा मुरार स्थित सीताराम जी मंदिर में भजन-कीर्तन एवं प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संभाग अध्यक्ष श्रीमती सरला गुप्ता जी द्वारा किया गया। भजन-कीर्तन के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। ग्वालियर कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा जी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता पाठक जी, जिला अध्यक्ष श्रीमती ऊमिला नहार जी, जिला कोषाध्यक्ष श्रीमती सुकृति गुर्जर जी, तहसील सचिव श्रीमती अर्चना शर्मा जी, तहसील उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा जी, संभाग कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती ऋतु शर्मा जी एवं श्रीमती संध्या सोनी जी सहित अनेक मातृशक्तियां उपस्थित रहीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव जी ने सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन सदैव मानव सेवा, जनजागरूकता एवं सामाजिक उत्थान के कार्यों में समर्पित भाव से कार्य करता रहेगा। उन्होंने कहा कि जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाना संगठन की सकारात्मक सोच एवं सामाजिक संस्कारों का प्रतीक है।

दैनिक राशिफल 15 मई

12 राशियों का आज का हाल

मेष (Aries)
आज आप ऊर्जा से भरे रहेंगे। कार्यक्षेत्र में कोई पुरानी समस्या हल हो सकती है। पार्टनर के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

वृषभ (Taurus)
आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। नया निवेश करने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर जरुर लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन (Gemini)
रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। दोस्तों के साथ किसी यात्रा की योजना बन सकती है। वाणी पर संयम रखें, विवाद से बचें।

कर्कत (Cancer)
पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। घर की सजावट या मरम्मत पर खर्च हो सकता है। भावनात्मक रूप से आप खुद को मजबूत महसूस करेंगे।

सिंह (Leo)
आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नौकरी में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। सामाजिक दायरे में आपकी

कन्या (Virgo)
काम का बोझ थोड़ा अधिक रह सकता है, जिससे थकान महसूस होगी। महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संभाल कर रखें। योग और ध्यान से लाभ होगा।

तुला (Libra)
प्रेम संबंधों के लिए आज का दिन शानदार है। अविवाहितों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं। करियर में बदलाव के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक (Scorpio)
अपनी योजनाओं को गुप्त रखें। विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। मेहनत का फल देर से सही, पर मिलेगा जरूर।

धनु (Sagittarius)
धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद आपके काम आएगा।

मकर (Capricorn)
व्यापार में मुनाफा होने की संभावना है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ (Aquarius)
नई तकनीक सीखने या कौशल विकास के लिए दिन अच्छा है। संतान पक्ष से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। सेहत का ध्यान रखें

मीन (Pisces)
मन थोड़ा अशांत रह सकता है, इसलिए कोई भी बड़ा फैसला लेने से बचें। संगीत या कला में समय बिताएं, मानसिक शांति मिलेगी।

डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनफिंग की मुलाकात के कूटनीतिक मायने शेष दुनिया के लिए अहम

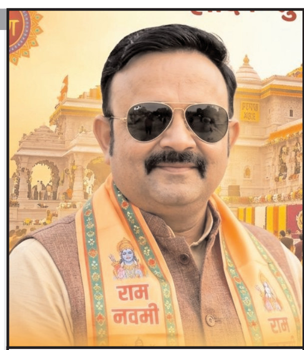

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है।

सफल कारोबारी से राजनेता बने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने हर रिश्ते को फायदे और नुकसान के नजरिये से देखते है, लेकिन कूटनीतिक इंजीनियर समझे जाने वाले चीन के अपने दौरे को लेकर उन्होंने केवल इतना भर कहा कि यह सिर्फ व्यापार नहीं, वैश्विक रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। चूंकि अमेरिका और चीन एक दूसरे के सहयोगी और प्रतिस्पर्धी दोनों समझे जाते हैं, इसलिए लगभग एक दशक के अन्तराल पर हुई उनकी यह यात्रा के कूटनीतिक मायने अहम समझे जाते हैं, क्योंकि उनकी इस मुलाकात की सफलता और विफलता का असर पूरी दुनिया पर निःसंदेह पड़ेगा।

गौरतलब है कि पिछले साल यानी अक्टूबर 2025 में जब आखिरी बार ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात हुई थी, तब उनके बीच मुख्य मुद्दा टैरिफ था, लेकिन अब बदलते वैश्विक हालात में जाहिर तौर पर ईरान भी होगा। क्योंकि पश्चिम एशिया संकट ने दोनों देशों के लिए मुश्किलें बढ़ाई है। इसलिए स्वाभाविक बात है कि आपसी तनाव के बावजूद वे सहयोग का रास्ता तलाशने की कोशिश करेंगे। चूंकि लगभग एक दशक बाद यानी 2017 के बाद कोई अमेरिकी राष्ट्रपति 2026 में चीन पहुंचा है। हालांकि, टैरिफ वॉर की वजह से माना जाता है कि ट्रंप का रुख पेइचिंग को लेकर कठोर है।

समझा जाता है कि अपने पहले कार्यकाल में ही उन्होंने यानी ट्रंफ ने चीन से होने वाले आयात पर टैरिफ की घोषणा की थी। जबकि दूसरे टर्म में वह इस लड़ाई को और आगे ले गए और 125% तक भारी भरकम टैरिफ तक जड़ दिया। हालांकि दुनियावी रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीनी नियंत्रण की वजह से आखिरकार ट्रंप को झुककर समझौता करना पड़ा था, अन्यथा उनका कारोबारी हित प्रभावित होता। ऐसे में टैरिफ वॉर भले थम गई हो, पर अमेरिका और चीन के बीच की पारस्परिक होड़ कायम है और वह नित्य नए स्वरूप में उभरकर सामने आ ही जाती है। चूंकि दोनों देश एक-दूसरे पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहते हैं, पर इतना नहीं जिससे बात ज्यादा बिगड़े।

हाल के अमेरिका/इजरायल और ईरान युद्ध के दौरान भी कुछ यही देखने को मिला है। भले ही ईरान की आर्थिक व सामरिक मदद के आरोप में अमेरिका ने कुछ चीनी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की, और चीन ने भी पलटवार करते हुए वॉशिंगटन की नीतियों का विरोध किया, लेकिन सब कुछ नियंत्रण में रहकर हुआ। इसकी ठोस वजह उनकी आपसी निर्भरता और पारस्परिक जरूरत भी है, जिसे समझने की जरूरत है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि चीन के लिए अमेरिका आज भी सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि इस साल चीनी निर्यात में करीब 10% की कमी आई है। चीन की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए यह झटका है।

दिलचस्प बात तो यह है कि खाड़ी देशों में भी चीन का निर्यात घटा है। मसलन, तेहरान (ईरान) का सबसे बड़ा तेल खरीदार होने के नाते भी उसकी परेशानी बढ़ रही है। लिहाजा चीन चाहता है कि युद्ध जल्दी थमे। भारत की भी यही सोच है। वहीं दूसरी ओर, ट्रंप को ईरान पर समर्थन और निवेश के लिए चीन चाहिए। इसीलिए वह अपने साथ कई बड़े उद्यमियों को लेकर बीजिंग पहुंचे हैं। चूंकि अमेरिका इस दौरे से बड़ी डील की उम्मीद कर रहा है, खासकर बोइंग विमानों की। इसलिए आलोचकों को डर है कि कहीं ताइवान पर ट्रंप नरम न पड़ जाएं। अमेरिकी हित में वह ऐसा कर सकते है।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि इस समय दोनों रसूखदार नेता घरेलू मोर्चे पर विविध असहज स्थितियों में फंसे हुए हैं। लिहाजा उनकी कोशिश यही होगी कि इस मुलाकात से कुछ बड़ा हासिल किया जाए। यदि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं पारस्परिक सहयोग के रास्ते पर बढ़ती है और ईरान में शांति कायम होती है, तो यूक्रेन सहित सभी का फायदा होगा।

 # आखिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के चीन दौरे पर भारत की नजर क्यों है?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे पर दुनियाभर की निगाहें लगी हुई हैं। ऐसे में स्वाभाविक बात है कि भारत भी अपने दोनों प्रतिस्पर्धियों पर नजर रखेगा। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भी इससे जुड़े एक सवाल पर कहा भी है कि भारत के कई देशों के साथ रिश्ते है। कई देशों के साथ साझेदारी आगे बढ़ रही है। चूंकि विभिन्न देशों के बीच इस तरह का दौरा होता रहता है और जब भी इस तरह के दौरे होते हैं तो भारत देखता है कि उसमें क्या बदलाव आया है- या फिर क्या गतिविधियां हुई। ऐसा इसलिए किया जाता है कि राष्ट्रहित के अनुरूप नीतियां संशोधित होती रहें। चूंकि भारत हाल के वर्षों में अमेरिका भारत का अहम रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है। दूसरी ओर चीन भी भारत का अहम पड़ोसी देश है, जिसके साथ सीमा विवाद के बाद भी रिश्ते व्यवहारिक समझ पर वापस लौट रहे है। ऐसे में दोनों देशों के आपसी संबंध और इस दौरे के निष्कर्ष भी भारत पर असर डालेगा। अमेरिका और चीन के रिश्ते एक लंबे वक्त तक असहजता के दायरे में रहे, जिसके जियोपॉलिटिकल प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं रहा है। ट्रंप का यह दौरा 2017 के बाद हो रहा है। चीन पहुंचने पर बुधवार को ट्रंप का स्वागत उपराष्ट्रपति ने किया, जो 2017 से अच्छा स्वागत होने को दशार्ता है।

चीन मामलो के जानकार बताते हैं कि भारत जानना चाहेगा कि ट्रंप और चिनफिंग के बीच बातचीत का क्या निष्कर्ष निकला। हाल के वर्षों में प्रशांत महासागर में जिस तरह चीन का प्रभाव बढ़ा है, इसी बैलेस ऑफ पावर के मद्देनजर अमेरिका और भारत रणनीतिक और सामरिक मुद्दों पर लगातार नजदीकी स्तर पर काम करते रहे। ऐसे में अमेरिका और चीन अपने सबंधों को अगर फिर से नया आयाम देने का फैसला करते है तो अमेरिका व चीन दोनों के रिश्तों के मुताबिक भारत को भी अपनी विदेश नीति में बदलाव करना होगा।

संपादकीय

दवा नहीं दिल में खोट

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल-फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी-फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने-फूलने की वजह बन रहा है।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

भगत सिंह के मस्तिष्क शहीद सुखदेव को हमने कितना याद रखा?

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की एक अजीब फितरत होती है। वह कभी-कभी किसी महानायक के महाकाय प्रभाव में उसके सबसे बड़े मददगार और हमसफर को परदे के पीछे धकेल देता है। 23 मार्च 1931 की शाम को जब लाहौर की सेंट्रल जेल में तीन नौजवान फांसी के फंदे की तरफ बढ़ रहे थे, तब भारत की जुबान पर एक नाम ऐसा चढ़ा कि बाकी दो नाम उसके साए में थोड़े सिमट गए। हम बात कर रहे हैं क्रांति के तीन शहीदों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की। इस अटूट तिकड़ी में भगत सिंह क्रांति का चमकता हुआ चेहरा थे और राजगुरु अचूक निशानेबाज, लेकिन इन सबके पीछे जो बेहद शांत, गंभीर और तीखा दिमाग काम कर रहा था, वह नाम था क्रांतिकारी सुखदेव थापर का।

आज 15 मई को उनकी जयंती पर यह सोचना बहुत जरूरी है कि इस जमीनी रणनीतिकार को हमने अपनी यादों और इतिहास में कितना स्थान दिया। पंजाब के लायलपुर में जन्मे सुखदेव और भगत सिंह सिर्फ साथ में देश के लिए लड़ने वाले साथी नहीं थे, बल्कि दोनों के बीच एक बेहद गहरी और बेमिसाल दोस्ती थी। लाहौर के नेशनल कॉलेज के दिनों से शुरू हुआ यह साथ देश की आजादी का सबसे बड़ा हथियार बन गया। जब देश में नौजवानों को एकजुट करने के लिए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन का गठन हुआ, तो पंजाब की पूरी जिम्मेदारी सुखदेव को सौंपी गई। यहीं से उनके संगठन बनाने और उसे चलाने के लाजवाब हुनर की शुरूआत होती है। वे कागजों पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाने और उन्हें चुपचाप जमीन पर सच कर दिखाने में माहिर थे।अक्सर स्कूल-कॉलेज की किताबों में सुखदेव को भगत सिंह के एक साथी के रूप में ही दिखाकर छोड़ दिया जाता है, जो उनके साथ एक तरह की नाइंसाफी है। असलियत तो यह है कि ब्रिटिश पुलिस ने जब अदालत में मशहूर लाहौर षड्यंत्र केस का मुकदमा दर्ज किया था, तो उसकी पहली एफआईआर में आरोपी नंबर एक कोई और नहीं, बल्कि खुद सुखदेव थापर थे। अंग्रेज सरकार भी बहुत अच्छी तरह जानती थी कि इस पूरी सशस्त्र क्रांति की डोर असल में किसके हाथ में है।

लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए जब जेपी सांडर्स को सजा देने की योजना बनी, तो उसके पीछे असली दिमाग सुखदेव का ही था। उन्होंने ही राजगुरु और भगत सिंह को इस बड़े मिशन के लिए तैयार किया, उनके छिपने के गुप्त ठिकाने ढूंढे और काम पूरा होने के बाद वहां से सुरक्षित निकलने का पूरा रास्ता साफ किया। सुखदेव कभी वाहवाही लूटने या अखबारों की सुर्खियों में रहने वाले नेता नहीं थे। वे खुद को हमेशा पीछे रखकर संगठन को मजबूत करते रहे, गलियों-कस्बों में जाकर युवाओं के दिलों में आजादी की अलख जगाते रहे। सुखदेव के बारे में इतिहास का एक पन्ना ऐसा भी है जो अमूमन चचाओं से गायब रहता है। जेल की कालकोठरी में रहते हुए जब राजनीतिक कैदियों के मानवीय अधिकारों का हनन हुआ, तब सुखदेव ने जेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने जेल के भीतर बिना अन्न-जल के लगातार 63 दिनों तक ऐतिहासिक भूख हड़ताल की थी। इस कड़े और जानलेवा उपवास ने ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर रवैये को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया था। इस बात से सिद्ध हो जाता है कि वे सिर्फ बम और पिस्तौल की रणनीति ही नहीं जानते थे, बल्कि वैचारिक और सत्याग्रही मोर्चे पर भी उनका कोई सानी नहीं था। उनकी सोच कितनी खुली और साफ थी, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वे किसी भी तरह के अंधविश्वास और रूढ़ियों के सख्त खिलाफ थे। जेल की सलाखों के पीछे रहते हुए उन्होंने महात्मा गांधी को एक खुला खत लिखा था, जिसमें उन्होंने देश के युवाओं की दशा पर बेहद कड़े और सीधे सवाल पूछे थे। यह चिट्ठी बताती है कि उनका दिल देश के भविष्य के लिए कितना तड़पता था। लेकिन आजादी मिलने के बाद हमारे देश के नीति-निमार्ताओं और इतिहासकारों ने सुखदेव के योगदान को वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। हमने उन्हें सिर्फ एक शहीद तिकड़ी के हिस्से के रूप में याद रखा। फिल्मों से लेकर बड़े-बड़े सरकारी विज्ञापनों तक में उन्हें वह मुख्य स्थान कभी नहीं मिल पाया। सुखदेव का जीवन हमें सिखाता है कि असली काम शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत रहकर किया जाता है। सुखदेव सिर्फ 23 साल की उम्र में देश पर न्योछावर हो गए। 15 मई का यह दिन देश के उस सच्चे सिपाही को सलाम करने का दिन है जिसने परदे के पीछे रहकर आजादी की सबसे बड़ी इबारत लिखी थी।

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्व का अहंकार ह्यहमह्व की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्लअहिंसा की प्रयोगशालाह्व बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है। परिवार केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का आश्रय है। वह जीवन की तपती धूप में शीतल छांव है, संघर्षों में सहारा है और टूटते विश्वासों के बीच उम्मीद की अंतिम किरण है। इसलिए आज सबसे बड़ी जरूरत हैकृपरिवार को बचाने की नहीं, परिवार के भीतर मानवीय मूल्यों को बचाने की। यही मानवता का भविष्य सुरक्षित करेगा और यही अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस का वास्तविक संदेश भी है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित टोल वृद्धि का विरोध, जेवर विधायक ने सरकार और अथॉरिटी को लिखा पत्र,

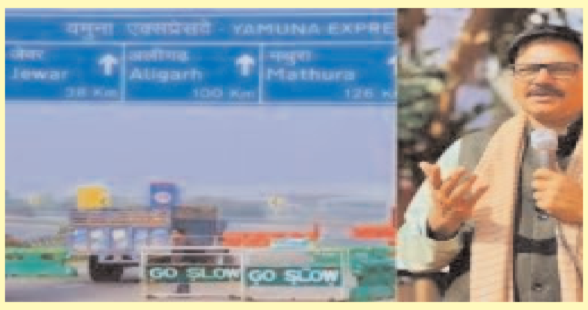

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित टोल वृद्धि को लेकर अब राजनीतिक और जनप्रतिनिधियों की ओर से भी सवाल उठने लगे हैं। जेवर से भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह ने टोल शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री और यमुना अथॉरिटी के सीईओ को पत्र लिखा है। विधायक का कहना है कि मौजूदा समय में देश और दुनिया आर्थिक एवं भू-राजनीतिक चुनौतियों से गुजर रहे हैं, ऐसे में टोल बढ़ोतरी लाखों यात्रियों, किसानों, छात्रों और व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती है। इससे पहले भी विधायक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से महंगे हवाई टिकटों और किसानों के मुआवजे जैसे मुद्दों को जोरशोर से उठा चुके हैं।

मुख्यमंत्री और यमुना अथॉरिटी को लिखा पत्र

धीरेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखकर प्रस्तावित टोल वृद्धि पर पुनर्विचार की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक और भू-राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है। उन्होंने लिखा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे समय में टोल शुल्क बढ़ाना आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने जैसा होगा। किसानों, छात्रों और कारोबारियों पर पड़ेगा असर

विधायक ने अपने पत्र में कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश और एनसीआर की आर्थिक गतिविधियों की प्रमुख जीवनरेखा बन चुका है। इस मार्ग का इस्तेमाल रोजाना लाखों लोग करते हैं, जिनमें किसान, विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, छोटे व्यापारी और उद्योगों से जुड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टोल शुल्क में वृद्धि होने से इन सभी वर्गों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। पहले से बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के बीच अतिरिक्त टोल भार लोगों की परेशानी और बढ़ा सकता है। नोएडा एयरपोर्ट और निवेश परियोजनाओं का भी दिया हवाला धीरेंद्र सिंह ने पत्र में यह भी कहा कि आने वाले समय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, औद्योगिक निवेश और अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर यातायात और राजस्व दोनों में स्वाभाविक रूप से बढ़ोतरी होगी। ऐसे में अभी टोल बढ़ाना जनभावनाओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। विधायक का कहना है.

मुजफ्फरनगर के छपार टोल पर बवाल, कार सवार मां-बेटे और कर्मचारियों में जमकर मारपीट,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे-58 स्थित छपार टोल प्लाजा पर बुधवार को अफरा-तफरी मच गई। खुद को स्थानीय निवासी बताने वाले कार सवार मां-बेटे और टोल कर्मचारियों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घटना के दौरान जमकर मारपीट हुई और एक महिला टोलकर्मी को डंडे से पीटने का आरोप भी सामने आया। पूरी वारदात टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जानकारी के अनुसार, एक कार में सवार युवक ने खुद को बरला गांव निवासी अमन बताते हुए टोल से वाहन निकालने की बात कही। टोल कर्मचारियों के अनुसार, उस समय आगे एक अन्य वाहन खड़ा था, जिसके कारण कार को कुछ देर रोकना पड़ा। महिला टोलकर्मी ने कार चालक से वाहन पीछे करने को कहा, जिससे कार सवार युवक नाराज हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। टोलकमी युवती ने महिला को बाल पकड़ते हुए घसीटा प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद इतना बढ़ा कि कार में मौजूद मां-बेटे और टोल कर्मचारियों के बीच मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि टोल पर मौजूद एक टोलकर्मी युवती ने पहले कार सवार महिला के थप्पड़ मारते हुए उनके बाल पकड़ कर घसीट लिया। उसके बाद महिला और टोल कर्मी युवती के बीच हाथापाई शुरू हो गई। अपनी मां को पिटता देखकर युवक डंडा लेकर आया तो उसकी मां ने डंडा छीनकर टोलकर्मी युवती की पिटाई कर डाली। इसी बीच टोलकर्मी युवती ने पास पड़ी ईंट से गाड़ी में तोड़फोड़ करने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों ने उसके हाथ से ईंट छीनकर फेंक दी। घटना के दौरान टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने विवाद शांत कराया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को शांत कराया। पुलिस ने विवादित कार को सीज कर लिया है और दोनों पक्षों से लिखित शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एएसपी सिद्धार्थ के मिश्रा ने बताया कि 13 मई की सुबह छपार टोल प्लाजा पर वाहन सवार लोगों और टोल कर्मचारियों के बीच झड़प हुई थी।

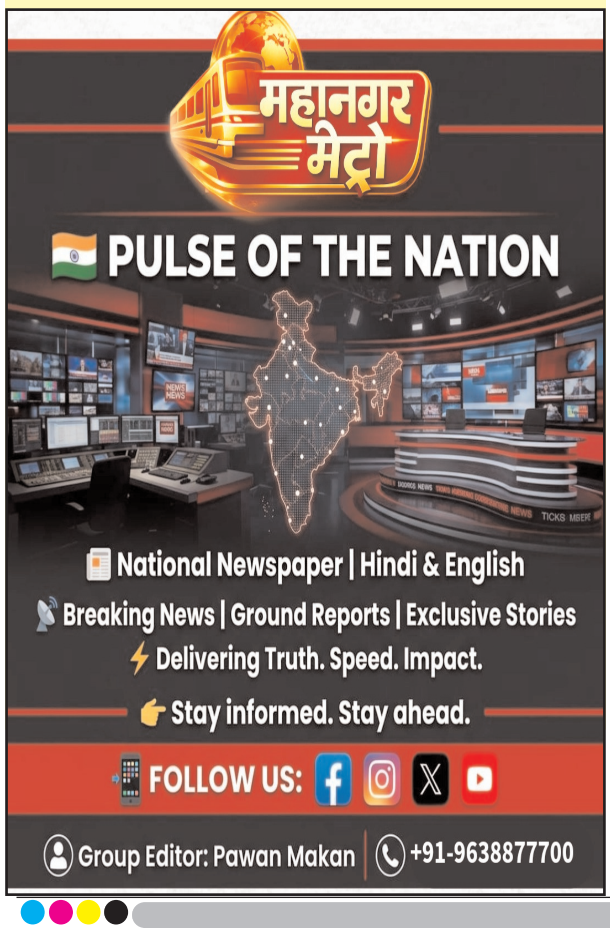

मंदसौर में आइसक्रीम खाते ही बिगड़ी 14 बच्चों की तबीयत, अस्पताल में भर्ती, एक की हालत गंभीर

ठेले से 10 रुपये की आइसक्रीम खाने के बाद उल्टी-दस्त के शिकार हुए मासूम।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के कोटड़ा बुजुर्ग गांव में आइसक्रीम खाने के बाद 12 से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई. बच्चों को उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद राजस्थान के भवानीमंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया. एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है. स्वास्थ्य विभाग ने फूड सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं. मंदसौर जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के कोटड़ा बुजुर्ग गांव में आइसक्रीम खाने के बाद करीब 12 से 14 बच्चों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है. घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया. बच्चों को तुरंत मध्य प्रदेश बॉर्डर से लगे राजस्थान के भवानीमंडी स्थित अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है. जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर शाम बच्चों को अचानक उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी. परिजनों ने बताया कि गांव में रोज आने वाले ठेले के आइसक्रीम विक्रेता से बच्चों ने 10 रुपये वाली आइसक्रीम खरीदी थी. आइसक्रीम खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी.

ग्रामीण दान सिंह ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे आइसक्रीम बेचने वाला गांव में आया था. बच्चे रोज की तरह उससे आइसक्रीम लेकर खा रहे थे. कुछ समय बाद सात से आठ बच्चों को अचानक घबराहट, उल्टी और बेचैनी होने लगी. इसके बाद परिवार वाले बच्चों को पहले नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उन्हें भवानीमंडी रेफर कर दिया गया. बताया जा रहा है कि सभी बच्चों की उम्र 7 से 12 साल के बीच है. फूड पॉइजनिंग की आशंका के चलते बच्चों को इलाज के लिए भवानीमंडी के दो अलग-अलग निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. इनमें से दो बच्चों को आईसीयू में रखा गया था. हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब अधिकतर बच्चों की हालत स्थिर है, लेकिन शिवम नाम के एक बच्चे की तबीयत गंभीर बताई जा रही है. उसे पिछले चार से पांच दिनों से बुखार भी था, जिसके कारण डॉक्टर उसकी लगातार जांच कर रहे हैं.

फूड इंस्पेक्टर को सैंपल जांच के निर्देश दिए

गरोठ स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ बीएमओ डॉ. दरबार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आइसक्रीम खाने से जुड़ा दिखाई दे रहा है. उन्होंने कहा कि आइसक्रीम में इस्तेमाल मावा संक्रमित हो सकता है, हालांकि अन्य कारणों की भी जांच की जा रही है. फूड इंस्पेक्टर को सैंपल जांच के निर्देश दिए गए हैं. स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंचकर बच्चों की जांच कर रही है. कुछ बच्चों का प्राथमिक उपचार गांव में ही किया गया, जबकि गंभीर स्थिति वाले बच्चों को अस्पताल भेजा गया. प्रशासन और पुलिस भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं.

देवास में एबी रोड स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद लगी आग, तीन लोगों की मौत, चार-चार लाख मुआवजे की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। मध्य प्रदेश देवास जिले में एबी रोड स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई है। आग की वजह से सड़क पूरा धुआं-धुआं हो गया है। हादसे में तीन लोगों की मौत की खबर है। कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया है। घायलों की हालत देखते हुए बताया जा रहा है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर टोंककला में यह पटाखा फैक्ट्री है। फैक्ट्री में ब्लास्ट की गूंज आसपास के इलाकों में सुनाई दे रही थी। वहीं, इस हादसे में वहां काम करे श्रमिकों के चिथड़े उड़ गए हैं। शवों के टुकड़ों सड़कों पर मिले हैं।

आसपास के इलाकों में अफरातफरी की स्थिति है। बताया जा रहा है कि 20 से अधिक लोग जख्मी हैं। इनमें सात को इंदौर रेफर किया गया है। हिल गए मकान वहीं, आसपास के लोगों का कहना है कि हादसे का बाद आसपास के मकानों में कंपन हुआ है। साथ ही मकान हिल गए हैं। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि आसपास के लोग सहम गए हैं। फैक्ट्री के अंदर रखे मिले पटाखे इसके साथ ही फैक्ट्री के अंदर बड़ी संख्या में पटाखे मिले हैं। हादासा कैसे हुआ इसके जानकारी नहीं मिली है। फैक्ट्री के अंदर से अभी भी धुआं उठ रहा है। देवास कलेक्टर भी मौके पर हैं। सीएम ने डेप्युटी सीएम को भेजा देवास सीएम मोहन यादव ने कहा कि देवास जिले के टोंककला में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कई लोगों के हताहत होने का समाचार हृदय विदारक है। मैंने जिले के प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा , गृह सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। घटना की जांच के आदेश भी दिए हैं। मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने एवं घायलों का नि:शुल्क इलाज करने के लिये निर्देश दिये हैं। बाबा महाकाल से दिवंगतों की शांति, शोकाकुल परिजनों को दु:ख सहन करने की शक्ति तथा दुर्घटना में घायलों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। धमाके की खबर मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। वहीं, घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भेजा जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिवराज सिंह चौहान का 'अपनापन', पीएम पर केंद्रीय मंत्री ने लिखी है यह किताब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने अनुभवों पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किताब लिखी है। इस किताब का लोकार्पण 26 मई को दिल्ली में होगा।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों पर एक किताब लिखी है। किताब का नाम ' अपनापन ' है। इसका लोकार्पण 26 मई को नई दिल्ली में है। शिवराज सिंह चौहान ने खुद इसकी जानकारी दी है। किताब की कहानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिवराज सिंह चौहान के अनुभवों पर है।

पीएम के साथ अनुभवों को किताब में लिखा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा कि तीन दशकों से अधिक के सार्वजनिक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अनेक भूमिकाओं और विभिन्न दायित्वों में कार्य करते हुए मुझे उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व, सेवा, संगठन, सुशासन और राष्ट्र समर्पण के अनेक दुष्टिकोणों से देखने समझने का अवसर मिला है। इन्हीं अनुभवों, भावनाओं, प्रेरणाओं और जीवन-मूल्यों को मैंने अपनी पुस्तक 'अपनापन' में संजोने का विनम्र प्रयास किया है।

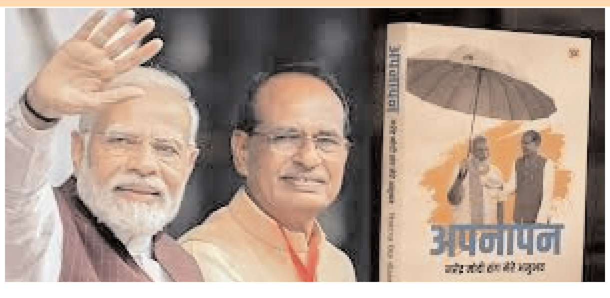

26 मई को किताब का लोकार्पण

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरी इस कृति 'अपनापन' का लोकार्पण 26 मई 2026 को सुबह साढ़े दस बजे, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में होगा। मेरा विश्वास है कि यह पुस्तक सभी पाठकों को, विशेषकर हमारे युवा मित्रों को, सेवा, संवेदना, राष्ट्रभक्ति और जनकल्याण के विचारों के साथ विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देगी। पुस्तक का लोकार्पण पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ करीब से जिया है उन्होंने कहा कि मेरे लिए 'अपनापन' केवल एक पुस्तक नहीं है, यह उन तैंतीस वर्षों को शब्दों में उतारने का प्रयास है, जिनको मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बहुत करीब से जिया है। लोगों ने मंचों से उन्हें भाषण करते हुए देखा है, लेकिन मैंने उनमें उस व्यक्ति को देखा है, जो दिन भर देर रात तक काम करने के बाद भी अगली सुबह उसी ऊर्जा के साथ देश के लिए खड़ा होता है। लोग उनके निर्णय को देखते हैं, लेकिन मैंने देखा है कि कैसे उनका दिल हर गरीब, हर किसान, मां, बहन-बेटी और हर कार्यकर्ता के लिए धड़कता है। 1991 की एकता यात्रा का जिक्र शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुझे आज भी 1991 की एकता यात्रा याद है। तब कई लोग उसे राजनीतिक यात्रा के रूप में देखते थे, लेकिन मोदी जी ने उसे राष्ट्रीय चेतना का अभियान बना दिया। उनकी सोच स्पष्ट थी कि तिरंगा श्रीनगर के लाल चौक तक ही नहीं, देश के हर युवा के दिल तक पहुंचना चाहिए।

मौत का बवंडरः तूफान से बचने के लिए पकड़ी थी टीन की शेड, वही शख्स को लेकर 50 फीट ऊपर आसमान में उड़ गई;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली। जिले के थाना भमोरा क्षेत्र में भीषण तूफान के दौरान एक बारात घर की छत (टीन शेड) हवा में उड़ गई, जिसके साथ एक शख्स भी लगभग 50 फीट की ऊंचाई तक उछल गया. यह घटना पिछले दो दिनों से लगातार आ रही तेज आंधी और पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई. टीन शेड के नीचे तीन लोग तूफान से बचने की कोशिश कर रहे थे, तभी अचानक पूरी छत हवा में उड़ गई और एक शख्स कई फीट ऊपर से उड़कर सीधे खेत में जा गिरा. पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्रशासन ने अस्पताल में भर्ती कराया है.

एआई जैसा वीडियो, पर हकीकत ने चौंकाया

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को देखकर पहली नजर में ऐसा लगता है जैसे इसे एआई की मदद से बनाया गया हो या यह किसी

फिल्म का कोई सीन हो. वीडियो में शख्स को हवा में कलाबाजियां खाते हुए उड़ते देख लोग हैरान हैं. हालांकि, जब मीडिया और प्रशासन ने भमोरा क्षेत्र के घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की, तो पता चला कि यह वीडियो पूरी तरह असली है और चक्रवात की गति इतनी तेज थी कि उसने भारी-भरकम टीन शेड को तिनके की तरह उड़ा दिया. घटना के वक्त बारात घर के ऊपर बने टीन शेड के नीचे तीन लोग खड़े थे. वे खुद को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन प्रकृति के प्रकोप के आगे उनकी कोशिशें नाकाम रहीं. चक्रवात ने पूरी की पूरी छत उखाड़ दी और अपने साथ एक व्यक्ति को भी आसमान की ओर खींच लिया. काफी ऊंचाई से खेत में गिरने के कारण व्यक्ति बुरी तरह जख्मी हो गया. जिला प्रशासन ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए घायल को उचित इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. दो दिनों से बरेली में आफत की आंधी पश्चिमी विक्षोभ के चलते बरेली में पिछले दो दिनों से लगातार तूफानी हवाओं का दौर जारी है. बीती रात आई आंधी ने शहर में भारी तबाही मचाई है. कई विशालकाय पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए, जिसकी चपेट में आकर कई दोपहिया और चार पहिया वाहन दबकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं. पेड़ों के गिरने से कई रास्ते भी बाधित हुए हैं और कुछ अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है. शहर का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. चक्रवात और आंधी से हुए नुकसान को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं. प्रशासन का मुख्य फोकस सड़कों पर गिरे पेड़ों को हटाकर रास्ता साफ करने पर है ताकि यातायात सुचारू हो सके. जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे फील्ड पर रहकर स्थिति पर नजर रखें और प्रभावित लोगों तक त्वरित सहायता पहुंचाएं.

यूपी में कुदरत के कहर पर CM योगी का अधिकारियों को निर्देश; अखिलेश ने भी किया रिएक्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। विभिन्न हिस्सों में बेमौसम बारिश, भीषण आंधी और आकाशीय बिजली गिरने से भारी जनहानि हुई है. राज्य में इन प्राकृतिक आपदाओं के कारण अब तक कुल 89 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि जनहानि के साथ-साथ पशुहानि और आर्थिक नुकसान भी बड़े पैमाने पर हुआ है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस स्थिति का तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने स्पष्ट किया है कि मृतकों के परिजनों और अन्य पीड़ितों को राहत पहुंचाने का काम 24 घंटे के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए.

डीएम और वरिष्ठ अधिकारी खुद पहुंचें मौके पर

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों को एसी कमरों से निकलकर सीधे प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने को कहा है. सीएम योगी ने निर्देश दिया है कि जिले के वरिष्ठ अधिकारी खुद पीड़ितों से मुलाकात करें और उनके साथ संवाद स्थापित कर हर संभव सहायता सुनिश्चित करें. उन्होंने चेतावनी दी है कि राहत कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या पीड़ितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी. आर्थिक और कृषि हानि का आकलन करने के लिए राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को मिलकर सर्वे करने का जिम्मा सौंपा गया है. सीएम ने निर्देश दिया है कि सर्वे रिपोर्ट के आधार पर नुकसान का सटीक आकलन कर शासन को तुरंत अवगत कराया जाए. पशुहानि और फसल बर्बादी के मामलों में भी जल्द से जल्द मुआवजा देने की बात कही गई है, ताकि प्रभावित परिवारों को इस संकट की घड़ी में आर्थिक संबल मिल सके. इधर, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी राज्य में मची इस तबाही पर गहरा दुख जताया है.' जिलों उन्होंने सरकार से मांग की है कि युद्ध स्तर पर राहत कार्य चलाए जाएं और घायलों के मुफ्त इलाज के साथ-साथ प्रभावितों के लिए भोजन, पानी और अस्थाई आवास की व्यवस्था तुरंत की जाए. उत्तर प्रदेश में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली से हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा संज्ञान लिया है. बाराबंकी, बहराइच, कानपुर देहात और हरदोई समेत 19 जिलों से जनहानि, पशुहानि और मकानों के क्षतिग्रस्त होने की खबरें आई हैं. सीएम योगी ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए सभी जिलाधिकारियों को तुरंत मौका मुआयना करने और जल्द से जल्द सर्वे पूरा कर मुआवजा राशि जारी करने के निर्देश दिए हैं.

पश्चिम बंगाल में ट्रकों से होती है 'डंडा टैक्स' की वसूली, इंदौर से ट्रांसपोर्टर्स ने सीएम शुभेंदु अधिकारी को लिखा पत्र,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। ट्रांसपोर्टरों के प्रमुख संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को बुधवार को पत्र लिखकर मांग की कि राष्ट्रीय परमिट के आधार पर राज्य से गुजरने वाले वाहनों से 'विशेष शुल्क' की वसूली बंद की जाए। संगठन ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में यह 'विशेष शुल्क' अवैध तौर पर वसूला जा रहा है। एआईएमटीसी की क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और यातायात मामलों की समिति के राष्ट्रीय चेयरमैन सीएल मुकाती ने इस बारे में पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि केंद्र सरकार के 'एक राष्ट्र, एक कर' के सिद्धांत के विपरीत पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय परमिट वाले वाहनों से 'स्पेशल फी' (विशेष शुल्क) के नाम से भारी राशि 'अवैध तौर पर' वसूली जा रही है। पत्र में कहा गया कि 'डंडा टैक्स' के नाम कुख्यात इस वसूली के कारण राज्य की छवि धूमिल हो रही है और इससे ट्रांसपोर्टरों पर अनुचित आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पत्र में मांग की गई है कि विशेष शुल्क की इस वसूली को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। मुकाती ने मुख्यमंत्री को अपने पत्र के साथ कम्प्यूटर से निकली 7,040 रुपये की रसीद भी भेजी है, जिसे पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन विभाग के नाम से जारी किया गया है। इस रसीद में मध्यप्रदेश में पंजीकृत एक वाहन से 'सर्विस/यूजर चार्ज' और 'ट्रांजेक्शन फी' की मद में 20-20 रुपये और 'स्पेशल फी' के तौर पर 7,000 रुपये के भुगतान का जिक्र है। ऐसी रसीदों में इसका कोई उल्लेख नहीं किया जाता कि विशेष शुल्क किस कानूनी प्रावधान के तहत वसूला जा रहा है।

7.70 लाख की नकली करेंसी बरामद, गैंग के सरगना सहित 4 आरोपी पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़ । यूपी के अलीगढ़ में पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है. गोरई थाना पुलिस और क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया. पुलिस ने आरोपियों के पास से 7 लाख 70 हजार रुपये की नकली करेंसी बरामद की है. इसी के साथ चार आरोपियों को पकड़ा गया है, इनमें गिरोह का लीडर भी शामिल है. अलीगढ़ पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है. गोरई थाना पुलिस और क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग ने संयुक्त रूप से ये अभियान चलाया, जिसमें गिरोह के सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने इनके कब्जे से 7 लाख 70 हजार रुपये की नकली करेंसी बरामद की है. बरामद सभी नोट 500 रुपये के हैं. पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सूचना के आधार पर की गई. क्रिमिनल इंटेलिजेंस विंग को

जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में नकली नोट लेकर आने वाला है. सूचना के बाद गोरई थाना पुलिस और इंटेलिजेंस टीम ने संयुक्त रूप से निगरानी शुरू की. सबसे पहले जिकरुल हसन नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में सामने आया कि वह पहले भी नकली नोटों के मामलों में जेल जा चुका है. अलीगढ़ के अलावा उत्तराखंड में भी उसके खिलाफ केस दर्ज रहे हैं. पुलिस ने बताया कि जिकरुल की निशानदेही पर उसके तीन अन्य साथियों वसीम, आसिफ और फरमान को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया. चारों आरोपी एक संगठित गिरोह चलाते थे और अलग-अलग राज्यों में नकली नोटों की सप्लाई करते थे. जांच में पता चला है कि गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ है और ये लंबे समय से फर्जी करेंसी की तस्करी में सक्रिय थे. एसपी ग्रामीण मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने कहा कि आरोपियों से बरामद मोबाइल फोन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच की जा रही है, ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके. पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में कुछ मूल रूप से कासगंज के रहने वाले हैं, जबकि तीन आरोपी फिलहाल दिल्ली में रह रहे थे. पूछताछ में यह भी सामने आया है कि सभी आरोपी पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और कई बार जेल जा चुके हैं. फिलहाल पुलिस पूरे गिरोह के नेटवर्क की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में जिन-जिन लोगों की संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी

अपने साथ 4 आदमी लाई थी महिला...72 साल के ष्ट को हनीट्रैप में फंसाकर किडनैप और लूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। के पॉश इलाके सैनिक फार्म में 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रैप के जरिए बनाकर अपहरण और लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. आरोपियों ने पहले बुजुर्ग को घर में बंधक बनाया, फिर नकदी और जेवर लूटे तथा फिरौती की मांग की. पुलिस ने सेना के एक जवान समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया. साउथ दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में एक 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रैप में फंसाकर अपहरण और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों में सेना का एक कार्यरत जवान भी शामिल है. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बुजुर्ग को निशाना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से पूरी साजिश रची थी. पुलिस ने बताया कि घटना 2 मई की शाम की है, जब बुजुर्ग अपने सैनिक फार्म स्थित घर में अकेले थे. उन्हें लगा कि उनकी परिचित कल्पना कुमारी उनसे मिलने आ रही है. लेकिन जैसे ही महिला घर पहुंची, उसके साथ मौजूद अन्य लोग भी अंदर घुस गए और उन्होंने बुजुर्ग पर हमला कर दिया. आरोपियों ने उन्हें टेप से बांध दिया और घर में रखी नकदी, जेवर और जरूरी दस्तावेज लूट लिए. जांच के अनुसार, आरोपियों ने घर की अलमारी से करीब पांच लाख रुपये, दराज से नकदी, पर्स, सोने की अंगूठियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए. इसके बाद वे पीड़ित को उनकी ही कार में जबरन बैठाकर मेरठ की ओर निकल गए. रास्ते में आरोपियों ने बुजुर्ग से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगते हुए उनके परिचितों को फोन करने का दबाव बनाया. हालांकि रकम का इंतजाम नहीं हो सका. इसके बाद आरोपी पीड़ित को हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के पास दिल्ली-मुंबई हाईवे पर छोड़कर फरार हो गए. किसी तरह बुजुर्ग एक ढाबे तक पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण, लूट और आपराधिक साजिश की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की. करीब 36 घंटे तक लगातार पीछा करने के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मथुरा से कल्पना और सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में सामने आया कि दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी और बाद में दोनों ने शादी भी की थी. इसके बाद उन्होंने इस वारदात की योजना बनाई. पुलिस ने बाद में हरियाणा के फतेहाबाद जिले में छापेमारी कर दो अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया. उनके कब्जे से नकदी, सोने के जेवर, लूटे गए दस्तावेज और वारदात में इस्तेमाल की गई एयर गन बरामद की गई है. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं.दिल्ली। के पॉश इलाके सैनिक फार्म में 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रैप के जरिए निशाना बनाकर अपहरण और लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है. आरोपियों ने पहले बुजुर्ग को घर में बंधक बनाया, फिर नकदी और जेवर लूटे तथा फिरौती की मांग की. पुलिस ने सेना के एक जवान समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया. साउथ दिल्ली के सैनिक फार्म इलाके में एक 72 साल के चार्टर्ड अकाउंटेंट को हनीट्रैप में फंसाकर अपहरण और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपियों में सेना का एक कार्यरत जवान भी शामिल है. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बुजुर्ग को निशाना बनाकर योजनाबद्ध तरीके से पूरी साजिश रची थी. पुलिस ने बताया कि घटना 2 मई की शाम की है, जब बुजुर्ग अपने सैनिक फार्म स्थित घर में अकेले थे. उन्हें लगा कि उनकी परिचित कल्पना कुमारी उनसे मिलने आ रही है. लेकिन जैसे ही महिला घर पहुंची, उसके साथ मौजूद अन्य लोग भी अंदर घुस गए और उन्होंने बुजुर्ग पर हमला कर दिया. आरोपियों ने उन्हें टेप से बांध दिया और घर में रखी नकदी, जेवर और जरूरी दस्तावेज लूट लिए. जांच के अनुसार, आरोपियों ने घर की अलमारी से करीब पांच लाख रुपये, दराज से नकदी, पर्स, सोने की अंगूठियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए. इसके बाद वे पीड़ित को उनकी ही कार में जबरन बैठाकर मेरठ की ओर निकल गए. रास्ते में आरोपियों ने बुजुर्ग से 50 लाख रुपये की फिरौती मांगते हुए उनके परिचितों को फोन करने का दबाव बनाया.

हालांकि रकम का इंतजाम नहीं हो सका. इसके बाद आरोपी पीड़ित को हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के पास दिल्ली-मुंबई हाईवे पर छोड़कर फरार हो गए. किसी तरह बुजुर्ग एक ढाबे तक पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अपहरण, लूट और आपराधिक साजिश की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की. करीब 36 घंटे तक लगातार पीछा करने के बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मथुरा से कल्पना और सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में सामने आया कि दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी और बाद में दोनों ने शादी भी की थी. इसके बाद उन्होंने इस वारदात की योजना बनाई. पुलिस ने बाद में हरियाणा के फतेहाबाद जिले में छापेमारी कर दो अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया. उनके कब्जे से नकदी, सोने के जेवर, लूटे गए दस्तावेज और वारदात में इस्तेमाल की गई एयर गन बरामद की गई है. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं में शामिल रहे हैं या नहीं.

दिल्ली में चलती स्लीपर बस में महिला को खींचकर गैंगरेप, ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर निर्भया जैसी गैंगरेप की घटना सामने आई है। घटना दिल्ली के रानीबाग इलाके की है। रानीबाग इलाके में चलती प्राइवेट बस में महिला के साथ गैंगरेप हुआ है। पीड़िता के मुताबिक वह सोमवार रात काम से लौट रही थी। सरस्वती विहार बस स्टैंड पर उसने बस को हाथ दिया। बस धीमी हुई, ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को जबरन अंदर खींच लिया और फिर पूरी रात उसके साथ गैंगरेप किया। बाद में आरोपी महिला को सड़क किनारे फेंककर भाग गए। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि इस मामले में FIR दर्ज करके बस को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की पहचान करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बस को कब्जा में ले लिया गया है। इसकी फोरेंसिक जांच की जाएगी। पुलिस टीम इस बात की भी पुष्टि कर रही हैं कि क्या इस अपराध में और भी लोग शामिल थे। बहरहाल, महिला ने बताया कि आरोपी वारदात के बाद उसे सुनसान इलाके में फेंककर भाग गए। किसी तरह उसने पुलिस को फोन करके पूरी घटना की जानकारी दी। शिकायत मिलते ही रानीबाग थाना पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बस की पहचान कर ली। इसके बाद बस को जब्त करके ड्राइवर और कंडक्टर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के सभी मंत्रियों और ब्यूरोक्रेट्स के विदेशी दौरे किए रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के आधार पर महाराष्ट्र के मंत्रियों और अधिकारियों के पहले से मंजूर विदेश दौरों को रोक दिया गया है। अब अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े काम वर्चुअल प्लेटफॉर्म के जरिए किए जाएंगे, ताकि सरकारी खर्च कम हो सके और देश के ईंधन बचाने के अभियान को भी बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य के मंत्रियों और उच्च-रैंकिंग वाले सरकारी अधिकारियों के लिए पहले से तय विदेश दौरों को तुरंत रद्द करने का आदेश दिया। सरकारी सूत्रों ने बताया कि राज्य प्रशासन ने प्रशासनिक कामों या स्टडी टूर के लिए तय सभी आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरों को रोकने के निर्देश जारी किए हैं। इस अचानक और सख्त कदम का मुख्य मकसद राज्य के खजाने पर पड़ने वाले बोझ को कम करना और जनता को वित्तीय अनुशासन व खर्चों में कटौती का एक मजबूत संदेश देना है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शासन-प्रशासन का काम बिना किसी रुकावट के चलता रहे, सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी जरूरी अंतरराष्ट्रीय समझौते, बैठकें और विचार-विमर्श वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही किए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का तुरंत प्रभाव से असर भी हुआ है। पर्यटन, खनन और महिला व बाल विकास मंत्री शंभूराज देसाई ने लंदन और पेरिस के अपने तय दौरे को रद्द कर दिया।

परिवार के साथ छुट्टी पर जानेवाले थे मंत्री

बताया जा रहा है कि यह यात्रा तीन महीने पहले से ही एक निजी पारिवारिक छुट्टी के तौर पर तय की गई थी, लेकिन मंत्री देसाई ने इसे रद्द करने का फैसला किया, ताकि वे ईंधन बचाने और विदेशी मुद्रा बचाने की देशव्यापी भावना के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा में भी विधायकों के जापान के लिए तय स्टडी टूर को रद्द कर दिया गया। इस बात की पुष्टि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने की। सरकार का यह कदम तब आया है, जब प्रधानमंत्री मोदी ने नेताओं और अधिकारियों से अपील की थी कि वे अनावश्यक विदेश यात्राओं और खर्चों से बचें, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। यह अपील ऐसे समय में की गई है, जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और पश्चिम एशिया में चल रहा संकट ईंधन की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता पर असर डाल रहा है। खर्चे में कटौती के मुख्यमंत्री के कुछ प्रमुख निर्णय मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों के काफिले में गाड़ियों की संख्या तुरंत आधी कर दी जाए। यात्रा के दौरान काफिले में गाड़ियों की संख्या तय संख्या से जयादा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पुलिस कमिश्नर या सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस ज़िम्मेदार होंगे। मंत्रियों और अधिकारियों को कोई भी विदेश यात्रा नहीं करनी चाहिए। मंत्रियों को सरकारी विमान, हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल तब तक नहीं करना चाहिए, जब तक बहुत जरूरी न हो। इसके बजाय रेगुलर हवाई सेवाओं का इस्तेमाल करना चाहिए। अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए मीटिंग होनी चाहिए। शासन द्वारा वितरित की गई गाड़ियों का डिटेल में रिव्यू किया जाना चाहिए।

पाकिस्तानी शहजाद भट्टी लिंक केस : मुंबई के मीरा रोड, पुणे, नागपुर समेत महाराष्ट ATS के ताबड़तोड़ छापे, 57 युवाओं से पूछताछ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने बुधवार को पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और डोगरा गिरोह के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस कार्रवाई का मकसद उन लोगों को निशाना बनाना है, जो पाकिस्तान-स्थित गैंगस्टर नेटवर्क जिनमें शहजाद भट्टी गिरोह और डोगरा गिरोह शामिल हैं या उनसे जुड़े हुए हैं या उनके साथ संबंध रखते हैं। अधिकारियों के अनुसार, एटीएस की समन्वित छापेमारी बुधवार सुबह 8 बजे महाराष्ट्र के कई स्थानों पर शुरू हुई और देर रात तक चली। इस दौरान ्ञस ने 57 लोगों से पूछताछ की। इनमें मुंबई इलाके के 17 लोग, छत्रपति संभाजीनगर के 14 लोग, और पुणे और नासिक के 8-8 लोग शामिल हैं। एटीएस ने नालासोपारा, मीरा रोड, नागपुर, पुणे, मुंबई, अकोला, नांदेड़, नासिक और जलगांव में छापे मारे। यह अभियान एक बड़ी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राज्य के भीतर सक्रिय कथित गैंगस्टर-संबंधित नेटवर्क को खत्म करना और उन व्यक्तियों की पहचान करना है, जिन पर इन गिरोहों के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध रखने का संदेह है। गैंग्स्टर के संबंधों पर फंसे अधिकारियों ने बताया कि एटीएस उन व्यक्तियों से पूछताछ करने की योजना बना रही है, जिनका कथित तौर पर इन गैंगस्टरों से संबंध है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उनके संपर्क में हैं या जिनके बारे में माना जाता है कि वे इन नेटवर्क के फॉलोअर्स या समर्थक हैं।

पाकिस्तान में बैठकर महाराष्ट्र के युवाओं को बना रहा था निशाना

जांच एजेंसियों के अनुसार, समय-समय पर मिली खुफिया जानकारियों से संकेत मिला था कि सीमा पार से सक्रिय गैंगस्टर कथित तौर पर सोशल मीडिया का उपयोग करके महाराष्ट्र के युवाओं को प्रभावित कर रहे थे और उन्हें अपने आपराधिक नेटवर्क में भर्ती कर रहे थे। अधिकारियों ने दावा किया कि इन समूहों ने कथित तौर पर स्थानीय युवाओं को एक शानदार जीवन शैली और आर्थिक लाभ का वादा करके लुभाया। ऐसा करके वे राज्य के विभिन्न हिस्सों में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते थे। अधिकारियों ने बताया कि एटीएस का यह अभियान मुख्य रूप से इन गिरोहों से जुड़ी 'स्लीपर सेल', स्थानीय गुर्गों और संभावित सहायता प्रणालियों की पहचान करने पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हथियारों की तस्करी या किसी भी बड़ी साजिश को, उसके आकार लेने से पहले ही रोका जा सके। कई एटीएस टीमें वर्तमान में इस व्यापक तलाशी और सत्यापन अभियान में जुटी हुई हैं, जिसे विभिन्न शहरों और जिलों में एक साथ चलाया जा रहा है। हवाला के जरिए भेजी गई रकम छापेमारी के दौरान, एटीएस अधिकारियों ने चल रही जांच के हिस्से के रूप में, संदिग्धों से जुड़े स्थानों से लैपटॉप, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए।

22 विधायक बीजेपी में जा सकते हैं...रोहित पवार के दावे से महाराष्ट्र में सियासी भूकंप, क्या फिर टूटेगी एनसीपी

मुंबई। दिवंगत डिप्टी सीएम अजित पवार के प्लेन क्रैश की सीबीआई जांच की मांग को लेकर मुहिम छेड़े विधायक रोहित पवार के दावे से महाराष्ट्र में सियासी हड़कंप मच गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार के विधायक रोहित पवार ने दावा किया है राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 22 विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। पवार ने यह बयान ऐसे वक्त पर दिया है जब सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली एनसीपी में कार्यकारिणी के लिस्ट को लेकर बखेड़ा खड़ा हुआ है, हालांकि एनसीपी नेता रोहित पवार के दावों का खंडन कर रहे हैं। कार्यकारिणी विवाद के बीच किया दावा

12 मई को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक सूची जारी की थी। इसमें सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल के नाम नहीं थे। इसके बाद बवाल खड़ा हो गया था। चर्चा होने लगी थी कि सुनेत्रा पवार ने दो नेताओं को साइडलाइन कर दिया, लेकिन इस मामले पर जब बवाल बढ़ा था तो सुनेत्रा पवार ने खुद लिखा कि यह एक सिर्फ गलती थी। इसके बाद पार्टी ने फिर से सूची जारी की। एनसीपी ने सुनेत्रा पवार को अध्यक्ष, पार्थ पवार और जय पवार को महासचिव व कोषाध्यक्ष जैसे बड़े पद सौंपे गए। दोनों नेताओं के कार्यकारिणी से नाम गायब होने और सुनील तटकरे के शरद पवार से मिलने पर सियासत गरमा गई थी। भारत निर्वाचन आयोग सचिव को संबोधित पत्र में सुनेत्रा पवार ने एनसीपी की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के 22 सदस्यों की सूची भेजी है। महाराष्ट्र के दिवंगत नेता अजित पवार के बेटे पार्थ पवार और जय पवार को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। राज्यसभा के लिए निर्वाचित पार्थ पवार को महासचिव नियुक्त किया गया है। उनके छोटे भाई जय पवार को राष्ट्रीय सचिव और पार्टी की अनुशासन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। कार्यकारी समिति में अध्यक्ष के रूप में सुनेत्रा पवार के अलावा वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल, लोकसभा में पार्टी के नेता सुनील तटकरे और राज्य सरकार में मंत्री छगन भुजबल शामिल हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास 41 विधायक हैं। सुनील तटकरे ने शरद पवार साहब के 'सिल्वर ओक' आवास पर जाकर मिलने को लेकर सफाई दी है। इस मुलाकात के दौरान किसी भी राजनीतिक मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई.

लाडली योजना में महाराष्ट्र की 70 लाख महिलाओं की नहीं आएगी मई की किश्त, eKyc के बाद हुईं बाहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना' के तहत लगभग 70 लाख लाभार्थी, बड़े पैमाने पर किए गए e-KYC और पात्रता सत्यापन अभियान के बाद अपात्र पाए गए हैं। इस कदम के कारण, 1,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या में भारी गिरावट आई है। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री मेघना बोर्डिकर ने TOI को बताया कि बार-बार समय सीमा बढ़ाने और जागरूकता अभियान चलाने के बावजूद, बड़ी संख्या में लाभार्थी अनिवार्य e-KYC प्रक्रिया पूरी करने में विफल रहे।

मेघना बोर्डीकर ने कहा कि हमने e-KYC की समय सीमा को लगभग चार से पांच महीने तक बढ़ाया था। पर्याप्त समय देने के बाद भी, लगभग 70 लाख महिलाओं ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की। इससे यह संकेत मिलता है कि उनमें से कई वास्तव में पात्र लाभार्थी नहीं थीं।

चुनाव के समय थे 2.46 करोड़ अभ्यर्थी

विधानसभा चुनावों से पहले महायुति सरकार की प्रमुख कल्याणकारी पहलों में से एक के रूप में शुरू की गई इस योजना में, शुरुआत में पूरे महाराष्ट्र में लगभग 2.46 करोड़ महिला लाभार्थी शामिल थीं। हालांकि, आधार प्रमाणीकरण, बैंक खाता सत्यापन और पात्रता मानदंडों की गहन जाँच के बाद, फरवरी 2026 के लिए भुगतान प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या घटकर लगभग 1.76 करोड़ रह गई। महिला बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान डुप्लीकेट आवेदन, आधार विवरण में विसंगतियां, गलत बैंक जानकारी और ऐसे लाभार्थी सामने आए जो कथित तौर पर आय पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करते थे। योजना को तेजी से लागू करने के दौरान अनियमितताओं और अपर्याप्त जांच को लेकर चिंताएं उठने के बाद, राज्य सरकार ने e-KYC को अनिवार्य कर दिया था।

महाराष्ट्र के सरकारी खजाने पर कम होगा बोझ

लाभार्थियों को बड़े पैमाने पर सूची से हटाने से महाराष्ट्र के खजाने पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ में भी काफी कमी आने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के 2026-27 के बजट में, लाभार्थी सत्यापन अभियान के बाद, 'लाडकी बहिण योजना' के लिए आवंटन में 26' की कटौती की गई है। यह राशि 2025-26 में आवंटित 36,000 करोड़ रुपये से घटकर 26,500 करोड़ रुपये रह गई है। बजट दस्तावेजों में अनुमान लगाया गया है कि इस छँटनी प्रक्रिया के बाद लाभार्थियों की संख्या लगभग 1.53 करोड़ महिलाओं तक सीमित रह जाएगी।

महिलाओं ने कहा नहीं दिया गया केवाईसी के लिए समय सरकार के इस दावे के बावजूद कि नियमों का पालन करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, कई महिलाओं ने कहा कि तकनीकी समस्याओं और प्रक्रियागत बाधाओं के कारण वे दिसंबर के बाद अपने दस्तावेजों में सुधार या उन्हें अपडेट नहीं कर पाईं। राज्य के अंदरूनी इलाकों की एक अन्य लाभार्थी, रेखा शिंदे ने बताया कि समय सीमा बढ़ाए जाने के बावजूद वह e-KYC प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाईं। पोर्टल पर बार-बार त्रुटियां दिखाई दे रही थीं। स्थानीय ऑपरेटरों ने कहा कि समय सीमा बीत जाने के बाद अब कोई अपडेट संभव नहीं है। मैं अपने घर के खर्चों और अपने बच्चों की शिक्षा के लिए इसी पैसे पर निर्भर हूं।

मैंने अपने सभी दस्तावेज़ जमा कर दिए थे, लेकिन मेरे आधार से जुड़े मोबाइल नंबर में कोई समस्या थी। दिसंबर के बाद, अधिकारियों ने मुझे बताया कि अब सिस्टम में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। मैं कई बार केंद्र गई, लेकिन मेरा आवेदन लंबित ही रहा।

सुनीता जाधव, पूर्व लाभार्थी सरकार ने लाभार्थियों से e-KYC प्रक्रिया पूरी करने के लिए बार-बार अपील की थी। इसके लिए कैंप आयोजित किए गए और समय सीमा को भी कई बार बढ़ाया गया। जिन वास्तविक लाभार्थियों ने यह प्रक्रिया पूरी कर ली है, उन्हें बिना किसी रुकावट के लाभ मिल रहे हैं। लंबित किस्तों का वितरण कार्य वर्तमान में जारी है। वास्तविक लाभार्थियों के लिए मार्च और अप्रैल 2026 की किस्तों का वितरण कार्य चल रहा है। पात्र महिलाओं को योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार लगातार लाभ मिलते रहेंगे। ग्रामीण महाराष्ट्र में महिला समूहों के साथ काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने कहा कि खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता की कमी, आधार डेटा में बेमेल और बार-बार बदलती समय सीमाओं को लेकर हुई भ्रम की स्थिति के कारण कई वास्तविक लाभार्थी इस योजना से वंचित रह गए होंगे। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि उन महिलाओं के लिए शिकायत निवारण की एक अंतिम व्यवस्था की जाए, जिन्हें गलती से अयोग्य घोषित कर दिया गया हो। हालांकि, मेघना बोर्डीकर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार ने नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रयास किए थे।

विदेशी दौरे रद्द, नो कार डे लागू... फ्यूल बचाने के लिए दिल्ली सरकार के बड़े निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार के लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और बाढ़ सिंचाई विभाग ने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए सप्ताह में एक दिन 'नो कार डे' लागू किया है. इन विभागों ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के विदेशी दौरों पर रोक लगाया है, इसके साथ इलेक्ट्रिक वाहनों, कार पूलिंग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और बाढ़ सिंचाई विभाग ने 11 बड़े निर्देश जारी किए हैं. विभागों में अब सप्ताह में एक दिन 'नो कार डे' लागू किया जाएगा. इसके साथ ही अगली सूचना तक अधिकारियों के विदेशी दौरों पर भी रोक लगा दी गई है.

लंबित विदेश यात्रा प्रस्तावों को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं. नई गाइडलाइन के तहत अधिकारियों और कर्मचारियों को सरकारी वाहनों का इस्तेमाल न्यूनतम करने को कहा गया है. विभाग ने सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया है. विभागों के वाहन बेड़े को तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के आदेश भी जारी किए गए हैं.

इन विभागों ने अपने कर्मचारियों को निरीक्षण, फील्ड विजिट और कार्यालय आने-जाने के दौरान कार पूलिंग अपनाने की सलाह दी है. सरकारी कार्यक्रमों और निरीक्षणों में ग्रुप ट्रैवल के लिए इलेक्ट्रिक वाहन या सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने को कहा गया है. निर्देशों में डीजल चालित पंपों की जगह इलेक्ट्रिक पंप और स्थायी पंपिंग स्टेशनों के उपयोग पर भी जोर दिया गया है. साथ ही अनावश्यक यात्राओं को कम करने के लिए वर्चुअल बैठकों को बढ़ावा देने की बात कही गई है. इसके अलावा सभी कार्यालय परिसरों में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं. दिल्ली सरकार के विभागों में बागवानी से संबंधित कार्यों में केवल जैविक खाद के इस्तेमाल को अनिवार्य किया गया है. दिल्ली सरकार ने सभी विभागों से इन निर्देशों के पालन की साप्ताहिक रिपोर्ट जमा करने को भी कहा है.

सामान की डिलिवरी होगी सुपरफास्ट, दिल्ली में बनेंगे बड़े स्टोरेज सेंटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में माल ढुलाई और आपूर्ति व्यवस्था को आधुनिक, तेज और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए दिल्ली सरकार नई लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग नीति बनाने में जुटी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह नीति दिल्ली को देश के प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी। इससे शहर में ट्रैफिक और प्रदूषण कम होगा, वही उद्योग, निवेश और रोजगार को नई गति मिलेगी। सीएएम ने बताया कि नीति के तहत शहर के बाहरी क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स वितरण केंद्र विकसित किए जाएंगे। यहां बड़े स्तर पर आने वाले माल को एक जगह स्टोर करने के बाद फिर शहर के अंदर सप्लाई किया जाएगा। इसके साथ ही बाजार स्तर के गोदाम और माइक्रो फुलफिलमेंट सेंटर भी बनाए जाएंगे, जिससे अंतिम चरण तक डिलीवरी व्यवस्था अधिक तेज और व्यवस्थित हो सकेगी।

ग्रीन लॉजिस्टिक्स और कोल्ड स्टोरेज पर सरकार का फोकस

उन्होंने कहा कि सरकार की योजना अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) के आधुनिकीकरण के साथ लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर, ट्रक टर्मिनल और पार्किंग हब विकसित करने की भी है। मंडियों के पास कोल्ड स्टोरेज बनाए जाएंगे, जिससे भंडारण और परिवहन प्रणाली मजबूत होगी और शहर के भीतर ट्रैफिक का दबाव घटेगा। नीति में हरित और स्वच्छ लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के साथ सौर ऊर्जा आधारित वेयरहाउसिंग को प्रोत्साहित किया जाएगा।

AI और डिजिटल सिस्टम से बदलेगा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क

सीएम ने बताया कि इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईईपी) के जरिए माल की आवाजाही की रियल-टाइम निगरानी की जा सकेगी। एआई आधारित प्लानिंग, डिजिटल फ्रेट मैनेजमेंट और रूट ऑप्टिमाइजेशन सिस्टम लागू किए जाएंगे, जिससे डिलीवरी सिस्टम अधिक पारदर्शी होगी। इस नीति से ई-कॉमर्स, गारमेंट, निर्माण सामग्री, फल-सब्जी और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा।

CEO समेत तीन को पुलिस का नोटिस, IPL के पास और टिकटों की कालाबाजारी का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम के बाहर IPL मैचों के कॉम्प्लिमेंट्री पास और टिकटों की कालाबाज़ारी के केस की जांच दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन तक पहुंच गई है। क्राइम ब्रांच ने डीडीसीए के सचिव, चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (CEO) और उनके निजी सहायक को नोटिस भेजा है। तीनों को टिकट बंटवारे के रिकॉर्ड समेत गुरुवार सुबह शकरपुर स्थित क्राइम ब्रांच के ऑफिस आने को कहा गया है। नोटिस मिलने के बाद दिल्ली क्रिकेट में हड़कंप मच गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक, डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा 'मामा', सीईओ आरआर सिंह और उनके पीए राकेश को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 179 के तहत नोटिस दिया गया है। इसके मुताबिक, पुलिस किसी केस की जांच के दौरान बतौर 'गवाह' किसी भी शख्स को तलब कर सकती है। नोटिस में पूछा गया है कि कॉम्प्लिमेंट्री पास या टिकट किसकी कस्टडी में रहते हैं, उन्हें किस तरह से इश्यू किया जाता है? पुलिस अफसरों का कहना है कि अगर जांच के दौरान डीडीसीए के कुछ और पदाधिकारियों को बुलाने की जरूरत पड़ेगी तो उन्हें भी नोटिस जारी किया जाएगा। जांच में पता चला है कि कुछ वेंडर्स का भी अवैध तरीके से एक्रेडिटेशन कार्ड बना है। क्राइम ब्रांच ने टिकट बंटवारे के रिकॉर्ड के साथ बुलाया नोटिस मिलने के बाद दिल्ली क्रिकेट में मच गया है हड़कंप

क्या है मामला क्राइम ब्रांच ने 8 मई को मुकीम, गुफरान उर्फ साजिद और मोहम्मद फैसल को अरुण जेटली स्टेडियम के बाहर से टिकट ब्लैक करते हुए पकड़ा था। इनसे पूछताछ के बाद 11 मई को स्टेडियम के पास मौजूद पेट्रोल पंप के मैनेजर पंकज यादव को अरेस्ट किया गया। पुलिस ने इसे रिमांड पर लिया तो खुलासा हुआ कि इसे डीडीसीए के अंदर से टिकट और पास मिलते थे।

जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्र हित में ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के संयमित पयोग के लिए की गई अभिनव पहल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रहित में ईंधन संरक्षण एवं संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर किए गए आह्वान के समर्थन के दृष्टिगत आज सुशासन तिहार के लिए छुरिया विकासखंड के ग्राम साल्हे में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के लिए कलेक्टोरेट परिसर से बस रवाना हुई। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देश पर ईंधन की बचत के मद्देनजर यह अभिनव पहल की गई। जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी बस के माध्यम से शिविर के लिए रवाना हुए। कलेक्टर ने सभी से ईंधन संरक्षण हेतु अपना योगदान देने के लिए अपील की है।
उल्लेखनीय है कि राष्ट्र हित में वैश्विक ऊर्जा संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के इस दौर में पेट्रोल-डीजल जैसे मूल्यवान संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने के लिए कारगर कदम उठाए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा वाहनों एवं अन्य सरकारी संसाधनों के मितव्ययीपूर्ण उपयोग के लिए यह पहल की गई है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सीएल मार्कण्डेय एवं जिले के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंगल न्यूटन स्कूल की छात्रा अविशी बल्दुआ ने किया ब्यावर का नाम रोशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ब्यावर। मंगल न्यूटन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ब्यावर के विद्यार्थियों ने कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा सत्र 2025-26 में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय एवं शहर का नाम गौरवान्वित किया। विद्यालय की छात्रा अविशी बल्दुआ ने कॉमर्स संकाय में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सिटी टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। अविशी ने अकाउंटेंसी एवं बिजनेस स्टडीज़ विषय में 99-99 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का उत्कृष्ट परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों में खुशी का माहौल है। विद्यालय की अन्य छात्राओं ने भी शानदार प्रदर्शन किया। रिद्धिमा बंसल ने 91.6 प्रतिशत, हिमांशी कौशिक ने 90.4 प्रतिशत, वृंदा असनानी ने 90.2 प्रतिशत तथा लक्षिता सांवलानी ने विज्ञान संकाय में 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय के विभिन्न विषयों में भी विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया। विद्यालय की प्राचार्या रेशल लिटिल एवं निदेशक यश मंगल ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस शानदार सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक मार्गदर्शन से ही ऐसे श्रेष्ठ परिणाम संभव होते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

पत्नी के कैरेक्टर पर था शक, सोते समय कुल्हाड़ी से वार कर की हत्या

कोटपूतली (एजेंसी)। कोटपूतली बहरोड जिले में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। इसके बाद शव को घर में बंद कर दिया और फिर खाटू श्याम मंदिर दर्शन करने चला गया। तीन दिन बाद घर से बदबू आने पर पड़ोसियों को शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। आरोपी के गांव लौटते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। यह घटना महतवास गांव की है, जो मांडण थाना क्षेत्र में आता है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस का कहना है कि कपिल सेन ने अपनी पत्नी मोनिका (36) की सोते समय कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। नीमराणा एडिशनल एसपी ने बताया कि 10 मई की सुबह सूचना मिली थी कि महतावास गांव में कपिल सेन के मकान से बदबू आ रही है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। घर के अंदर जाकर देखा तो कपिल सेन की पत्नी मोनिका का शव खून से लथपथ हालत में बेड पर पड़ा था। दीवारों और जमीन पर खून के निशान थे। इसके बाद जब पति 12 मई को गांव लौटा तो उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

फिल्म में महिला पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर पंजाबी एक्टर फिर विवादों में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता योगराज सिंह फिर विवादों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ चंडीगढ़ के एसएसपी को एक औपचारिक शिकायत दी गई है। यह शिकायत उनकी वायरल क्लिप में महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही एक महिला को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के संबंध में दर्ज करवाई गई है। फिल्मों में महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक और गलत शब्दावली के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से फिल्म के निर्देशक/निर्माताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडवोकेट उज्ज्वल भसीन द्वारा दी गई इस शिकायत में योगराज सिंह समेत उक्त कंटेंट के निर्माण, निर्देशन और प्रसारण से जुड़े लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उक्त टिप्पणी महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अभद्र है। आरोप है कि इस दौरान योगराज सिंह द्वारा की गई एक टिप्पणी महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक और अपमानजनक है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वायरल वीडियो में इस्तेमाल की गई भाषा महिलाओं की गरिमा को ठेस

अदालत पहुंची ममता बोलीं- हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों को नहीं बख्शा

-कोर्ट रूम से बाहर ममता की मौजदूगी में लगे चोर-चोर के नारे

कोलकाता (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील के रूप में अपनी पहली उपस्थिति दी। उन्होंने विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में हुई हिंसा से संबंधित मामले में न्यायमूर्ति के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं। ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को 10 मृतकों की सूची सौंपी, जिसमें से छह के हिंदू होने का दावा है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाकर कहा कि पुलिस की मौजूदगी में घरों और कार्यालयों को लूटा जा रहा था, लेकिन इन मामलों में प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई। उन्होंने एक 92 वर्षीय अनुसूचित जाति की विधवा और उसके परिवार को घर से बेदखल करने का मुद्दा भी उठाया। कलकत्ता हाईकोर्ट में तस्वीरें दिखाते हुए ममता बनर्जी अत्यंत भावुक हो गईं और बताया कि हिंसा में बच्चों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों तक को नहीं बख्शा गया। उन्होंने खुलासा किया कि उनके अपने परिवार की 12 साल की बच्चियों को बलात्कार की धमकियां दी गई हैं। उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट से तत्काल बंगाल के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई, क्योंकि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं।

अपनी दलीलों के दौरान, ममता ने राज्य प्रशासन और पुलिस की निष्क्रियता पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पुलिस के सामने दुकानें और घर तोड़े जा रहे हैं, और मछली बाजारों को भी निशाना बनाया गया था। उन्होंने विनम्र निवेदन किया कि बंगाल के लोगों की रक्षा की जाए। फरार पार्टी कार्यकर्ताओं का विवरण देकर उन्होंने कहा कि बंगाल कोई ऐसा राज्य नहीं है, जहां बुलडोजर चलाया जा सके। हम लोगों ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में तोड़फोड़ की गई दुकानों और घरों का विवरण दिया है। पूर्व सीएम ममता ने कहा कि अनाधिकृत संरचना को ध्वस्त करते वक्त भी व्यक्तियों को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि अपराधी कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं, तब पुलिस को अपराध रोकना चाहिए, न कि घटना घटने के बाद जांच करनी चाहिए? उन्होंने कहा कि पुलिस का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

दरअसल, हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के बाद पूरे राज्य में हिंसा की खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी के बेटे शीर्षान्य बंदोपाध्याय ने कलकत्ता हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। इस याचिका में पार्टी कार्यालयों, कार्यकर्ताओं पर हमलों और उनके विस्थापन का आरोप लगाया गया है। ममता ने मुख्य न्यायाधीश एचसी सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच के समक्ष अपनी दलीलें पेश कीं।

वहीं, जैसे ही ममता अपनी दलीलें पूरी कर कोर्ट रूम से बाहर निकलीं, वहां मौजूद लोगों ने उनके खिलाफ चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इन सबके बावजूद ममता बनर्जी ने अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखने और बंगाल के लोगों के हक में खड़े रहने का संकल्प लिया।

राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च पर बीजेपी के सवाल- संबित पात्रा ने कहा- आय से अधिक खर्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी विदेश यात्राओं को लेकर बड़ा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा सां संबित पात्रा ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी घोषित आय और विदेश दौरों पर हुए कथित खर्च के बीच अंतर को लेकर सवाल उठाए। संबित पात्रा ने दावा किया कि वर्ष 2004 से 2026 के ब राहुल गांधी ने 54 निजी विदेश यात्राएं की हैं, जिन पर लगभग 60 कर रुपये खर्च हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दौरों में किसी भी सरकारी संसदीय यात्रा को शामिल नहीं किया गया है और यह पूरी तरह निजी यात्र थीं। भाजपा नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि राहुल गांधी की घोि आय लगभग 11 करोड़ रुपये है, तो फिर विदेश यात्राओं पर कथित रूप 60 करोड़ रुपये कैसे खर्च किए गए। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से इन यात्राओं वित्तीय स्रोतों को सार्वजनिक करने की मांग की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौ संबित पात्रा ने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि विपक्ष के प्रमु नेता की विदेश यात्राओं का खर्च कौन उठा रहा है। भाजपा ने इसे पारदर्शि और जवाबदेही से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा।

बंगाल में पशु वध पर शुभेंदु सरकार सख्त, बकरीद पर संकट के बादल

अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना पशुबध नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। कोलकत्ता (ईएमएस)।पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार ने पशु वध को लेकर कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 और 2018 के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर एक नोटिस जारी किया है। यह आदेश 26 मई को मनाई जाने वाली ईद उल-अजहा (बकरीद) से ठीक पहले सामने आया है, जिससे राज्य की सियासत गर्मा गई है।

नए नियमों के अनुसार, अब अनिवार्य फिटनेस सर्टिफिकेट के बिना किसी भी मवेशी या भैंस के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होगा। यह प्रमाणपत्र नगर पालिका या पंचायत समिति के अध्यक्ष द्वारा सरकारी पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से दिया जाएगा। दोनों अधिकारियों को लिखित में इस बात पर सहमत होना होगा कि पशु वध के योग्य है। प्रमाणपत्र केवल तभी मिलेगा जब पशु की आयु 14 वर्ष से अधिक हो, या वह वृद्धावस्था, चोट, विकृति या किसी लाइलाज बीमारी के कारण स्थायी रूप से अक्षम हो गया है।

वहीं अधिकारी सरकार ने सार्वजनिक वध पर रोक लगा दी है। पशुओं का वध केवल नगर पालिका की वधशाला या स्थानीय प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट वधशाला में ही हो सकता है। बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाएगा, जिस पर छह महीने तक की जेल, 1,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को फिटनेस सर्टिफिकेट देने से मना किया जाता है, तब वह इस निर्णय के विरुद्ध 15 दिनों के भीतर राज्य सरकार के पास अपील कर सकता है।

बात दें कि ममता बनर्जी के 15 साल के शासन को समाप्त करने के बाद सत्ता में आई शुभेंदु अधिकारी सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर निर्णयों की झड़ी लगा दी है। हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर निर्णायक जनादेश पाया है, जो पिछले चुनाव की 77 सीटों के मुकाबले एक बड़ी छलांग है। तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर सिमटकर दूसरे स्थान पर रही है। ये कड़े नियम नई सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं का संकेत देते हैं।

पी में आंधी-तूफान का कहर, 90 से ज्यादा मौतें सैकड़ों पेड़ और बिजली के पोल उखड़े

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तूफान में सैकड़ों पेड़ उखड़ गए। बिजली के पोल गिरे। फसलें बर्बाद हो गईं। आंधी-तूफान की चपेट में आकर 90 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर शासन-प्रशासन की टीमें नुकसान के आकलन और प्रभावितों को फौरी मदद पहुंचाने की कोशिशों में जुटी हैं।

गौरतलब है कि बुधवार को यूपी के कई हिस्सों में तेज आंधी, बारिश कहर मचाया। पेड़ और पोल गिरने से बिजली व्यवस्था चरमरा गई। इस बीच राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में हादसों की चपेट में आकर कई लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा जनहानि बनारस, प्रयागराज और कानपुर मंडल में देखी गई है। भदोही में 18 लोगों की मौत की सूचना है। प्रयागराज में 17 और मिर्जापुर में 15 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह उन्नाव में 10 बरेली-प्रतागढ़ में 4-4 और सीतापुर, कानपुर, संभल, हरदोई और चंदौली में दो-दो लोगों की मौत हो गई है। शाजहांपुर, लखीमपुर में भी एक-एक व्यक्ति की मौत की रिपोर्ट है।

आंधी की शक्ल में आए तूफान ने कच्चे और फूस के मकान उजाड़ दिए। टेन शेड हवा में उड़ गए। रास्तों पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित रहा और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। स्थानीय प्रशासनिक टीमें राहत-बचाव अभियान में जुटी रहीं। रास्तों से पेड़ हटाने और पोल को किनारे करके यातायात व्यवस्था सुचारू करने की मुहिम चली। इसी बीच बिजली व्यवस्था भी दुरुस्त व के प्रयास जारी रहे। इसके अलावा जिन जगह जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। शा प्रशासन उसकी रिपोर्ट तैयार करके, पीड़ित परि की मदद में लगा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दि कि सभी प्रभावितों की हरसंभव मदद की ज सीएम ने कहा कि 24 घंटे के पीड़ितों को मुआ दिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापर नहीं होनी चाहिए। ऐसा तो उसे बर्दाश्त नहीं वि जाएगा। जनहानि का संज्ञान लेते हुए 24 घं अंदर पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिय उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों समेत वि विभागों के अधिकारियों को मौके पर पहुंच पीड़ितों को हर संभव सहायता उपलब्ध करा निर्देश दिए हैं। आदित्यनाथ ने अधिकारियों सतर्क रहने का निर्देश देते हुए राजस्व, विभाग और बीमा कंपनी से नुकसान का सर्वे कराकर शासन को भी अवगत कराने का अ दिया है।

मैंने पहले से काफिले को छोटा किया और मंत्रियों-विधायकों के वेतन में की कटौ

-सीएम सुक्खू बोले-बीजेपी ने अपने शासनकाल में फिजूलखर्ची कर संपदा को लूटा

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि प्रदेश के राज्यपाल ने अगर अपने काफिले में वाहनों की कटौती की है तो यह स्वागत योग्य कदम है। मंडी में नगर निगम चुनावों के प्रचार के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा कि वे खुद इलेक्ट्रिक कार में सफर करते हैं, जो काफी छोटी है और उसका खर्च पेट्रोल से भी कम है। उन्होंने अपने काफिले के अलावा मंत्रियों के काफिलों में भी पहले से कटौती कर रखी है। इसके अलावा मंत्रियों के वेतन में 30 प्रतिशत, जबकि विधायकों के वेतन में 20 प्रतिशत की अस्थाई कटौती की है। सरकार के इन्हीं प्रयासों से प्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता की तरफ आगे बढ़ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम सुक्खू ने विपक्षी दल बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने अपने शासनकाल में फिजूलखर्ची कर प्रदेश की संपदा को लुटाने का काम किया है। हजारों करोड़ के भवन खड़े कर दिए, जिनका आज कोई लाभ किसी को नहीं मिल रहा है। अब बीजेपी सत्ता में आने के सपने देख रही है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि इसके लिए जनता की कसौटी पर खरा उतरना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हिमाचल के लिए 1500 करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा करके गए थे, जोकि प्रदेश को आज दिन तक नहीं मि इस विषय पर किसी भी बीजेपी नेता ने कभी नहीं की। प्रदेश सरकार लगातार आर्थिक रि को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे जिसके जल्द सार्थक परिणाम नजर आ शिमला के कमला नेहरू अस्पताल से गायनी को शिफ्ट करने पर हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई रोव सीएम सुक्खू ने कहा कि गायनी वार्ड आईजीएमसी में इसलिए शिफ्ट किया गया ताकि वहां पर रोबोटिक सर्जरी हो सके। यह डॉक्टरों की मांग पर ही किया गया था। अब लोग इस फैसले के विरुद्ध में कोर्ट गए हैं। को फैसले का सरकार स्टडी करेगी।

पूर्व सीएम अखिलेश के घर पहुंचते ही अपर्णा ने की बंद कमरे में बात

बाहर खड़ा रहा पूरा परिवार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन के बाद उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। बुधवार को लखनऊ के कालिदास मार्ग स्थित उनके आवास पर सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी वहां पहुंचे। अखिलेश यादव ने प्रतीक के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित किए और अपर्णा यादव से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शाम करीब चार बजे श्रद्धांजलि देने पहुंचे। उन्होंने परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और इसे एक अत्यंत दुखद क्षति बताया। शोक की इस घड़ी में राजनीतिक मतभेद पीछे छूट गए; जहाँ एक ओर शिवपाल यादव और डिंपल यादव ने परिवार को संभाला, वहीं भाजपा सांसद साक्षी महाराज, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और कई अन्य दलों के नेता भी ढांढस बंधाने पहुंचे। अखिलेश यादव और साक्षी महाराज के बीच हुई भावुक मुलाकात भी चर्चा का विषय रही।

प्रतीक यादव के स्वास्थ्य को लेकर अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रतीक अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग थे। हालांकि, डॉक्टरों के अनुसार वे पल्मोनरी एंबॉलिज्म नामक गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे, जिसमें फेफड़ों की धमनियों में खून के थक्के जम जाते हैं। मई के पहले सप्ताह में उनके पैर की सर्जरी भी हुई थी, जिसके बाद से उन्हें चलने-फिरने में समस्या और सूजन की शिकायत थी। बताया जा रहा है कि मंगलवार रात जब प्रतीक की तबीयत बिगड़ी, तब घर पर उनकी दोनों बेटियां और घरेलू स्टाफ ही मौजूद था। सुबह करीब पांच बजे स्टाफ ने उन्हें कमरे में अचेत अवस्था में पाया। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों के अनुसार, जब उन्हें सुबह छह बजे अस्पताल लाया गया, तब उनकी सांसें थम चुकी थीं। प्रतीक यादव के निधन से यादव परिवार और उनके समर्थकों के बीच गहरा सन्नाटा पसरा हुआ है। सैफई से लेकर लखनऊ तक हर कोई अपने प्रिय प्रतीक को अंतिम विदाई देने की तैयारी में जुटा है।

शांति की भाषा पर संघ के साथ दिखे पूर्व सेना प्रमु

पाकिस्तान के साथ बातचीत पर दिया जोर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने पाकिस्तान के साथ भविष्य के संबंधों और संवाद को लेकर एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान का पुरजोर समर्थन किया है, जिसमें पाकिस्तान के साथ बातचीत और जन-संपर्क (पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट) को महत्व देने की बात कही गई थी। पूर्व सेना प्रमुख ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और बेहतर द्विपक्षीय संबंधों के लिए नागरिकों के बीच आपसी संवाद एक प्रभावी माध्यम साबित हो सकता है।

मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जनरल नरवणे ने कहा कि सीमा के दोनों ओर रहने वाले आम लोगों की बुनियादी समस्याएं-रोटी, कपड़ा और मकान-एक जैसी हैं। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीति से दूर, जब दोनों देशों के आम नागरिकों के बीच मित्रता और विश्वास का भाव पैदा होगा, तभी दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रैक-टू कूटनीति यानी अनौपचारिक बातचीत और खेल आयोजनों जैसे माध्यमों से लोगों के बीच जुड़ाव होना चाहिए। पूर्व सेना प्रमुख के अनुसार, हमारे नागरिकों को यह समझना आवश्यक है कि सीमा पार रहने वाला हर व्यक्ति कट्टर दुश्मन नहीं होता।

हालांकि, शांति और संवाद की वकालत करने के साथ-साथ जनरल नरवणे ने भारत की सैन्य दृढ़ता को लेकर भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट रू कहा कि बातचीत की इच्छा रखने अर्थ यह कतई नहीं है कि अपनी सैन्य शक्ति का उपयोग कर सकता। उनके शब्दों में, हमेशा शांति की भाषा बोलने व देश रहा है, लेकिन यदि राष्ट्रीय सु की बात आती है, तो हम ज पड़ने पर बल प्रयोग करने से बिल नहीं हिचकिचाएंगे। यह बयान दत्त होसबोले के उस हालिया बयान की निरंत में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने कहा थ पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक ने ने भारत का भरोसा खो दिया है, इस अब वहां के नागरिक समाज और लोगों को संवाद की कमान संभा चाहिए। जनरल नरवणे और संघ के नेत इस जुगलबंदी ने रक्षा और कूटनी गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है कि भारत अब पाकिस्तान के साथ नाग कूटनीति के जरिए नए रास्ते तलाशने तैयारी में है।

देश में मौसम का दोहरा मिजाज: एक ओर झुलसाती गर्मी, दूसरी ओर तूफान और मौ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में वर्तमान समय मौसम का दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है। एक ओर राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा, वहीं दूसरी ओर मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में ओले, तेज हवाओं और बारिश ने जनजीवन प्रभावित किया। इस दौरान बिहार, महाराष्ट्र और केरल में आंधी-तूफान व बिजली गिरने से कुल 15 बाड़मेर 48.3 डिग्री सेल्सियस के साथ देश का सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। फलौदी, चित्तौड़गढ़ और बीकानेर जैसे अन्य शहरों में भी पारा 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जिससे भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है।

वहीं उत्तर प्रदेश के संभल में बुधवार को दिन में अचानक अंधेरा छा गया और तेज धूल भरी आंधी चली, जबकि मेरठ में जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने राज्य के 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट जारी डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ, लेकिन निवाड़ी के बीजौर में तेज आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। हरियाणा के पिनगवा में भी ओलावृष्टि हुई, जबकि पंचकूला, यमुनानगर, करनाल और गुरुग्राम में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम की इस अप्रत्याशितता के कारण बिहार के जमुई और बांका में बिजली गिरने से एक बच्चे सहित 5 लोगों ने जान गंवा दी। महाराष्ट्र के सांगली में तेज आंधी से मंदिर की दीवार ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई, वहीं केरल के जान चली गई।

आगामी दो दिनों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी यूपी में बारिश व तेज हवाओं का अनुमान है, जबकि राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है। इन सबके बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून इस हफ्ते के अंत तक अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह तक पहुंच सकता है, जो सामान्य समय से पहले है

6 साल में सरकार ने कमाए सोने के आयात से 1,22,428 करोड़

नई दिल्ली।

देश में सोने के बढ़ते आयात से केंद्र सरकार की कमाई लगातार बढ़ रही है। बीते छह वर्षों में सोने पर लगाए गए आयात शुल्क से सरकार को कुल 1,22,428 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। वर्ष 2025-26 में सोने का आयात 72 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे सरकार को 37,341 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे पहले 2024-25 में 58 अरब डॉलर के आयात पर 26,402 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारों, शादी सीजन और निवेश के रूप में सोने की बढ़ती मांग के कारण आयात में तेजी आई है। सरकार को आयात शुल्क के जरिए बड़ा राजस्व मिल रहा है, लेकिन इससे व्यापार घाटे पर भी असर पड़ रहा है।

वर्ष	सोने का आयात (अरब डॉलर)	शुल्क से मिला राजस्व (करोड़ रु.)
2020-21	34.6	8,269
2021-22	46.1	20,376
2022-23	35.1	12,293
2023-24	45.5	17,747
2024-25	58	26,402
2025-26	72	37,341

गोल्ड मार्केट में चीन सबसे बड़ी ताकत, अप्रैल 2026 में 8 टन सोना खरीदा

चीन सोना खरीदकर अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता करना चाहता है कम

नई दिल्ली।

चीन इन दिनों दुनिया भर के गोल्ड मार्केट में सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार बड़े पैमाने पर सोना खरीद रहा है और अप्रैल 2026 तक यह सिलसिला जारी रहा। अब इस खरीदारी ने ग्लोबल मार्केट और डॉलर आधारित वित्तीय व्यवस्था पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने अप्रैल 2026 में अकेले 8 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही चीन के आधिकारिक गोल्ड रिजर्व बढ़कर 7 करोड़ 28 लाख ट्रॉय औंस तक पहुंच गए हैं। मार्च के आखिर तक इन रिजर्व की कुल कीमत करीब 342.76 अरब डॉलर आंकी गई। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यह खरीदारी सिर्फ सामान्य निवेश नहीं है, बल्कि इसके पीछे लंबी आर्थिक और रणनीतिक सोच है। चीन लगातार अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। यही वजह है कि वह विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा अब सोने में बदल रहा है। हाल के वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव, प्रतिबंधों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता ने बीजिंग को नई रणनीति अपनाने पर मजबूर किया है। चीन मानता है कि सोना ऐसा एसेट है, जिसे कोई देश फ्रीज नहीं कर सकता यानी अगर भविष्य में आर्थिक प्रतिबंध या वैश्विक संकट बढ़ते हैं, तो सोना उसके लिए सुरक्षा कवच का काम करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक एक और बड़ी वजह चीन की अपनी मुद्रा युआन को मजबूत बनाना भी मानी जा रही है। चीन चाहता है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में डॉलर की जगह युआन का इस्तेमाल बढ़े। ऐसे में मजबूत गोल्ड रिजर्व उसकी वित्तीय साख बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद चीन लगातार खरीदारी कर रहा है। इससे साफ संकेत मिलता है कि बीजिंग शॉर्ट टर्म मुनाफे के बजाय लॉन्ग टर्म रणनीति पर काम कर रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक चीन फिलहाल बाजार को हिलाने के लिए नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक मजबूत और सुरक्षित रिजर्व तैयार करने के मिशन पर है, लेकिन लगातार बढ़ती मांग का असर ग्लोबल गोल्ड मार्केट पर साफ दिख रहा है। चीन के साथ-साथ आम निवेशकों की खरीदारी भी बढ़ रही है, जिससे सोने की कीमतों को लगातार सपोर्ट मिल रहा है।

आरबीआई दे सकता है रिकॉर्ड डिविडेंड

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार को बड़ी राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इस वर्ष केंद्र सरकार को अब तक का सबसे बड़ा डिविडेंड देने की तैयारी में है। मिडिल ईस्ट संकट और वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच यह रकम सरकार के लिए बड़ा वित्तीय सहारा साबित हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, आरबीआई बोर्ड की इस महीने होने वाली बैठक में सरकार को दिए जाने वाले डिविडेंड और सरप्लस ट्रांसफर की अंतिम राशि पर फैसला लिया जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 789, निफ्टी 277 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 789.74 अंक बढ़कर 75398.72 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 277 अंक उछलकर 23689.60 के स्तर पर बंद हुआ। आज लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी रही। कारोबार के दौरान दूरसंचार, फार्मा और निजी बैंकिंग शेयरों में में उछाल आया। सेंसेक्स शेयरों में, भारती एयरटेल सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसके शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी आई। वहीं एटरनल के शेयरों में 3.32 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2.67 फीसदी की बढ़त हुई, जिससे सेंसेक्स में सबसे अधिक लाभ इन्हीं शेयरों के कारण हुआ। अदानी पोर्ट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर भी उछले। दूसरी ओर इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर नीचे आये।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह बाजार खुलते ही बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा ऊपर आया जबकि निफ्टी 23,500 के स्तर से ऊपर पहुंच गया। सुबह सेंसेक्स 338 अंक बढ़कर 74,947.12 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 118 अंक उछलकर 23,530 पर पहुंच गया। वहीं आज एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स करीब 0.47 फीसदी उछला जबकि हांगकांग का हैंग सेंग लगभग 1 फीसदी बढ़ा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.72 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोरी के साथ खुला और अपने ऑल-टाइम लो (सर्वकालिक निचले स्तर) पर पहुंच गया। रुपया सुबह डॉलर के मुकाबले 20 पैसे टूटकर 95.86 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 95.74 पर खुला और बाद में और गिरकर 95.86 के स्तर तक आ गया। वहीं बुधवार को रुपया 95.75 पर बंद हुआ था। मजबूत अमेरिकी डॉलर और ऊंची ऊर्जा कीमतों के कारण बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई।

डॉलर के मुकाबले क्यों टूट रहा रुपया..जाने कारण

मुंबई।

भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है, गुरुवार को शुरुआती कारोबार में यह 20 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा दिन है जब रुपए ने डॉलर के मुकाबले नया रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ है। बीते तीन दिनों में रुपए में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो घरेलू मुद्रा पर बढ़ते दबाव को दिखाता है। बुधवार को यह 95.66 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण हैं, जिसमें कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और अमेरिकी डॉलर की मजबूती शामिल हैं। इन कारकों के चलते, रुपया इस साल एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बन गया है, जिसमें अब तक छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.74 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत आयात करता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (जिसे लेख में ईरान युद्ध से जोड़ा गया है) के कारण अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 106.10 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, और कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ रहा है और देश के व्यापार घाटे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भी भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल रहे हैं, बुधवार को उन्होंने 4,703.15 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री की है। जिससे रुपए पर और दबाव बढ़ा।

समय के साथ भारत ने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को किया मंजूर

नई दिल्ली।

कर्नाटक ने 2023 में कारखाना श्रमिकों के लिए 12 घंटे की शिफ्ट की अनुमति दी तब ट्रेड यूनियनों ने जिनेवा स्थित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में तर्क दिया कि यह बदलाव भारत की उस प्रतिबद्धता का उल्लंघन है जो उसने आईएलओ के काम के घंटे समझौते 1919 के तहत जताई थी। इसके तहत श्रमिकों को अधिकतम प्रतिदिन आठ घंटे और प्रति सप्ताह 48 घंटे काम करना का प्रावधान है। इस प्रकार जो बहस घरेलू स्तर पर उत्पादकता, वेतन और श्रमिकों की पसंद के बीच संतुलन पर होनी चाहिए थी वह एक अंतरराष्ट्रीय मामले में बदल गई। यह अपनी तरह की कोई इकलौती घटना नहीं है। यह एक सदी पहले लिए गए फैसला का परिणाम है। भारत ने काम के घंटों को लेकर खुद को आईएलओ के नियमों के सबसे हस्तक्षेपकारी हिस्से से आबद्ध कर लिया था। भारत आईएलओ का संस्थापक सदस्य है और वह 1922 से ही उसकी संचालन संस्था का स्थायी सदस्य रहा है। समय के साथ हमने आईएलओ के 47 समझौतों और एक प्रोटोकॉल को मंजूर किया। इनमें से 39 अभी तक जारी हैं।

यह समस्या उतनी गंभीर नहीं होती यदि यह समझौता सार्वभौमिक सहमति को दर्शाता। आईएलओ के 187 सदस्य देशों में से केवल 52 ने सी001 को अनुमोदित किया है और केवल 30 ने इसके साथ जुड़े काम के घंटे समझौते, 1930 (सी030) को अनुमोदित किया। प्रमुख विनिर्माण शक्तियों जैसे अमेरिका, जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया और वियतनाम ने सी001 को अनुमोदित नहीं किया है। वहीं न्यूजीलैंड ने विपरीत रास्ता अपनाया। कई दशकों तक इस संधि का पालन करने के बाद उसने इसे नामंजूर कर दिया और अब कार्य समय को राष्ट्रीय कानून और सामूहिक सौदेबाजी के जरिए नियंत्रित करता है।

भारत एक बड़ा, औद्योगीकरण की प्रक्रिया में शामिल श्रम-संपन्न अर्थतंत्र है जिसने स्वयं को 1919 के युग की कार्य समय संधि के अधीन कर लिया है, जिसे इसके अधिकांश निर्यात प्रतिस्पर्धियों ने टाल दिया है। केवल कार्य समय ही नहीं, बल्कि भारत ने अपनी 47 अनुमोदित संधियों के साथ अन्य बड़े विनिर्माण देशों की तुलना में कहीं ज्यादा सक्रियता दिखाई है। जैसे अमेरिका ने 14 और चीन ने 28 को ही किया है। भारत के संविधान में श्रम को समवर्ती सूची में रखा गया है।

आईएलओ की संधियां केवल सिफारिशें नहीं हैं। आईएलओ का प्रत्यक्ष शिकायत तंत्र और त्रिपक्षीय स्वरूप उसको संयुक्त राष्ट्र की अन्य संस्थाओं से अलग बनाता है। किसी भी नियोक्ता या श्रमिक संगठन, किसी अन्य सदस्य राज्य, अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन के किसी प्रतिनिधि, या आईएलओ की अपनी संचालन संस्था द्वारा शिकायत या प्रस्तुति दर्ज की जा सकती है। गंभीर और लगातार मामलों में यह एक आयोगीय जांच का रूप ले सकता है। यदि कोई सरकार आयोग की सिफारिशों को लागू करने से सहमत नहीं होती, तो आईएलओ की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय श्रम सम्मेलन को 'ऐसी कार्रवाई की सिफारिश कर सकती है जिसे वह उचित और आवश्यक समझे।' आईएलओ के फैसले व्यापार और सहायता की शर्तों में भी शामिल होते हैं। विशेषकर यूरोपीय संघ के साथ और ये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण बन सकते हैं।

अप्रैल 2026 में थोक महंगाई 8.3 प्रतिशत पहुंची, ईंधन-कच्चे तेल ने बढ़ाया दबाव

नई दिल्ली।

देश में अप्रैल 2026 के दौरान थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) तेजी से बढ़कर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मार्च में 3.88 प्रतिशत थी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन, कच्चे तेल और धातुओं की कीमतों में भारी उछाल इसकी मुख्य वजह है। इस अवधि में थोक मूल्य सूचकांक बढ़कर 167 हो गया, जो मार्च में 160.8 था, जिससे महीने-दर-महीने आधार पर 3.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र में महंगाई सबसे अधिक बढ़ी, जिसकी दर अप्रैल में 24.71 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह महज 1.05 प्रतिशत थी। फ्यूल एंड पावर इंडेक्स 181.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल की कीमतों में 29.37 प्रतिशत, पेट्रोल में 32.4 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) में 25.19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई 88.06 प्रतिशत तक पहुंच गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भू-राजनीतिक तनाव ने विनिर्मित क्षेत्रों की लागत बढ़ाकर थोक महंगाई पर दबाव बढ़ाया है।

प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई भी अप्रैल में बढ़कर 9.17 प्रतिशत हो गई, जो मार्च में 6.36 प्रतिशत थी। इसमें कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की कीमतों में महीने-दर-महीने 16.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रमुख रही। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई भी मार्च के 3.39 प्रतिशत से बढ़कर 4.62 प्रतिशत हो गई। बेसिक मेटल्स, टेक्सटाइल और केमिकल्स जैसे क्षेत्रों में कीमतों में खास बढ़ोतरी हुई। डब्ल्यूपीआई के तहत आने वाले 22 विनिर्मित समूहों में से 21 में अप्रैल के दौरान कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक अप्रैल में 2.31 प्रतिशत रहा, जो ईंधन और ऊर्जा क्षेत्र की तुलना में अपेक्षाकृत नियंत्रित कही जा सकती है, भले ही इसमें मार्च के 1.85 प्रतिशत से कुछ वृद्धि हुई हो। कुल मिलाकर, अप्रैल 2026 में बढ़ी हुई थोक महंगाई देश की अर्थव्यवस्था पर लागत-प्रेरित दबाव को दर्शाती है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता और संबंधित वस्तुओं की कीमतों में उछाल है।

दूध हुआ महंगा- अमूल, मदर डेयरी और पराग ने बढ़ाए दाम, जनता में आक्रोश

नई दिल्ली।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि के बाद अब लोगों को दूध की महंगाई का भी सामना करना पड़ रहा है। देश की प्रमुख दूध कंपनियों जैसे अमूल, मदर डेयरी और पराग ने अपने दूध के दामों में करीब 2 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। अमूल की नई दरें 15 मई से प्रभावी होने की संभावना है। इस मूल्य वृद्धि को लेकर वाराणसी सहित देश के कई हिस्सों में आम लोगों के बीच गहरी नाराजगी देखने को मिली है।

लोगों का कहना है कि जहां गैस सिलेंडर की कीमतें अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जोड़ी जा रही थीं, वहीं दूध महंगा करने का कोई स्पष्ट कारण नजर नहीं आता। एक निवासी ने बताया कि उन्होंने खबरों में 2 रुपए की वृद्धि देखी थी, लेकिन बाजार में अमूल गोल्ड 3 रुपए तक महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। कई लोगों का आरोप है कि रोजमर्रा की चीजों की लगातार बढ़ती कीमतों से महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है, और दूध के दाम बढ़ने के बावजूद गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ है।

उनका मानना है कि इस फैसले से मध्यम वर्गीय परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होगा।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी प्रमुख शहरों में जानें ताजा भाव

नई दिल्ली।

14 मई 2026 को देशभर में पेट्रोल और डीजल के नए दाम जारी किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच लोगों की नजरें ईंधन के दामों पर टिकी हुई हैं। हालांकि, दिल्ली और मुंबई सहित कई बड़े शहरों में आज कीमतों में बड़ा बदलाव नहीं देखा गया, लेकिन कुछ अन्य शहरों में हल्की बढ़ोतरी या कमी दर्ज की गई है। भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है, इसके बाद वैश्विक बाजार में कीमतों का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जेब पर पड़ता है। मध्य-पूर्व में जारी तनाव के कारण दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा बना हुआ है, जिससे कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आने की आशंका है। इसकारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से बिना जरूरत वाहन का उपयोग कम करने, ईंधन की बर्बादी रोकने और ऊर्जा बचाने वाली आदतों को अपनाने का आग्रह किया है। उन्होंने गैर-जरूरी सोने की खरीदारी टालने और खाद्य तेल का सीमित उपयोग करने की सलाह भी दी। आंकड़ों के अनुसार, नई दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर रहा, जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.54 रुपये और डीजल 90.03 रुपये प्रति लीटर बिका। कोलकाता में पेट्रोल 105.45 रुपये और चेन्नई में 100.80 रुपये प्रति लीटर दर्ज किया गया। केंद्र सरकार की ओर से फिलहाल ईंधन राशनिंग या देशभर में कीमतों में बड़े बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सरकारी सूत्र लगातार हालात पर नजर रखे हुए हैं और सप्लाई चेन को सामान्य बनाए रखने की कोशिश जारी है।

अमेरिका कंपनियों से बोले शी, चीन में काम करने के बड़े मौके आपके सामने

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी कंपनियों के लिए देश में और भी बड़े अवसर पैदा होने का भरोसा दिलाया है। यह बयान उन्होंने बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी ऐतिहासिक मुलाकात के दौरान अमेरिकी अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं से मुलाकात करने के दौरान दिया। ट्रंप के साथ टेस्ला के एलन मस्क, एप्पल के टिम कुक और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग जैसे दिग्गज बिजनेस लीडर्स का एक बड़ा दल भी बीजिंग पहुंचा था। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शी ने कहा, चीन के खुलने का दरवाजा और भी बड़ा होता जाएगा। चीन, अमेरिका के साथ आपसी फायदे वाले सहयोग को मजबूत करने का स्वागत करता है। उन्होंने विश्वास जताया कि चीन में अमेरिकी कंपनियों के लिए और भी बड़े मौके मिलने वाले हैं। इस उच्च-स्तरीय अमेरिकी सीईओ समूह में एयरोस्पेस, टेक्नोलॉजी, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं जैसे विविध उद्योगों के दिग्गज शामिल थे। ब्लैकरॉक, ब्लैकस्टोन, बोइंग, कारगिल, सिटी, सिस्को, गोल्डमैन सैक्स, मास्टरकार्ड, मेटा और क्वालकॉम जैसी कंपनियों के सीनियर एग्जीक्यूटिव्स भी इस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिनपिंग के साथ बैठक की शुरुआत में इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने दुनिया के शीर्ष 30 लोगों को आमंत्रित किया था, और हर किसी ने हां कह दिया। उन्होंने कहा कि वे यहां चीन को सम्मान देने और व्यापार करने के लिए उत्सुक थे, केवल सर्वोच्च स्तर के प्रतिनिधियों को ही चुना गया था। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की संभावनाओं को दर्शाती है।

केंद्र से आया आदेश और धड़ाम हो गए चीनी कंपनियों के शेयर

मुंबई।

गुरुवार को चीनी बेचने वाली कंपनियों के शेयरों की कीमतों में गिरावट देखी गई है। बलरामपुर चीनी मिल्स और धामपुर शुगर मिल्स के शेयरों में गुरुवार को 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। बता दें, भारत ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक प्रतिबंध किया गया है। मोदी सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद बलरामपुर चीनी का शेयर 4.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 525 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर पहुंच गया। वहीं, धामपुर के शेयर 4 प्रतिशत तक की गिरावट के बाद 147.55 रुपये के इंट्रा-डे लो लेवल पर आ गया।

भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज के शेयर 3 प्रतिशत की गिरावट के बाद 354 रुपये और श्री रेणुका और ईआईडी पेरी के शेयरों में 2-2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। डीजीएफटी ने कहा, कच्ची चीनी, सफेद चीनी और परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को प्रतिबंधित श्रेणी से बदलकर निषिद्ध श्रेणी में तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर 2026 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, कर दिया गया है। भारत ने तब यह फैसला लिया है, जब दुनिया में सबसे अधिक चीनी का उत्पादन करने वाला देश ब्राजील ने अपनी चीनी मिल्स को 1.59 मिलियन मैट्रिक टन एक्सपोर्ट करने को कहा है। देश के अंदर चीनी की खपत से ज्यादा उत्पादन होने के बाद यह फैसला हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में कुल 275 लाख टन चीनी के उत्पादन की उम्मीद है। 50 लाख टन के ओपनिंग स्टॉक को अगर मिला लें, तब यह कुल 325 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू स्तर पर भारत की कुल खपत 280 लाख टन है। यानी इसके बाद करीब 45 लाख टन चीनी बचेगी।

जोकि 2016-17 के बाद का सबसे न्यूनतम स्तर है। बता दें, 2016-17 के दौरान चीनी की इंवेंट्री 39-40 लाख टन तक आई थी। मोदी सरकार अगले गन्ने के सीजन को लेकर भी चिंतित है।

बारिश कम होने की वजह से इसका भी प्रोडक्शन घट सकता है। बता दें, अल-नीनो के प्रभाव की वजह से इस बार मानसून में कम बारिश की उम्मीद है।

कुछ निवेशक ने पत्रकारिता की गुणवत्ता और दायरा बढ़ाने में किया निवेश

फिल्म 'द डेविल वेयर्स प्राडा 2' पत्रकारिता की रवायत को बचाने की कहानी

नई दिल्ली।

डेविड फ्रैंकल निर्देशित फिल्म 'द डेविल वेयर्स प्राडा 2' फैशन की दुनिया के बारे में नहीं बल्कि पत्रकारिता की रवायत को बचाने से जुड़ी है। 2006 की उस सुपरहिट फिल्म का सीक्वल, जिसकी कहानी फैशन की दुनिया पर आधारित थी, लेखन, तथ्यों और लोगों तक अनकही कहानियां पहुंचाने के माध्यम की स्तुति है। फिल्म की एक किरदार, ऐंडी सैक्स इस फिल्म में एक फैशन पत्रिका, 'रनवे' में फीचर संपादक के रूप में नजर आईं। पहली फिल्म में वह मिरांडा प्रिस्टली की सहयोगी थीं, जो एक सख्त लेकिन सफल संपादक की भूमिका में थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित तौर पर अब कहानी वर्ष 2026 की है। डिजिटल दौर ने प्रकाशन संस्थानों की दुनिया पर व्यापक और गहरा असर डाला है। इन प्रकाशन कंपनियों के सलाहकार लागत घटाने, कर्मचारी और फीचर आदि को कम करने में लगे हुए हैं। काफी संघर्ष के बाद, सैक्स और प्रिस्टली को एक निवेशक मिल जाता है जो उस तरह की पत्रकारिता के लिए फंड देने को तैयार है जिसे वे करना चाहती हैं और इस तरह की कहानी खुशनुमा मोड़ पर खत्म होती है। बता दें अगस्त 2013 में, मशहूर निवेशक जेफ बेजोस ने वॉशिंगटन पोस्ट को 25 करोड़ डॉलर नकद में खरीद लिया। उन्होंने इसे डिजिटल बनाने के साथ ही इसे मुनाफे में लाने में सफलता पाई और बार-बार इसके संपादकीय रुख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले, परंपरा तोड़ते हुए उन्होंने कहा कि यह अखबार डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस का समर्थन नहीं करेगा। इसके अलावा कर्मचारियों में एक-तिहाई कटौती की गई और अखबार की संपादकीय नीति बदल गई। अन्य निवेशकों ने भी स्थानीय समाचार पत्रों को खरीदते समय यही किया यानी लागत कम करने के साथ ही कर्मचारियों में कटौती की और ब्रांड मूल्य को शून्य के स्तर पर पहुंचा दिया। हालांकि कुछ निवेशक ऐसे भी रहे जिन्होंने पत्रकारिता की गुणवत्ता और उसके दायरे को बढ़ाने में निवेश किया जैसे कि फेनवे स्पोर्ट्स ग्रुप के जॉन हेनरी ने 'द बोस्टन ग्लोब' के जरिये ऐसा किया जिसे उन्होंने 2013 में खरीदा।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद है किशमिश का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक किशमिश ही नहीं, किशमिश का पानी भी आपकी सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। अगर आप हर रोज किशमिश का पानी पीते हैं, तो आपके पूरे शरीर पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं। सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का शिकार बनने से बचने के लिए भी आप औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को पीना शुरू कर सकते हैं।

किडनी-लिवर के लिए फायदेमंद

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि किशमिश का पानी आपकी किडनी के फंक्शन को सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा इस ड्राई फ्रूट का पानी लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी कारगर साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए ये एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

मजबूत बनाए दिल की सेहत

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पर काबू पाना चाहते हैं, तो किशमिश का पानी पीना शुरू कर दीजिए। किशमिश का पानी पीने से आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बनाकर दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा फाइबर रिच किशमिश का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

क्या आप जोड़ों के दर्द की समस्या से छुटकारा पाकर अपनी हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको किशमिश के पानी को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। इसके अलावा एनीमिया से बचने के लिए भी किशमिश का पानी पीने की सलाह दी जाती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सही मात्रा में और सही तरीके से किशमिश का पानी पीना बेहद जरूरी है।

विटामिन बी12 की अधिकता से हो सकते हैं ये रोग

विटामिन बी12 की कमी की वजह से सेहत पर पड़ने वाले नेगेटिव असर के बारे में ज्यादातर लोग जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से भी आपकी सेहत पर कुछ साइड इफेक्ट्स पड़ सकते हैं? कुल मिलाकर किसी भी चीज की कमी या फिर अति सेहत पर भारी पड़ सकती है। यही वजह है कि आपको किसी भी पोषक तत्व को संतुलित मात्रा में ही अपने डाइट प्लान में शामिल करना चाहिए।

सिर में दर्द/चक्कर

अगर आपके शरीर में विटामिन बी12 की ज्यादा मात्रा चली जाए, तो आपको मतली, सिर में दर्द या फिर चक्कर की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप इस तरह की समस्याओं से बचना चाहते हैं तो आपको विटामिन बी12 का इंजेक्शन लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करना चाहिए।

हार्ट हेल्थ पर पड़ सकता है असर

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन बी12 की अधिकता आपकी हार्ट हेल्थ पर भारी पड़ सकती है। इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपके दिल की धड़कन बढ़ सकती है। इसके अलावा अगर आप किडनी से जुड़ी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो आपको विटामिन बी12 सप्लीमेंट लेने से बचना चाहिए।

त्वचा के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक विटामिन बी12 की अधिकता, आपके शरीर के साथ-साथ आपकी त्वचा पर भी बुरा असर डाल सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस विटामिन की अधिकता की वजह से आपको मुंहासों, खुजली और रैश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपके शरीर में इस विटामिन की अधिकता है, तो आपको अपने डाइट प्लान में विटामिन बी12 से भरपूर खाने-पीने की चीजों को शामिल करने से बचना चाहिए।

फंगल इंफेक्शन किस विटामिन की कमी से होता है?

क्या आपको भी बार-बार फंगल इंफेक्शन की समस्या से जूझना पड़ता है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में किसी जरूरी पोषक तत्व की कमी पैदा हो गई हो। अगर किसी विटामिन की कमी के कारण आपको फंगल इंफेक्शन हो रहा है, तो आपको जल्द से जल्द इस विटामिन डेफिशिएंसी को दूर करने की कोशिश में जुट जाना चाहिए। आइए फंगल इंफेक्शन का कारण बनने वाले इस जरूरी पोषक तत्व के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी न केवल आपकी सेहत को बल्कि आपकी त्वचा को भी बुरी तरह से प्रभावित कर सकती है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो गई है, तो आपको बार-बार फंगल इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा इस जरूरी पोषक तत्व की कमी कैंडिड संक्रमण के खतरे को भी बढ़ा सकती है।

विटामिन सी की कमी

विटामिन डी के अलावा विटामिन सी की कमी भी आपकी त्वचा की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। विटामिन सी की कमी की वजह से आपके इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से आपके फंगल इंफेक्शन को ठीक होने में भी ज्यादा समय लग सकता है।

दूर करें डेफिशिएंसी

विटामिन डी और विटामिन सी की कमी को दूर करने के लिए आपको अपने डाइट प्लान में थोड़े-बहुत बदलाव करने की जरूरत है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए गाय का दूध, मशरूम, अंडे की जर्दी का सेवन किया जा सकता है। विटामिन सी रिच संतरा, किवी, ब्रोकली, टमाटर और शिमला मिर्च का सेवन कर आप इस विटामिन की कमी को दूर कर सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाने-पीने की इन चीजों को सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है।

सुबह वॉक करने से पहले इन ज़रूरी बातों का रखें खास ध्यान

सुबह के समय वॉक करने से दिनभर ताजगी का अनुभव होता है। सुबह की वॉक सिर्फ शारीरिक सेहत ही नहीं बल्कि मानसिक सेहत के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद है। इसलिए अपने आप को फिट और ऊर्जा से भरपूर रखने के लिए लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं सुबह की वॉक से पहले आपको इन कुछ ज़रूरी बातों का ख़ास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप सुबह वॉक से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखेंगे तो फायदे की जगह आपके स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

वॉक से पहले पानी ज़रूर पिएं

जब आप उठते हैं तो आपके शरीर में पहले से ही पानी की कमी हो रही होती है। आप 6-8 घंटे तक एक घूंट भी पानी पिए बिना रह चुके होते हैं। इसलिए, बिना पानी पिए टहलने के लिए निकलना खतरनाक हो सकता है। अगर आपके शरीर में पहले से ही तरल पदार्थ की कमी है, तो पसीने की कमी से तेजी से डिहाइड्रेशन हो सकता है जिससे मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द और थकान हो सकती है। इसलिए सुबह उठते ही एक या दो गिलास पानी पिएँ।

खाली पेट वॉक करने न जाएँ

कई लोगों को लगता है कि खाली पेट वॉक करने से वजन तेजी से कम होगा। जबकि ऐसा नहीं है, अगर आप भूखे पेट वॉक करने जाते हैं तो चक्कर या सिरदर्द महसूस हो सकता है। कम रक्त शर्करा के कारण कमजोरी, मतली या टहलने के दौरान बेहोशी भी महसूस हो सकती है। ऐसे में वॉक से पहले पूरा नाश्ता करने की जरूरत नहीं है। लेकिन कुछ हल्का फुल्का खाना ठीक रहेगा। जैसे एक केला, मुट्ठी भर भीगे हुए बादाम, टोस्ट का आधा टुकड़ा या एक छोटी सी फ्रूट स्मूदी।

वार्म-अप ज़रूर करें

वॉक से पहले एक छोटा सा स्ट्रेच रूटीन आपके हेल्दी और फिट शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। इसलिए, भले ही आप सुबह के समय सिर्फ़ 30 मिनट ही वॉक क्यों न चल रहे हों। कम से कम 3-5 मिनट का वार्म-अप ज़रूर करें। वार्म अप में आप एड़ियों को घुमाएँ, हल्के से पैर के अंगूठे को छूएँ, कंधे को हिलाएँ और गर्दन के घुमाएँ।

वॉक से पहले कैफीन का इस्तेमाल ज़्यादा न करें

वॉक से पहले कई लोग एक गर्म कप चाय या कॉफी पीना पसंद करते हैं। लेकिन वॉक से पहले कैफीन का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। कुछ लोगों के लिए, खाली पेट कैफीन वॉक के दौरान एसिडिटी या पेट खराब होने का कारण बन सकता है। अगर, आप ऐसे व्यक्ति हैं जो चाय या कॉफी के बिना काम नहीं कर सकते, तो वॉक के बाद इसे पीने की कोशिश करें। इस तरह, पाचन क्रिया सक्रिय रहेगी, आप फिर से हाइड्रेट होंगे।

शरीर को कमजोर बना सकती है प्रोटीन की कमी

अगर आपके शरीर में किसी भी पोषक तत्व की कमी पैदा हो जाए, तो सेहत से जुड़ी कई समस्याएं आपके शरीर पर हमला बोल सकती हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट प्लान को फॉलो करने की सलाह देते हैं। प्रोटीन शरीर के लिए एक जरूरी तत्व है। आइए इस तत्व की कमी की वजह से शरीर में दिखाई देने वाले कुछ लक्षणों के बारे में जानते हैं।

थकान और कमजोरी

प्रोटीन की वजह से आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। अगर आपको हर समय थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मसल पेन भी इसी पोषक तत्व की कमी का संकेत साबित हो सकता है।

ज्यादा भूख लगना

प्रोटीन की कमी की वजह से आपको ज्यादा भूख लग सकती है या फिर खाने के बाद भी पेट खाली लग सकता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई है, तो आपके घाव भी धीरे-धीरे भर पाएंगे। प्रोटीन की कमी की वजह से आपको सडन वेट लॉस का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर हो गई है और आप बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो ये लक्षण भी प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा कर सकता है।

गौर करने वाली बात - प्रोटीन की कमी न केवल आपके शरीर पर बल्कि आपकी त्वचा और आपके बालों पर भी नेगेटिव असर डाल सकती है। क्या आपकी त्वचा रूखी, फटी या फिर खुरदुरी हो गई है? अगर हां, तो हो सकता है कि आपके शरीर में प्रोटीन की कमी पैदा हो गई हो। बाल झड़ना या फिर नाखून टूट जाना भी इस पोषक तत्व की कमी का संकेत हो सकता है।

हाई यूरिक एसिड से जूझ रहे हैं, तो खाली पेट कर लीजिए इन चीजों का सेवन

जोड़ों के दर्द से मिल जाएगी राहत

क्या आप जानते हैं कि जब आपके शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ जाती है, तो आपको जोड़ों में असहनीय दर्द और सूजन हो सकती है? यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अगर आप खाली पेट सही मात्रा में पोषक तत्वों से भरपूर कुछ चीजों का सेवन करते हैं, तो आपको हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

फायदेमंद साबित होगा आंवला

दादी-नानी के जमाने से आंवला को सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। यूरिक एसिड के स्तर पर काबू पाने के लिए आप आंवला को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेना चाहिए। हर रोज खाली पेट एक आंवला खाएं या फिर गुनगुने पानी के साथ आंवला पाउडर को मिक्स कर कंज्यूम कर लें।

पी सकते हैं नींबू का पानी

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हाई यूरिक एसिड की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नींबू पानी का सेवन भी कर सकते हैं। विटामिन सी रिच नींबू पानी यूरिक एसिड को न्यूट्रल करने में कारगर साबित हो सकता है। सुबह-सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में हाफ नींबू निचोड़कर पी जाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस करें। अगर आप चाहें तो औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक में पोषक तत्वों वाले शहद को भी मिक्स कर सकते हैं।

अलसी के बीज फायदेमंद

क्या आप जानते हैं कि अलसी के बीज में पाए जाने वाले तत्व यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में कारगर साबित हो सकते हैं? एक स्पून अलसी के बीज को रात भर पानी में भिगोएं और फिर अगली सुबह पानी के साथ कंज्यूम कर लें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए खाली पेट अलसी के बीज खाएं।

सुपर जायंट्स को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी सीएसके

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम शुक्रवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। सुपर जायंट्स की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका प्रयास इस मैच में जीत के साथ ही अपने सत्र का समापन करना रहेगा। दूसरी ओर सीएसके के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे अपने प्लेऑफ की उम्मींदें बनाये रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

सीएसके के अभी 11 मैचों में 12 अंक लेकर 5वें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए अपने सभी बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से तीन सुपर जायंट्स ने जबकि इतने ही सीएसके ने जीते हैं।

कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की सीएसके के पास संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज हैं। सैमसन ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और सीएसक को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास गेंदबाजी में अंशुल कंबोज के अलावा नूर अहमद जैसे स्पिनर है। टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो सीएसके जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

वहीं ऋषभ पंत की कप्तानी में उतर रही सुपर जायंट्स का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल तीन मैच जीतकर 6 अंक हासिल कर पायी है। टीम में निरंतरता की कमी

नजर आयी है। उसकी बल्लेबाजी बेहद खराब रही है। गेंदबाजी में केवल युवा प्रिंस यादव ही प्रभावित कर पाये हैं। अन्य गेंदबाजों का प्रदर्शन खराब रहा है। यहां तक की अनुभवी मोहम्मद शमी भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), मिचेल मार्श, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम, अक्षत रघुवंशी, हिम्मत सिंह, शाहबाज अहमद, मोहम्मद शमी, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, इम्पैक्ट प्लेयर- आवेश खान

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान) संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, मैट हेनरी/स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, इम्पैक्ट प्लेयर- प्रशांत वीर

सिंधु और लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

बैंकाक (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ पांच लाख डॉलर इनामी राशि के थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में 28 मिनट के भीतर डेनमार्क की अमेली शूल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से मात दी। सिंधू का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा।

वहीं सेन दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे। पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी अंतिम आठ में पहुंच गए। उन्होंने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से मात दी। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमी नोमूरा और युइची शिमोगामी से होगा।

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपै के दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सू ली यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले में एक घंटा 10 मिनट में 16-21, 21-11, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इस साल थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग को थाईलैंड की पिचामोन ओपात्निपुत ने 23-21, 21-11 से मात दी।

विराट ऑरेंज कैप की दौर में तीसरे नंबर पर भुवनेश्वर पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर पहुंचे

रायपुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप दावेदारों में बदलाव आया है। केकेआर के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर आरसीबी के विराट कोहली एक बार फिर ऑरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में भी आरसीबी के ही भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर पहुंच गये हैं। विराट ने केकेआर के खिलाफ नाबाद 105 रनों की तेज पारी खेली। यह कोहली के आईपीएल करियर का नौवां शतक था, जिसने उन्हें ऑरेंज कैप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया। वहीं, गेंदबाजी सूची में सनराइजर्स हैदराबाद के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 22 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जिससे पर्पल कैप की दौड़ भी तेज हो गई है।

विराट के अब इस सत्र की 12 पारियों में अब तक कुल 484 रन हो गये हैं। उन्होंने यह रन 165.75 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से बनाए हैं, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का दिखाते हैहै। इस पारी ने उन्हें सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरा स्थान दिलाया है, जिससे ऑरेंज कैप जीतने की उनकी उम्मीदें और बढ़ गई हैं। ऑरेंज कैप की दौड़ अब बेहद रोमांचक हो गई है। विराट के आगे अब केवल दो बल्लेबाज सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन, जिन्होंने 508 रन बनाए हैं, और गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन, जिनके खाते में 501 रन दर्ज हैं। वहीं चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 481 रनों के साथ मौजूद हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 477 रनों के साथ पांचवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 467 रनों के साथ दावेदारों में बने हुए हैं, जिससे आगामी मैच और भी दिलचस्प हो गए हैं। वहीं गेंदबाजी में पर्पल कैप की दौड़ भी रोमांचक हो गयी है। भुवनेश्वर केकेआर के खिलाफ एक विकेट लेने के बाद 22 विकेट लेकर नंबर एक पर पहुंच गये हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के कगिसो रबाडा को पीछे छोड़ दिया है, जिनके 21 विकेट हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के युवा अंशुल कम्बोज 19 विकेटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव, गुजरात टाइटंस के राशिद खान, केकेआर के कार्तिक त्यागी और सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा सभी 16-16 विकेटों के साथ चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से काबिज हैं।

आरसीबी से हार के साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हुईं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अच्छा नहीं रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 11 वें मुकाबले में हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में पहुंची की बची हुई संभावनाएं भी समाप्त हो गयी हैं। केकेआर अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर फिसल गयी है।

अभी के हालातों को देखते हुए केकेआर की कोई संभावना नहीं बची है। टीम ने अब तक खेले गए 11 मैचों में से चार जीते हैं और एक का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार उसके केवल 9 अंक हैं। वहीं लीग स्तर में अब उसे केवल तीन मैच खेलने हैं। वहीं प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कुल 16 अंकों की जरूरत होती है। केवल कुछ अवसरों पर ही 14 अंक में प्लेऑफ की संभावना बन सकती है पर ये तभी होगा जब शीर्ष चार टीमों में से कोई भी 16 अंक तक न पहुंचे। केकेआर अपने बचे हुए तीनों मैच जीत भी लेती है, तो उनके कुल अंक केवल 15 ही हो पाएंगे। यह

आंकड़ा प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कई अन्य टीमों के संभावित अंकों से काफी कम है।

केकेआर के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंक तालिका में उनसे ऊपर मौजूद टीमों का प्रदर्शन है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के पहले ही 16-16 अंक हो गये हैं। इनके अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद 12 मैचों में 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है और उसे अभी दो मैच खेलने हैं। दोनों मैच जीतने पर वह 18 अंकों तक पहुंच सकती है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और उसके पास तीन मैच बचे हैं, जिससे वह 19 अंकों तक जा सकती है। इसी तरह, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स भी दौड़ में बनी हुई हैं। दोनों टीमों के पास 12-12 अंक हैं और उन्हें अभी तीन-तीन मैच खेलने हैं। ये दोनों टीमें भी अपने सभी बचे हुए मैच जीतकर 18 अंकों के आंकड़े तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली कैपिटल्स भी इस दौड़ में शामिल है पर उसे भी हर मैच जीतना होगा। इससे साफ है कि केकेआर, अपने अधिकतम 15 अंकों के साथ, इन प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच टिके नहीं रह सकती क्योंकि अन्य सभी 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर सकती हैं।

आईपीएल में पिछले छह सत्र से असफल रहे हैं शाहरुख

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी रहे जो हर सत्र में असफल होने के बाद भी करोड़ों की कमाई करने में सफल रहे हैं । ऐसे ही एक खिलाड़ी है । तमिलनाडु की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शाहरुख खान । पिछली छह आईपीएल सत्र में शाहरुख ने अलग-अलग फैंचाइजियों की ओर से खेला है पर एक बार भी वह सफल नहीं हुए हैं । इस प्रकार देखा जाये तो पिछले छह सालों में फैंचाइजी टीमों ने इस खिलाड़ी पर 38 करोड़ रुपये से अधिक लुटा दिये हैं पर परिणाम शून्य रहा है । बल्ले और गेंद से उनका प्रदर्शन अब तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है । इस सत्र में भी वह गुजरात टाइटंस की ओर से 9 मैचो में 130.30 की स्ट्राइक रेट से केवल 43 रन बना पाये हैं । इस क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी के लिए एक बेहतरीन फिनिशर के तौर पर जाना जाता था । 100 से अधिक टी20 मुकाबलों में निचले क्रम में तेज रन बनाने की क्षमता ने उन्हें आईपीएल फेंचाइजियों की नजरों में ला दिया । सबसे पहले साल 2021 में पंजाब किंग्स ने उन्हें 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा पर उनका सत्र सामान्य रहा । पंजाब किंग्स ने उन्हें 2022 और 2023 सीजन के लिए 9-9 करोड़ रुपये में रिटेन किया । शुरुआती कुछ मैचों में उन्होंने अपनी पावर हिटिंग की झलक भी दिखाई, लेकिन निरंतरता का अभाव रहा। इसके बावजूद, आईपीएल 2024 के मिनी ऑक्शन में गुजरात टाइटन्स ने उन्हें 7.4 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया । गुजरात ने उन पर लगातार भरोसा बनाए रखा और 2025 तथा 2026 सीजन के लिए 4-4 करोड़ रुपये में रिटेन किया, जिससे उन पर कुल खर्च की गई राशि 38 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई ।

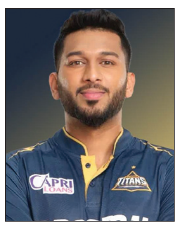

हर कोई बात कर रहा है कि यह आईपीएल अगली पीढ़ी का है, कोहली ने आलोचकों को शतक से जवाब दिया : गावस्कर

रायपुर । भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि इस चैम्पियन बल्लेबाज ने साबित कर दिया है कि पुरानी पीढी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है । पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट हुए कोहली के 60 गेंदों में नाबाद 105 रन की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने IPL के मैच में KKR को 6 विकेट से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया । गावस्कर ने 'स्टार स्पोटर्स' पर कहा, 'विराट कोहली ने KKR के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया । लक्ष्य का पीछा करने में उसका कोई सानी नहीं है । हर कोई बात कर रहा है कि यह सत्र अगली पीढ़ी का है लेकिन कोहली ने दिखा दिया कि वह अभी भी है । उसने आलोचकों को शतक से जवाब दिया और आरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गया । उसने साबित कर दिया कि पुरानी पीढ़ी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है ।' उन्होंने कहा, 'टी20 शतकों के मामले में वह 10 शतक के साथ क्रिस गेल और बाबर आजम के बाद तीसरे नंबर पर है । उसने टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे किए और IPL में नौ शतक लगा चुका है । रिकॉर्ड टूटने के लिए बनते हैं लेकिन कोहली अगर मैच दर मैच, सत्र दर सत्र ऐसे ही खेलता रहा तो किसी को भी वहां तक पहुंचने में लंबा समय लगेगा ।' गावस्कर ने यह भी कहा कि चक्रवर्ती द्वारा कोहली का कैच टपकाना मैच का निर्णायक पल रहा। उन्होंने कहा, 'RCB के खिलाफ मैच से पहले केकेआर कैच लपकने के मामले में बेहतरीन थी लेकिन यह कैच छोड़ना काफी महंगा पड़ा ।'

फीफा विश्व कप के मेगा हाफटाइम शो में नजर आयेंगी मैडोना, बीटीएस और शकीरा

-उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी नोरा फतेही

लॉस एंजेलिस (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मेगा हाफटाइम शो में इस बार पॉप सिंगर मैडोना, पॉप स्टार शकीरा के अलावा दक्षिण कोरिया की बीटीएस भी कार्यक्रम पेश करेगी जबकि उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही कार्यक्रम पेश करेंगी। इस प्रकार ये विश्वकप दूनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव साबित होगा। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप में अमेरिकी सुपर बाउल की तरह ही एक मेगा हाफटाइम शो का आयोजन भी किया जाएगा।

फीफा ने हाल ही में एक टीजर वीडियो जारी कर इस मेगा इवेंट की घोषणा की है। इस वीडियो में मशहूर संगीतकार क्रिस मार्टिन और

लोकप्रिय कार्टून कैरेक्टर एल्मो के साथ मपेट शो के कई किरदार भी दिखे। जिन्होंने मैडोना, बीटीएस और शकीरा जैसे ग्लोबल आइकॉन के नामों की घोषणा की। इसके बाद से ही सोशल मीडिया में प्रशंसकों में उत्साह है।

इस हाफटाइम शो से होने वाली संपूर्ण कमाई फीफा ग्लोबल सिटिजन एजुकेशन फंड को दान की जाएगी। इस नेक पहल का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के जरूरतमंद बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और फुटबॉल की बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। इस फंड के माध्यम से लगभग 100 मिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लाखों बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाया जा सके।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यू जर्सी में खेला जाएगा, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगा। बॉलीवुड अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही भी समारोह में कार्यक्रम पेश करेगी। नोरा कनाडा के टोरंटो में स्थित बीएमओ फील्ड में 12 जून को होने वाले इस भव्य समारोह में गायन और नृत्य दोनों प्रस्तुत करेंगी। उनके साथ कनाडा के दिग्गज कलाकार माइकल बुबले, अलानिस मोरिसेट और एलेसिया कारा सहित कई बड़े कलाकर भी मंच पर नजर आयेंगे।

नेशंस कप से पहले अभ्यास के लिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी वूमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के लिए इसी माह ऑस्ट्रेलिया जाएगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी । वहीं टीम के कोच स्जोर्ड मारिजने के अनुसार अभ्यास मैचों से खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले हालातों के अनुसार ढ़लने में सहायता मिलेगी । वहीं हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे में वहां की राष्ट्रीय टीम से चार मुकाबले खेलेगी । ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे । इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी कमजोरियों को दूर रते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देगी ।

इसके अलावा टीम न्यूजीलैंड भी अभ्यास के लिए जाएगी । यहां भी टीम अभ्यास मैच खेलेगी । भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अर्जेंटीना दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं । अर्जेंटीना दौरे से वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने बेंगलुरु स्थित साई शिविर में अभ्यास किया था । इस दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, पेनल्टी कॉर्नर और डिफेंस पर खास ध्यान दिया गया । वहीं ड्रैग-फ्लिकर्स को नीदरलैंड हॉकी के विशेषज्ञ टकेइ टकेमा 26 मई से 21 जून तक पर्थ और ऑकलैंड में प्रशिक्षण देंगे । कोच ने कहा, हमें खुशी है कि हॉकी इंडिया ने इस दौरे का आयोजन किया । इन मैचों से हमें अपनी कमजोरियां को दूर करने का अवसर मिलेगा । अर्जेंटीना दौरे में हमने टीम का स्तर देखा था और अब हम अपनी प्रगति को परख पाएंगे ।

मेसी के अच्छे प्रदर्शन से इंटर मियामी ने सिनसिनाटी को 5-3 से हराया

सिनसिनाटी । कप्तान लियोनेल मेसी के दो गोल की सहायता से इंटर मियामी सीएफ ने एफसी सिनसिनाटी को 5-3 से हरा दिया । इस रोमांचक जीत के साथ ही इंटर मियामी ने एमएलएस रेगुलर सीजन के शुरुआती नौ मुकाबलों में सबसे अधिक क 22 अंक हासिल करने के एफसी सिनसिनाटी (2024) के रिकॉर्ड की बराबरी की है । इस मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ । मियामी ने 24वें मिनट में मेसी के गोल से बढ़त हासिल की । यह इस सीजन में उनका 10वां गोल था । इसके बाद मेजबान एफसी सिनसिनाटी ने हाफ टाइम से ठीक पहले, 44वें मिनट में पैनाल्टी कार्नर पर केविन डेन्की के गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया । वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत से ही सिनसिनाटी का प्रदर्शन अच्छा रहा । पावेल बुचा ने 49वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी । इसके बाद इंटर मियामी पर दबाव बढ़ गया पर मेसी ने 55वें मिनट में, डी पॉल के सटीक पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया । यह इस सत्र में उनका 11वां गोल था, सिनसिनाटी ने 64वें मिनट में एवांडर के गोल से एक बार फिर 3-2 से बढ़त बना ली । इंटर मियामी ने इसके बाद जबरदस्त हमले करते हुए बचे हुए समय में गोल दागकर स्कोर 3-3 से बराबरी पर ला दिया । मियामी की ओर से 84वें मिनट में जर्मन बर्टेराम ने गोल कर स्कोर 4-3 पर पहुंचा दिया । वहीं अंतिम क्षणों में सिनसिनाटी के गोलकीपर रोमन कैलेटानो की गलती से एक आत्मघाती गोल हो गया जिससे मियामी ने 5-3 से मुकाबला जीता लिया ।

नीरज चोपड़ा का रोम डायमंड लीग में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अगले माह रोम में होने वाले डायमंड लीग भाला फेंक टूर्नामेंट में शायद ही खेल पायें । इसका कारण है कि नीरज अब तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबर पाये हैं । इसी कारण 4 जून को इटली में होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए शुरुआती सूची में नीरज का नाम शामिल नहीं है । नीरज अगर नहीं उतरते हैं तो ये प्रशंसकों के लिए निराशाजन होगा । नीरज पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से ही फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे थे । इसी कारण अभी वह तुर्की में रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं । अभी उनका लक्ष्य पूरी तरह से फिटनपेस हासिल करना है। वहीं भारत के ही युवा खिलाड़ी सचिन यादव इस टूर्नामेंट से डायमंड लीग में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं । सचिन ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है । ऐसे में नीरज के नहीं खेलने पर वह भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे । उन्होंने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन करते हुए 86.27 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था और एक टूर्नामेंट में चौथा स्थान हासिल किया था। रोम में दुनिया के कुछ शीर्ष एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा से भी सचिन को लाभ होगा । रोम डायमंड लीग में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेज और जर्मनी के जूलियन वेबर शामिल जैसे दिग्गज भी शामिल रहेंगे । इसके अलावा पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म को फिर से हासिल करने का प्रयास करेंगे । श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिराज इस सीज़न की शुरुआत में 89.37 मीटर का प्रभावशाली थ्रो दर्ज करने के बाद में इस इवेंट में एक बड़े दावेदार के तौर पर उतरेंगे । ओलंपिक चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर, अमेरिकी एथलीट कर्टिस थॉम्पसन और पोलैंड के डेविड वेगनर भी यहां नजर आयेंगे ।

वैभव सूर्यवंशी की भारतीय टीम में एंट्री, श्रीलंका ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगे 15 वर्षीय बल्लेबाज

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की पुरुष चयन समिति ने गुरुवार को श्रीलंका में होने वाली आगामी एक दिवसीय ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया टीम की घोषणा की। सीरीज जून में खेली जाएगी। भारतीय स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा टीम की कप्तानी करेंगे जबकि 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी, जिनका IPL 2026 सीजन शानदार रहा है, को भी टीम में शामिल किया गया है।

IPL टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को भारत की आगामी ट्राई-सीरीज के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम में प्रतिभाशाली और होनहार घरेलू खिलाड़ियों का मिश्रण है, जिनमें प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, विपराज

निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज और अरशद खान शामिल हैं।

यह चयन भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए युवा प्रतिभाओं को तराशने पर इंडिया ए के निरंतर फोकस को दर्शाता है, जिसमें कई IPL और घरेलू खिलाड़ियों को ट्राई-सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। इस ट्राई-सीरीज में मेजबान श्रीलंका ए, इंडिया ए और अफगानिस्तान ए टीमें हिस्सा लेंगी। सीमित ओवरों की ट्राई-सीरीज के बाद इंडिया ए, श्रीलंका ए के खिलाफ दो मल्टी-डे मैच भी खेलेगी; इन रेड-बॉल मैचों के लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। व्हाइट-बॉल सीरीज दांबुला में खेली जाएगी, जबकि मल्टी-डे मैच गाले में होंगे।

श्रीलंका में होने वाली ट्राई-सीरीज 9 जून से शुरू होगी जिसका पहला मैच इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच खेला जाएगा। दूसरा मैच 11 जून को होगा, जिसमें इंडिया ए का मुकाबला अफगानिस्तान ए से होगा। अफगानिस्तान ए का मुकाबला 13 जून को श्रीलंका ए से होगा। सीरीज का चौथा मैच 15 जून को निर्धारित है, जिसमें इंडिया ए एक बार फिर श्रीलंका ए का सामना करेगी, जिसके बाद 17 जून को इंडिया ए बनाम अफगानिस्तान ए मैच होगा। 19 जून को, टूर्नामेंट के छठे मैच में अफगानिस्तान ए का मुकाबला श्रीलंका ए से होगा। ग्रुप चरण का समापन रविवार, 21 जून 2026 को त्रिकोणीय श्रृंखला फाइनल के साथ होगा।

त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उप-कप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में धनुष ने किया राम चरण को रिप्लेस

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम, एक्टर्स को ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने थिएटर एक्टर्स की मेहनत और संघर्ष पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जहां कलाकार बहुत मेहनत करते हैं लेकिन उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिल पाता। रश्मि देसाई का कहना है कि थिएटर ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। उन्होंने थिएटर को एक खूबसूरत और सीखने लायक माध्यम बताया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया, 'थिएटर एक्टर्स बहुत मेहनत करते हैं। उन्हें उनका हक समय पर नहीं मिलता। वे जिस तरह का मजा करते हैं, उनका एक छोटा सा परिवार होता है और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की तारीफ की जरूरत नहीं होती। उन्हें यह सुनने की जरूरत नहीं होती कि ठीक है, यह करो, वह करो।'

रश्मि ने थिएटर कलाकारों की रिस्क लेने की क्षमता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि थिएटर एक्टर्स रिस्क लेने के लिए तैयार रहते हैं। अगर कोई गलती हो जाए या असफलता हो तो भी उनके साथी उनका हाथ थाम लेते हैं और कहते हैं कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। रश्मि के अनुसार, थिएटर सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है जहां हर असफलता के बाद नई शुरुआत होती है।

अभिनेत्री ने थिएटर कलाकारों के लिए ज्यादा सम्मान की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा इज्जत के हकदार हैं। लोगों को थिएटर और थिएटर एक्टर्स के बारे में और जानना चाहिए। यह काम करने के लिए बहुत खूबसूरत माध्यम है।' रश्मि देसाई ने अपने थिएटर अनुभव पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उन्होंने इतने लंबे समय बाद थिएटर किया। उन्होंने वैशाली, प्रतिमा, अयूब, ओजस रावल और आसिफ पटेल जैसे सह-कलाकारों और निर्देशकों का आभार व्यक्त किया। रश्मि ने उन्हें कमाल और बेहद पॉजिटिव लोग बताया।

रश्मि देसाई का करियर साल 2006 में 'रावण' से शुरू हुआ। इसके बाद 'परी हूं मैं' में डबल रोल और 'उतरन' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली।

दादा के रोल में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका निभा रहे हैं। जैकी श्रॉफ की फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' के निर्माताओं ने इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस फिल्म में जैकी एक सुपरहीरो दादा की भूमिका में नजर आएंगे। आज निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है। इसी के साथ जानकारी दी है कि 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म इस साल 29 मई को रिलीज होगी। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' फिल्म का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है। इसमें प्रतीक, स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दासानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले और कई कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म के जरिए हम हर बच्चे के सपने को पूरा कर रहे हैं। अगर आपका दिल हमेशा जवान रहे और 90 साल की उम्र में भी हिम्मत बनी रहे, तो यही आपको सुपरहीरो बनाता है। बच्चों के सपनों को हमेशा सबसे पहले जगह देनी चाहिए।'

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से 'एक दिन' को कहा हां

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं।

अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई। आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी।

फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई

साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करेंगी दिशा पाटनी

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है। फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है। वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है। ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है।

ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं। इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं। दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।' दिशा ने कहा, ''मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।''

बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉर्टीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं।

'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

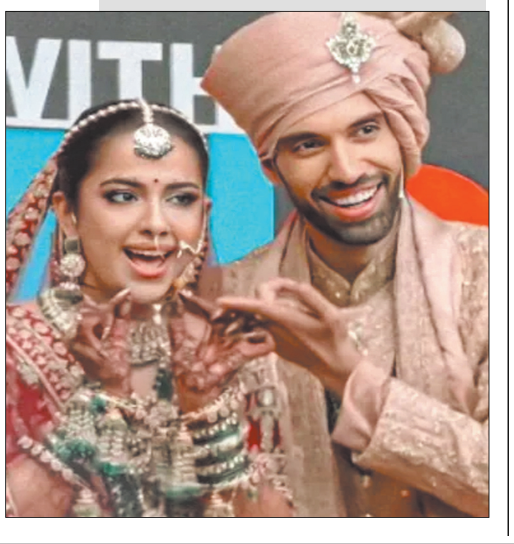

संक्षिप्त समाचार

हंगरी में 16 साल बाद नई सरकार, मंत्रियों ने संभाले पदभार

बुडापेस्ट, एजेंसी। यूरोपीय देश हंगरी में 16 साल के बाद व्यवस्था बदल गई है। मंत्रियों ने पदभार संभाल लिए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल मंत्रियो को शपथ दिलाई गई। सत्ता हस्तांतरण से पहले मैग्यार की प्रो-यूरोपीय तिस्ज़ा पार्टी ने पिछले महीने ओर्बन की फ़िडेज़ पार्टी को हराकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इसी के साथ 16 साल से चला आ रहा ओर्बन के राजनीतिक सिस्टम का पटाक्षेप हो गया है। पीटर मैग्यार ने अपनी नीतियों का संकेत देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली नई सरकार सभी हंगरीवासियों की होगी और मंत्री राष्ट्र सेवा की भावना के साथ काम करेंगे। मैग्यार ने भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, सार्वजनिक धन की वसूली, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने जैसे लुभावने वादे भी किए। नई सरकार में 16 मंत्रालय हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के लिए अलग विभाग हैं। इसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के जमे हुए करीब 17 अरब यूरो के फंड को वापस लाना है, जिस पर विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने भी जोर दिया।

मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन

न्यूयार्क, एजेंसी। वन लाइफ टु लिव और हाउ टु सरवाइव ए मैरिज जैसे लोकप्रिय सोप ओपेरा के लिए मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री जेनिफर हार्मोन का निधन हो गया है। वह 82 साल की थीं। परिजनों ने बताया कि जेनिफर ने शनिवार को न्यूयॉर्क में आखिरी सांस ली। हार्मोन ने अपने लगभग पांच दशकों के करिअर में ब्रॉडवे मंच (थिएटर) पर 21 बार अपनी कला का प्रदर्शन कर विशिष्ट पहचान बनाई थी। वे रंगमंच की दुनिया का एक प्रतिष्ठित चेहरा थीं। जेनिफर हार्मोन लोकप्रिय टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में 'कैथी' का किरदार निभाने के लिए जानी जाती थीं। वह इस भूमिका को निभाने वाली पांचवीं अभिनेत्री थीं। उन्होंने 1976 से 1978 तक यह रोल किया और इसके लिए डे-टाइम एमी अवॉर्ड के लिए नामांकन भी मिला था। इससे पहले उन्होंने 1974-75 में हृब्श्ट के शो 'हाउ टू सरवाइव ए मैरिज' में मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। जेनिफर हार्मोन का जन्म 3 दिसंबर 1943 को कैलिफोर्निया के पासाडेना में हुआ था। वह न्यू ऑरलियन्स में बड़ी हुईं। उन्होंने मिसिसिपी और मिशिगन विश्वविद्यालय से पढ़ाई की। इसके बाद न्यूयॉर्क जाकर उन्होंने थिएटर में काम शुरू किया। 1965 में जेनिफर ने ब्रॉडवे पर डेब्यू किया। उनके करियर में 'द स्कूल फॉर स्कैंडल', 'ब्लाइथ स्पिरिट', 'द ग्लास मेनेजरी', 'बेयरफुट इन द पार्क' जैसे कई प्रसिद्ध सीरियल्स में काम किया है। उन्होंने कई दशकों तक ब्रॉडवे पर अपनी अच्छे अभिनय का लोहा मनवाया। 'वन लाइफ टू लिव' में 1990 के दशक में वह एक वकील के रोल में भी वापस लौटी थीं। उन्होंने 'अनदर वर्ल्ड', 'गाइडिंग लाइट' और 'लविंग' जैसे कई सोप ओपेरा में भी काम किया।

एक और पर्वतारोही की माउंट एवरेस्ट पर मौत, अब तक 3 मरे

काठमांडू, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट पर एक और नेपाली पर्वतारोही की दरार में गिरने से मौत हो गई। पिछले दो हफ्तों के भीतर दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर होने वाली यह तीसरी मौत है। अधिकारियों ने बताया कि 21 वर्षीय फुरा ग्यालजेन शेरपा कैंप-3 के पास बर्फ पर फिसलकर लगभग 7,200 मीटर की ऊंचाई पर हादसे का शिकार हुए। इससे पहले खूंबू आइसफॉल और बेस कैंप के रास्ते में दो अन्य नेपाली पर्वतारोहियों बिजय घिमिरे बिशवकर्मा (35) और लक्पा देंडी शेरपा (51) की जान गई थी।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासा : युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही, अपने ही देश में बेघर हुए 8.2 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6 करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए। रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्त्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्त्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा।

डेमोक्रेटिक नेताओं ने दी ईरान में बढ़े पैमाने पर युद्ध बढ़ने की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका को मध्य पूर्व में एक और लंबे युद्ध की तरफ धकेल सकता है। ईरान के साथ चल रहे तनाव और युद्ध को लेकर अमेरिकी सीनेट में हुई एक अहम सुनवाई के दौरान नेताओं के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस दौरान युद्ध की बढ़ती आर्थिक और सैन्य लागत पर भी चिंता जताई गई। यह बहस उस समय हुई जब राष्ट्रपति ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर सीनेट की रक्षा संबंधी उपसमिति में चर्चा चल रही थी। कई डेमोक्रेट सीनेटर्स ने मौजूदा हालात की तुलना अमेरिका के पुराने इराक और अफगानिस्तान युद्धों से की। उनका कहना था कि सरकार के पास इस संघर्ष को खत्म करने की कोई स्पष्ट और लंबी रणनीति दिखाई नहीं दे रही है। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि प्रशासन किसी व्यापक राजनीतिक योजना के बिना, युद्ध के मैदान में मिलने वाली छोटी-मोटी जीतों पर ही केंद्रित लग रहा है। कून्स ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में पहले एक आम सहमति हुआ करती थी कि अमेरिका को युद्ध में तभी उतरना

चाहिए जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई खतरा हो, जब बाकी सभी विकल्प खत्म हो चुके हों, और जब हमारे पास स्पष्ट उद्देश्य और यह योजना हो कि युद्ध का अंत कैसे होगा।' कून्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बार-बार यह सवाल किया कि प्रशासन अब तक होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह सुरक्षित क्यों नहीं बना पाया। इस समुद्री रास्ते पर ईरान के दबाव की वजह से दुनियाभर में तेल और ईंधन की कीमतें बढ़ रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को कुछ सैन्य सफलताएं जरूर मिली हैं, लेकिन रणनीतिक स्तर पर अमेरिका को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है।

सीनेटर क्रिस्टोफर मर्फी ने भी सवाल उठाया कि क्या प्रशासन ईरान की, लंबे समय तक आर्थिक और सैन्य दबाव झेलने की क्षमता को कम करके आंक रहा है। मर्फी ने कहा, 'यह एक बहुत जोखिम भरी रणनीति है।' उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान तो शायद वर्षों तक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव को झेल जाए, लेकिन अमेरिकी परिवारों को ईंधन की आसमान छूती कीमतों के कारण भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

मर्फी ने तर्क दिया कि 'इस मामले में समय हमारे पक्ष में नहीं है,' क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें पहले से ही अमेरिकी किसानों और आम परिवारों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

सीनेटर पैटी मरे ने रक्षा बजट में भारी बढ़ोतरी की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार घरेलू जरूरतों से ज्यादा युद्ध पर पैसा खर्च कर रही है। मरे ने कहा, 'आप परिवारों की गाढ़ी कमाई से दिए गए टैक्स के पैसों को एक ऐसे युद्ध पर खर्च कर रहे हैं जिसका बहुत से लोग पुरजोर विरोध करते हैं। आप अगले साल के लिए युद्ध के बजट में आधा ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी करना चाहते हैं। डेमोक्रेट नेताओं ने यह सवाल भी उठाया कि क्या ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए सरकार के पास कानूनी अधिकार हैं या नहीं। उनका कहना था कि इतने बड़े संघर्ष के लिए कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी जरूरी होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्री हेगसेथ ने ट्रंप प्रशासन का बचाव किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने वह हासिल किया है जो पिछली सरकारें नहीं कर सकीं। उनका कहना था कि अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबाव बनाने की ताकत है और यह अभियान ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी है। पेंटागन अधिकारियों के मुताबिक अब तक ईरान संघर्ष पर करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। सीनटरों ने चेतावनी दी कि अगर सैन्य अभियान लंबे समय तक जारी रहा और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों को और नुकसान हुआ, तो यह खर्च और तेजी से बढ़ सकता है।

पूरी बहस से यह साफ दिखाई दिया कि वॉशिंगटन में इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि ईरान के साथ यह टकराव आगे चलकर एक बड़े और लंबे युद्ध में बदल सकता है। ठीक ऐसे समय में अमेरिका पहले ही चीन, रूस और यूक्रेन से जुड़े मामलों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

नहीं डालेंगे हथियार, इजरायल के लिए बना देंगे नरक; हिजबुल्लाह प्रमुख ने दी सीधी धमकी

तेहरान, एजेंसी। हिजबुल्लाह के वरिष्ठ नेता नईम कासिम ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि समूह की सैन्य क्षमताएं और हथियार पूरी तरह से लेबनान का आंतरिक मामला हैं। इजराइल के साथ चल रही शत्रुता के दौरान इन्हें किसी भी सौदेबाजी की मेज पर नहीं रखा जाएगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कासिम ने टेलीविजन संबोधन में इजरायली सैन्य दबाव का मुकाबला करते हुए कहा कि हम मैदान नहीं छोड़ेंगे। हम इजरायल के लिए इसे नरक बना देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके लड़ाके लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस दौरान कासिम ने लेबनानी सरकार के साथ भविष्य के सहयोग की रूपरेखा भी पेश की, जिसमें पांच प्रमुख उद्देश्य शामिल हैं... इजरायली आक्रामकता समाप्त कर लेबनान की संप्रभुता सुनिश्चित करना कब्जे वाले सभी क्षेत्रों से इजरायली सैनिकों की पूर्ण वापसी

बंदियों की रिहाई : विस्थापित नागरिकों की दक्षिणी लेबनान में सुरक्षित वापसी व्यापक स्तर पर पुनर्निर्माण कार्य वहीं, विदेशी हस्तक्षेप पर कासिम ने कहा कि लेबनान के बाहर किसी भी देश या पक्ष को हथियारों, प्रतिरोध आंदोलन या आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। हिजबुल्लाह प्रमुख ने साफ किया कि प्रतिरोध के हथियार अंतरराष्ट्रीय वार्ताकारों के लिए चर्चा का विषय नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह

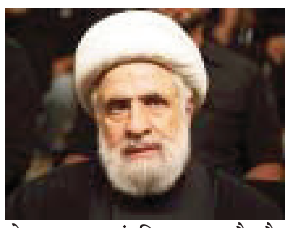

लेबनान का आंतरिक मामला है और दुश्मन के साथ किसी भी बातचीत का हिस्सा नहीं होगा। नईम कासिम ने आगे बताया कि पांच बिंदुओं को हासिल करने के बाद लेबनान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के तहत आंतरिक मामलों को व्यवस्थित करेगा, जिसमें प्रतिरोध आंदोलन सहित अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग किया जाएगा। बता दें कि यह बयान ऐसे समय में आया है जब लेबनान-इजरायल सीमा पर अस्थिरता बरकरार है। मई 2026 के मध्य तक अमेरिका की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम, जो मूल रूप से 17 अप्रैल को लागू हुआ था, अब कागजी घोषणा बनकर रह गया है। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के बफर जोन में अपनी मौजूदगी बनाए हुए है और रोजाना झड़पें जारी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च से अब तक इजरायली बलों ने लेबनान के लगभग 6 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि 2 मार्च को संघर्ष बढ़ने के बाद स्थिति बेहद खराब हो गई है। अल जजीरा के अनुसार, इजरायली अभियानों में 2840 से अधिक लोग मारे गए और 8700 से ज्यादा घायल हुए हैं। एक लाख से अधिक नागरिक विस्थापित हो चुके हैं।

धमाके से दहला पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा, आत्मघाती हमले में 9 लोगों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक भीड़-भाड़ वाले बाजार में हुए ब्लास्ट में कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोगों के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि यह ब्लास्ट नौरंग बाजार में हुआ जो खैबर पख्तूनख्वा का काफी व्यस्त कारोबारी केंद्र माना जाता है।

आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया : प्राथमिक सूचना के मुताबिक यह एक आत्मघाती हमला था। हमलावर विस्फटकों से लैस एक ऑटो रिक्शा में सवार हो कर भीड़ भरे बाजार में पहुंचा और धमाका कर दिया। इस ब्लास्ट में दो सुरक्षा अधिकारी समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 लोग घायल हो गए। यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले में हुई। जिला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ने नौरंग बाज़ार के फाटक चौक पर विस्फोटकों से भरे अपने ऑटो रिक्शा में धमाका कर दिया।

मृतकों में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी शामिल : अधिकारियों ने बताया कि इस ब्लास्ट में दो ट्रैफिक पुलिसकर्मी और एक महिला समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सराय नौरंग स्थित तहसील मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिस वक्त यह आत्मघाती हमला हुआ उस वक्त बाजार में काफी भीड़-भाड़ थी। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आगे के इलाज के लिए बन्नू और पेशावर के अस्पतालों में रेफर कर दिया गया है। घायलों की तादाद को देखते हुए अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है और सभी मेडिकल स्टाफ को बुला लिया गया है। रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने बताया कि ब्लास्ट की सूचना मिलते ही राहत कार्यों के लिए घटनास्थल पर एंबुलेंस और टीमें भेजी गईं। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मुहम्मद सुहैल अफरीदी ने इस ब्लास्ट का संज्ञान लिया और पुलिस महानिरीक्षक को घटना पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'इस मुश्किल समय में हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, और प्रांतीय सरकार उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराएगी।

अर्जेंटीना: राष्ट्रपति मिलेई के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना में मंगलवार को हजारों लोग देशभर के बड़े शहरों की सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की ओर से सरकारी विश्वविद्यालयों की फंडिंग में कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस संकटग्रस्त देश में सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था लोगों के लिए गर्व का विषय मानी जाती है। राजधानी ब्यूनस आयर्स में भारी भीड़ ने सरकारी मुख्यालय तक रैली निकाली और विश्वविद्यालयों के बजट में कमी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फंड की कमी से देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। अर्जेंटीना की सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था देश के शिक्षित कार्यबल की मजबूत नींव मानी जाती है और मध्यम वर्ग के लिए यह गर्व की बात है। यहां 1949 से पढ़ाई मुफ्त है और इसी व्यवस्था ने पांच नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। पिछले साल संसद ने विश्वविद्यालयों के खर्च और शिक्षकों के वेतन को बढ़ती महंगाई के हिसाब से बढ़ाने के लिए कानून पारित किया था। लेकिन सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया और अदालत में इस कानून को चुनौती दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह मिलेई भी अक्सर विश्वविद्यालय परिसरों को 'वोक विचारधारा' फैलाने वाली जगह बताते हैं। मिलेई ने सरकारी खर्च में भारी कटौती की अपनी योजना के तहत शिक्षा क्षेत्र की फंडिंग कम कर दी है। उनका कहना है कि पिछली वामपंथी सरकारों ने लापरवाही से खर्च किया, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ा। मंगलवार के प्रदर्शन में हर उम्र और अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा के लोग शामिल हुए। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब आर्थिक गतिविधियों में गिरावट, कम होती तनख्वाह और बढ़ती बेरोजगारी के कारण मिलेई की लोकप्रियता घट रही है। हाल के दिनों में भ्रष्टाचार के कई मामलों ने भी सरकार को घेरा है। खास तौर पर कैबिनेट प्रमुख मैनुअल अडोर्नी के कथित खर्चों की जांच चर्चा में है। आरोप है कि उनका खर्च उनकी सरकारी तनख्वाह और घोषित संपत्ति से मेल नहीं खाता। एक छात्र के पोस्टर पर लिखा था, अडोर्नी पर हमारा कितना पैसा खर्च हो रहा है? विश्वविद्यालय मामलों के उप सचिव अलेजांद्रो अल्वारेज ने मंगलवार के प्रदर्शन को 'पूरी तरह राजनीतिक' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने विश्वविद्यालयों के बढ़े हुए खर्च के लिए अतिरिक्त पैसा दिया है। लेकिन शिक्षक संगठनों ने इसे अपर्याप्त बताया है। सरकार का कहना है कि जिस कानून को चुनौती दी गई है, उसमें यह स्पष्ट नहीं बताया गया अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने देश की सर्वोच्च अदालत से 'जनता की आवाज सुनने' की अपील की। मुख्य शिक्षक संघ के अनुसार, 2023 के आखिर में मिलेई के सत्ता में आने के बाद महंगाई को देखते हुए विश्वविद्यालय शिक्षकों की वास्तविक आय में करीब 33 फीसदी की गिरावट आई है। ब्यूनस आयर्स विश्वविद्यालय के कुलपति रिकार्डो गेल्पी ने कहा कि खरीदने की क्षमता घटने के कारण इंजीनियरिंग और विज्ञान विभाग के कम से कम 580 शोध प्रोफेसरों ने सरकारी संस्थान छोड़ दिए हैं।

अमेरिका में एफडीए प्रमुख डॉ मकरी का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले काफी समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटास कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे।

फ्लेवर्ड ई-सिगरेट पर छिड़ा था 'शीत युद्ध' : डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी।

आंतरिक कलह के बाद शीर्ष अधिकारियों का पलायन : मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों ने या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे।

फार्मा दिग्गज और एक्टिविस्ट भी थे नाराज : डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे। उनका आरोप था कि मकरी की कार्यशैली से दवाओं की मंजूरी में अनिश्चितता पैदा हुई है। दूसरी ओर, गर्भपात विरोधी समूह भी उन पर हमलावर थे। इन समूहों का आरोप था कि मकरी गर्भपात की दवा मिफेप्रिस्टोन की समीक्षा में जानबूझकर देरी कर रहे हैं। वहीं, वेपिंग लॉबिस्टों ने ट्रंप से शिकायत की थी कि मकरी उनके उत्पादों के रास्ते में रोड़ा अटका रहे हैं।

अधर में लटकीं मकरी की नई योजनाएं : मकरी ने दवा समीक्षा प्रक्रिया को तेज करने के लिए कई पहल की थीं। उन्होंने इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल पर जोर दिया था। लेकिन उनके इस्तीफे के बाद इन योजनाओं का भविष्य धुंधला गया है। इनमें से अधिकांश कार्यक्रमों को अभी तक कानूनी रूप से लागू नहीं किया गया था। ऐसे में नए प्रमुख इन फैसलों को आसानी से पलट सकते हैं। विपक्षी दल भी इन योजनाओं की वैधता पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं।

ईरान पर नई मुसीबत, अमेरिका से तनाव के बीच भूकंप से दहली राजधानी तेहरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका के साथ युद्ध के बीच ईरान पर नई मुसीबत आ गई है। खबर है कि मंगलवार को राजधानी तेहरान में भूकंप आया है। इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। हालांकि, इस दौरान किसी जान और माल के नुकसान की खबर नहीं है। फिलहाल, मुल्क के कई शहरों में राहत टीमों को अलर्ट कर दिया गया है। इससे पहले 3 मार्च को भी ईरान के गेराश क्षेत्र में भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता 4.3 रही थी। आईआरआईबी यानी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, भूकंप के एक घंटे के बाद तक भी नुकसान की कोई खबर नहीं थी। साथ ही कहा गया है कि इस दौरान किसी तरह का आर्थिक नुकसान भी नहीं हुआ है। एजेंसी ने लिखा, 'तेहरान, माजनदरान, कोम और अलबोर्ज में रेड क्रीसेंट फोर्सेज को अलर्ट पर रखा गया है।' शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे तेहरान-माजनदरान प्रांत सीमा के पास था। यह राजधानी तेहरान से 41 किमी और करज से 77 किमी दूरी पर है। भूकंप के झटके तेहरान प्रांत के पूर्वी हिस्सों और माजनदरान प्रांत के शहरों में महसूस किए गए हैं। 3 मार्च को आए भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते। 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद अब तक स्थायी समझौता नहीं हो सका है। हाल ही में दोनों मुल्कों के बीच शांति प्रस्ताव एक बार फिर खारिज हो गया है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान डील नहीं करता है, तो वह उस मुल्क को खत्म कर देंगे। साथ ही कहा है कि स्थिति अमेरिका के नियंत्रण में है और ईरान को खत्म करने के लिए उन्हें चीन की जरूरत नहीं है। एजेंसी वार्ता ने सीएनएन के हवाले से लिखा है कि ट्रंप पश्चिमी एशिया में फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इससे पहले, ट्रंप के साथ बातचीत के बाद फॉक्स न्यूज ने कहा था कि वाइट हाउस होर्मुज जलमार्ग में जहाजों की आवाजाही बहाल करने के लिए 'ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम' को फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। ट्रंप को संघर्ष को सुलझाने के लिए हो रही बातचीत में ईरान के रुख से लगातार निराशा हाथ लगी है और अब वह बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि होर्मुज के बंद रहने से

ट्रंप के रक्षा बजट पर बवाल: ईरान युद्ध पर अमेरिकी संसद में घमासान, हेगसेथ बोले- अब भी हमारे हाथ में सारे पत्ते

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि तमाम तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के बावजूद अमेरिका अब भी सभी पत्ते अपने हाथ में रखता है। सीनेट विनियोग उपसमिति के समक्ष रक्षा मामलों की सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ तीखी बहस की। इस बैठक में जॉइंट चीफ्स चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। सुनवाई का मुख्य मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट, ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से बढ़ती तेल कीमतें और चीन-यक्रेन को लेकर पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि 47 वर्षों से ईरान अमेरिका पर हमला करता रहा है और परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर झूठ बोलता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने आखिरकार कार्रवाई करने का साहस दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की पूरी पारंपरिक नौसेना अब फारस की खाड़ी के तल में पड़ी है और मौजूदा स्थिति में अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबदबा है। हालांकि डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह युद्ध बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य और अंत की योजना के लड़ा जा रहा है, जिसकी कीमत अमेरिकी जनता चुका रही है। वहीं सीनेटर पैटी मरे ने बढती ईंधन और

संघर्ष पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं, हालांकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है। सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर उठा। वैश्विक तेल आपर्ति की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास 'सैन्य विकल्प मौजूद हैं', लेकिन वाशिंगटन अब भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है ताकि ईरान 'अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री डकैती' बंद करे। जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने सैन्य योजनाओं पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में मिच मैककोनेल ने नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में जब अमेरिका के विरोधी देश एकजुट हो रहे हैं, सहयोगियों से दूरी बनाना खतरनाक हो सकता है। वहीं चीन को लेकर भी अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हुई। ट्रंप की संभावित बीजिंग यात्रा से पहले मैककॉनेल ने पूछा कि क्या ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी प्रतिबद्धताएं कायम रहेंगी। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों जापान, ताइवान और फिलीपींस

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.